



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37 नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1980 (भाद्रपद 22, 1902)  
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1980 (BHADRA 22, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग से छपाने के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सभा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Income Tax Department, the Government of India, the Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली सं० 35014/1/79-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग 1011 दिनांक 6 अगस्त, 1980

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अगस्त 1980

सं० ए० 35014/1/80 प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग 10 में सं० सेवा के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एम० के० मिश्र को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 15-7-80 से 14-10-80 तक की अवधि के लिये अथवा नियमित प्रबन्ध किये जाने तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों, वरिष्ठ विशेषज्ञ के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2 श्री एम० के० मिश्र, संघ लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ विशेषज्ञ के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन वित्त मंत्रालय के समय समय पर संशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई० III(60) दिनांक 4-5-61 में संहितित उपबन्धों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

1-236 GI/80

(9913)

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग 10 में सं० सेवा के स्थाई अनुभाग अधिकारियों को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 6-8 अगस्त 1980 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों, प्रत्येक के सार्वजनिक पदों पर तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

1. श्री योगिन्दर नाथ—अनु० अधिकारी (विशेष परीक्षा)

2. श्री डॉ० आर० मदान—अनु० अधिकारी (विशेष सेवायें)

2 अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप सर्वश्री योगिन्दर नाथ और डॉ० आर० मदान का वेतन वित्त मंत्रालय, व्यवसाय विभाग के समय समय पर संशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)

ई० III(60) दिनांक 4-5-61 का शर्तों के अनुसार विनियमित है।

एस० बालचन्द्रन,  
उप सचिव,  
कृते अध्यक्ष,

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 अगस्त 1980

सं० ए० 12022/1/79-प्रशा० I(ii)—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वयस ग्रेड अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव श्री एन० के० प्रसाद को 26-5-1980 के पूर्वाह्न में आगाम आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में ए० 2000-125/2-2250 के तहतमान में संयुक्त सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,  
उप सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1980

सं० 44 पी० आर० एम० 52—अपनी नियुक्ति की आयु होने पर, श्री एम० के० वामुदेवन, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के गैरव्यवस्थापन ग्रेड अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में विभागाध्यक्ष आशुतोष के पद पर कार्यरत, 31 जुलाई, 1980 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गये।

श्री० पी० शर्मा,  
निदेशक

#### गृह मंत्रालय

रा० एवं प्र० मु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० एफ० 2/74-प्रशासन-5—दिनांक 1-7-80 से दिनांक 26-7-80 तक 26 दिन की अश्वि छुट्टी समाप्त हो जाने के बाद प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एफ० सी० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (तमिलनाडु 1964), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाये दिनांक 27-7-1980 के पूर्वाह्न में तमिलनाडु सरकार को वापस सौंपी जाती है।

कॉ० का० ग्रावर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशाध्यक्ष केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक अगस्त 1980

सं० श्री० दो० 1478/80-स्थापना—राष्ट्रपति निम्न-लिखित को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जतरल इयूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एम० पी० /कम्पनी कमाण्डर) के पद पर अस्थाई रूप से, स्वास्थ्य परीक्षण में सही पाये जाने की शर्त उनके सामने दिखाई गई तारीख में नियुक्त करते हैं।—

- |                          |            |
|--------------------------|------------|
| 1. डा० एस० पलानी चामी    | 19-7-80    |
|                          | पूर्वाह्न' |
| 2. डा० एम० कृष्णाराव     | 25-7-80    |
|                          | अपराह्न    |
| 3. डा० (श्रीमति) उषा जैन | 1-8-80     |
|                          | अपराह्न    |

दिनांक 22 अगस्त 1980

सं० श्री० दो०-1464/80-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० के० गनेने शेखरन को 22 जुलाई 1980 के अपराह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उम्र पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 23 अगस्त 1980

सं० पी० एल० 2/79-स्थापना—श्री मोहन सिंह ने उनके कार्यालय अधीक्षक के पद पर परावर्तित होने के फलस्वरूप अनुभाग अधिकारी का कार्यभार 11-8-1980 (अपराह्न) को त्याग दिया।

के० आर० के० प्रसाद,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

#### महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 19 अगस्त 1980

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—भटिंडा को स्थानान्तरित होने पर श्री के० एस० अहलुवालिया ने 10 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—रांची से स्थानान्तरित होने पर श्री के० एस० अहलुवालिया ने श्री आर० के० जोली के स्थान पर 23 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एन० एफ० एल० भटिंडा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्रीनगर में स्थानान्तरित होने पर श्री आर० के० जोली ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—होशंगाबाद से स्थानान्तरित होने पर श्री बाई० पी० जोगेवार ने 16 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आर० एस० पी० राउरकेला के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—सिन्धु से स्थानान्तरित होने पर श्री के० एस० भिनहास ने श्री एम० एस० बोस के स्थान पर 8 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एन० पी० पी० सी० तुली (नागालैंड) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री एम० एस० बोस ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—बोकारो से स्थानान्तरित होने पर श्री एल० पी० सिंह ने 22 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब०, यूनिट, ए० एस० पी०, दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ई०-16016/19/76-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री एच० के० चटर्जी ने 11 अगस्त, 1980 के अपराह्न से महानिरीक्षक का कार्यालय, के० श्री० सु० ब०, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रतिनियुक्ति आधार पर अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री मोहन ठलवानी ने श्री एच० के० चटर्जी के स्थान पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से संभाल लिया।

ह० अथठनीध  
महानिरीक्षक

#### अम मंडालय

#### (अम प्युरो)

किसला-171004, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० 23/3/80 सी० पी० आई०—जुलाई, 1980 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जून, 1980 के स्तर से 8 अंक बढ़ कर 394 (तीन सौ चरानवे) रहा है। जुलाई 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 479 (चार सौ उनासी) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,  
संयुक्त निदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 अगस्त 1980

सं० 10/20/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, इन कार्यालय की तारीख 18 जनवरी, 1980 की समसंख्य अधिसूचना के अनुक्रम में श्रीमती कृष्णा चौधरी की, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में भाषाविद् के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 31 दिसम्बर,

1980 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, इस कार्यालय की तारीख 28 मार्च, 1979 की अधिसूचना सं० 12/5/71-आर० जी० (प्रशा० 1) के पैराग्राफ 2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार सहर्ष बढ़ाने हैं।

श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 11/37/80-प्रशा० I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत निम्नलिखित अधिकारियों को, नई दिल्ली मुख्यालय के साथ उम्मी कार्यालय में प्रत्येक के नाम के समक्ष दशित तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर पदोन्नति पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर सहर्ष नियुक्त करने हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
1	2	3
1.	श्री एल० सी० शर्मा	19 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० एस० बाबा	19 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न)

उपरोक्त पदों पर नियुक्तियां सम्बन्धित अधिकारियों को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पदों पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरह्यता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/37/80-प्रशा० I—राष्ट्रपति, राज्यों में जनगणना कार्य निदेशालयों में अन्वेषकों के पद पर कार्यरत निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के समक्ष दशित कार्यालय एवं तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जिसमें कार्य कर रहे हैं	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
1.	श्री आर० ई० चौधरी	जनगणना कार्य निदेशालय, महाराष्ट्र बम्बई	23 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० एन० पोंगुर-लेकर	—उपरोक्त—	21 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
3.	श्री च० पूरन चन्द्र राव	जनगणना कार्य निदेशालय आन्ध्र प्रदेश	21 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एम० एन० सरकार	जनगणना कार्य निदेशालय पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	23 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न)

2. उपरोक्त पद पर नियुक्ति संबंधित अधिकारी को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

3. सर्वश्री चौधरी, पोंगुरलेकर, राव और सरकार का मुख्यालय क्रमशः बम्बई, हैदराबाद और कलकत्ता में होगा।

दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० 11/116/79-प्रशा० -I:—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री टी० पी० पाठक को उत्तर प्रदेश लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 19 जुलाई, 1980 के अपराह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पाठक का मुख्यालय गोरखपुर में होगा।

सं० 11/6/80-प्रशा० 1:—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश लेखा सेवा के अधिकारी श्री मनमोहन नारायण श्रीवास्तव को उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 2 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीवास्तव का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

दिनांक 23 अगस्त 1980

सं० 10/40/79-प्रशा०—राष्ट्रपति, इस कार्यालय के वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी के पद पर कार्यरत डा० एस० आर० मेहता की सेवाएं, इस कार्यालय के तारीख 19 मार्च, 1980 के समसंख्यक ज्ञापन में उल्लिखित नियुक्ति की शर्तों के अधीन अपेक्षित एक महीने के नोटिस पर, उनकी प्रार्थना के अनुसार, तारीख 8 अगस्त, के अपराह्न से समाप्त करते हैं।

पी० पदमनाभ,  
भारत के महापंजीकार

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-2, दिनांक 23 अगस्त 1980

सं० प्रशा० I/का० आ० 245/5-6/पदोन्नति/79-81/894—निदेशक लेखापरीक्षा के एतद्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को 14 अगस्त, 1980 अपराह्न से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया है।

क्रम संख्या नाम

सर्वश्री

1. श्री दीप चन्द जैन
2. आर० सी० जैन श्री आर० सी० जैन की पदोन्नति उस तिथि से लागू होगी जिस तिथि को यह नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय से वापस आ जाते हैं।
3. के० के० मलिक
4. बी० डी० गुप्त
5. एस० बी० वर्मा
6. एस० के० गुप्त
7. प्रेमा नन्द

ह० अथनीय  
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

अहमदाबाद, दिनांक 19 अगस्त 1980

सं० सभा० (ए०)/जी० प्रो०/896—महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

- |                        |                    |
|------------------------|--------------------|
| 1. श्री के० राधवन      | 1-8-80 (पूर्वाह्न) |
| 2. " एच० जे० मेहता     | "                  |
| 3. " ए० के० राजगोपालन  | "                  |
| 4. " के० के० त्रिवेदी  | "                  |
| 5. " बी० जे० शाह       | "                  |
| 6. " इ० एस० सुन्दरराजन | "                  |

उपयुक्त पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर 1980 के विशेष दीवानी सीविल आवेदन पत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अन्तिम आदेशों की प्राप्ति की शर्तों पर की जाती है।

अ० कृष्णाराव,  
उप महालेखाकार प्रशासन कार्यालय  
महानेखाकार गुजरात अहमदाबाद



श्रीनगर, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० प्रशा० 1/60/सांख्यिक-80-81/2175-81---  
महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर, श्रीनगर अगले आदेश जारी होने तक निम्नलिखित दो स्थाई अनुभाग अधिकारियों को 8 अगस्त, 1980 (पूर्व), से स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं ---

- 1 श्री सोमनाथ काक
- 2 श्री पृथ्वीनाथ हण्ड

हर प्रसाद दास,

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र० एव अ०)

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 11 अगस्त, 1980

सं० 65---महालेखाकार महोदय ने अगले आदेश तक इस कार्यालय के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 पर प्रत्येक के सामने अंकित तिथि से लेखा अधिकारियों के रूप में कार्य सम्पादन के लिये नियुक्त किया है।

पदोन्नति, न्यायालयों में विचाराधीन मामलों पर उच्च न्यायालय उच्चतम न्यायालय के लिये निर्णयानुसार तदर्थ आधार पर की गई है।

पूर्वाह्न

- |                                |        |
|--------------------------------|--------|
| 1 श्री गोपाल चन्द्र दास        | 4-7-80 |
| 2 श्री देवेन्द्र कुमार महान्ती | 5-7-80 |
| 3 श्री ए० वेक्टर राव           | 9-7-80 |
| 4 श्री विजय सिकदार             | 7-7-80 |
| 5. श्री बुर्योधन राजहंस        | 2-7-80 |
| 6 श्री मुकुन्दा नायक           | 2-8-80 |

के० पी० वेकटेश्वरन,

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 अगस्त 1980

सं०-68018(2)/71/प्रशा०-I---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा की एक अधिकारी, कुमारी अंजली अहलूवालिया (जो वित्त मंत्रालय (रक्षा प्रभाग) नई दिल्ली में, वित्तीय उप सलाहकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 1500-60-1800-100-2000) में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये,

दिनांक 1 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से, आगामी आदेश पर्यन्त, 'अनुक्रम नियम' के अधीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एल० बक्शी,  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

आइनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० 18/80/ए/ई०-1(एनजी)---महानिदेशक, आइनेन्स फैक्टरियाँ महोदय, श्री जगदीश चन्द्र घोष, सहायक स्टाफ अफसर (तदर्थ) को स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर के पद पर, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, वर्तमान रिक्ति में, दिनांक 1-8-80 से आगामी आदेश होने तक, प्रोन्नति करते हैं।

श्री घोष दिनांक 1-8-80 से दो वर्षों तक परखावधि पर रहेंगे।

महानिदेशक, आइनेन्स फैक्टरियाँ महोदय, श्रीमती स्मृति लाना सेन गुप्ता, स्थाई सहायक को, सहायक स्टाफ अफसर (तदर्थ) के पद पर, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, वर्तमान रिक्ति में, दिनांक 1-8-80 से, आगामी आदेश होने तक, प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० 19/80/ए/ई० 1 (एन० जी०)---महानिदेशक, आइनेन्स फैक्टरियाँ महोदय, श्री देवव्रतराय, स्थाई सहायक, को दिनांक 18-8-80 से अग्रिम आदेश न होने तक, तदर्थ आधार पर, वर्तमान रिक्ति में सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पद पर प्रोन्नत करते हैं।

डी० पी० चक्रवर्ती,

ए डी जी ओ एफ प्रशासन

कृते महानिदेशक, आइनेन्स फैक्टरियाँ

वाणिज्य मंत्रालय

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए०-12025(एक)/3/80-व्यवस्था II(क)---  
राष्ट्रपति श्री सुदाम चन्द चावरे को 7 जून, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बुनकर मेवा केन्द्र, दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजाइन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12025(1)/7/80-व्यवस्था II (क) —राष्ट्रपति श्री जी० रामास्वामी को 1 अगस्त 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र मद्रास में उपनिदेशक (बुनाई) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32013/7/80-व्यवस्था II (क) — राष्ट्रपति श्री आर० सी० शास्त्री, तकनीकी सहायक (रंगाई) को 29 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, इन्दौर में सहायक निदेशक ग्रेड I (प्रोसैसिंग) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32013/7/80-व्यवस्था II (क) — राष्ट्रपति श्री आर० ए० देशपांडे, तकनीकी सहायक (रंगाई) को 29 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, बंगलौर में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (प्रोसैसिंग) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एन० पी० शोपात्रि,  
संयुक्त विकास आयुक्त, (हथकरघा)

उद्योग सेवा संस्थान (शाखा), वाराणसी के उप निदेशक (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र पाल गुप्त,  
उप निदेशक (प्रशा०)

#### फिल्म प्रभाग

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

बम्बई, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ए० 12025(ii)/4/79-सीबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री वायू जे० फेनी, स्थाई, अनुरक्षण अभियन्ता, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को स्थानापन्न प्रयोगशाला अभियन्ता के पद पर तदर्थ पर दिनांक 31-5-1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा,  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

#### नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली-19, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ए० 11013/1/79-स्थापना—इस निदेशालय की 25 अप्रैल, 1980 की इसी संख्या की अधिसूचना के क्रम में नागरिक पूर्ति मंत्रालय के स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक श्री पी० एस० रावत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर पहली सितम्बर, 1980 से 28 फरवरी, 1981 तक अथवा नियमित पदधारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो जारी रखा गया है।

अ० कु० अग्रवाल,  
मुख्य निदेशक

#### पत्र सूचना कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1980

सं० ए० 12026/1/77-स्थापना—प्रधान सूचना अधिकारी एतद् द्वारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय संवर्ग सेवा के ग्रेड 4 अधिकारी और आकाशवाणी महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यरत श्री डी० जनार्दन राव को पत्र सूचना कार्यालय के मद्रास कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर 18 जून, 1980 के पूर्वाह्न से 2 वर्ष की अवधि के लिये प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

मदन मोहन शर्मा,  
सहायक प्रधान सूचना अधिकारी  
कृते प्रधान सूचना अधिकारी

#### विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1980

सं० ए० 12026/9/80-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री डी० एल० घोषाल, वितरण सहायक श्री जोगीराम लंगन, सहायक वितरण अधिकारी, जिनको छुट्टी दी गई है तथा इसके पश्चात् अस्थायी रूप से नई दिल्ली में स्थानान्तरण किया गया है के स्थान पर 14 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप में सहायक वितरण अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

#### उद्योग मंत्रालय

##### औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1980

सं० 12(566)/68-प्रशासन (राजपत्रित)—भारतीय निवेश केन्द्र, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति आधार पर तकनीकी परामर्शदाता के रूप में नियुक्ति होने पर, डा० आर० बी० परमार्थी ने दिनांक 30 जून, 1980 (अप्ररात्र) से लघु

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1980

सं० ए० 19019/16/79-के० से० स्वा० यो०-1—  
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ए० एम० राव को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 23 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/19/79 (एफ० आर० एम० एल०)  
(प्रशासन-1)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ईश्वर चन्द्र शुक्ला को 9 जुलाई, 1980 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक खाद्य अनुसन्धान तथा मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में कनिष्ठ विज्ञान के पद पर अस्थाई आधार पर तैनात किया है।

संगत सिंह,  
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्ननिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक अगस्त 1980

सं० ए० 19023/5/80-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री के० एन० धुंगरदकर सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन बम्बई में तारीख 11-7-80 (पूर्वा०) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 18 अगस्त 1980

सं० ए० 19023/49/78-प्रशा० III—इस निदेशालय के अधीन अशोहर में उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री ए० के० गुहा ने तारीख 30-7-80 के अपराह्न में फरीदाबाद में विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/6/80-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री हर प्रसाद सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन बम्बई में तारीख 11-7-1980 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के पद पर नियुक्ति होने के उपरान्त श्री हर प्रसाद ने तारीख 30-6-80 के अपराह्न में टंगाटूर में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/49/80-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों अनुसार श्री कलोल चन्दर लहरी को इस निदेशालय के अधीन कलकत्ता में तारीख 20-6-80 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/50/80-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के संस्तुतियों के अनुसार कुमारी सजनी बघा को इस निदेशालय के अधीन चण्डीगढ़ में तारीख 11-7-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ए० 19023/26/78-प्र० III—इस निदेशालय के अधीन खण्डवा में उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री ए० जी० देशपाण्डे ने तारीख 21-6-80 के अपराह्न में नागपुर में विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/4/80-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ब) की संस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों को, जो अल्पकालीन आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 25-4-80 से अगस्त आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

1. श्री जी० वी० राममूर्ति।
2. श्रीमती आर० ललिता।
3. श्री पी० डी० गिरासे।
4. श्री के० जयनन्दन।

सं० ए० 19025/13/80-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एस० के० गंगोपाध्याय को तारीख 10-7-80 (पूर्वा०) से इस निदेशालय के अधीन बम्बई में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

उनका स्थानपत्र तारीख 12-7-80 (अप०) से स्वीकार कर लिया गया है।

वी० एल० मनिहार  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० पी० ए० /43(1)/805 आर० 4---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय में स्थाई सुरक्षा अधिकारी श्री कर्मचन्दानी लक्ष्मण हीरानन्द को, जबकि वे छुट्टी पर थे, सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय से भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में स्थानान्तरित किये जाने पर, इस अनुसन्धान केन्द्र में 12 मार्च 1980 से अग्रिम आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने हैं।

12 मार्च 1980 से 13 मई, 1980 तक अपने अवकाश समाप्त होने पर श्री कर्मचन्दानी ने 14 मई 1980 पूर्वाह्न को सुरक्षा अधिकारी पद का कार्यभार संभाल लिया है।

यह अधिसूचना दिनांक 9 जून, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रम में है।

ए० ए० दीक्षित,  
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 11 अगस्त, 1980

सं० विप्राइप्र/3(262)/76-प्रशासन/10811---इस प्रभाग की दिनांक अप्रैल 7, 1980 की अधिसूचना संख्या 3(262) 76-प्रशासन के अनुक्रम में इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री एन० टी० कखानी को जुलाई 31, 1980 के अपराह्न तक के लिये, सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार स्थानापन्न रूप से संभालने रखने की अनुज्ञा प्रदान कर दी गई है।

व० वि० शर्मा,  
प्रशासन अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

डाक नपविप कालोनी, दिनांक 16 अगस्त 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(71)/80-एस०/10550---नियंत्रक सामान्य तथा रक्षा-लेखा कार्यालय के श्री के० एल० बी० मुख्या, संरक्षण अधिकारी (लेखा), जो नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, की प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के पश्चात् उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1980 के अपराह्न में छोड़ दिया तथा अपने पूर्व विभाग को, अपने पूर्व पद पर वापस हो गये।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/5(17)/80-एस०/10551---पश्चिमी रेलवे, बम्बई के अनुभाग अधिकारी (लेखा), श्री

आर० बी० अवस्थी, जो नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, की प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के पश्चात्, उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1980 के अपराह्न में छोड़ दिया तथा अपने पूर्व विभाग को अपने पूर्व पद पर वापस हो गये।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा० 1(183)/80-एस०/10552---नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, महालेखाकार कार्यालय राजस्थान, जयपुर के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री निरंजन देव को, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में, सहायक लेखा अधिकारी के प्रतिनियुक्ति पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 3 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर अग्रिम आदेशों तक के लिये नियुक्त करने हैं।

दिनांक 18 अगस्त 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(182)/80-एस०/10568---नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, निदेशक लेखा परीक्षा कार्यालय-उत्तर रेलवे, बड़ौदा, हाउस, नई दिल्ली, के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा को, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के प्रतिनियुक्ति पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 2 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर नियुक्त करने हैं।

जी० जी० कुलकर्णी,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिश्च

हैदराबाद-500762, दिनांक 10 अगस्त 1980

सं० ना ई स/का० प्र० भ०/0706/5453---नाभिकीय ईंधन समिश्च के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाधिकारी श्री बी० बेंकटेश्वर राव का दिनांक 9-5-1980 से 8-6-1980 के अपराह्न पर्यन्त स्थानापन्न लेखाधिकारी-II के पद पर तदर्थ आधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

यह अधिसूचना इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना ई स/का० प्र० भ०/0705/2636 दिनांक 19-5-1980, का स्थान लेगी।

सं० ना ई स/का० प्र० भ०/0705/5454---अधिसूचना सं० ना ई स/का० प्र० भ०/0705/5603 दिनांक 22-12-1979 के क्रम में नाभिकीय ईंधन समिश्च के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री एस० रंगराजन का दिनांक 18-2-1980 से 30-6-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखा-

धिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

यह, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना ई स/का प्र भ/0705/1922 दिनांक 26-3-1980, का स्थान लेगी।

सं० ना ई स/का प्र भ/0705/5455—नाभिकीय ईंधन सन्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री एन० भारतन का नाभिकीय ईंधन सन्मिश्र में दिनांक 19-5-1980 से 8-6-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

सं० ना ई स/का प्र भ/0705/5456—नाभिकीय ईंधन सन्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री मोहम्मद इस्माइल का नाभिकीय ईंधन सन्मिश्र में दिनांक 14-5-1980 से 31-5-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर वर्तमान रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

यू० वासुदेवा राव  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० प ख प्र-1/7/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के लेखाकार श्री जे० के० शर्मा को उसी प्रभाग में 9-6-1980 के अपराह्न से लेकर 9-2-1981 के अपराह्न तक तदर्थ तौर पर स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 310/3/79-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 24 जुलाई, 1980 से नागर विमानन विभाग में विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थाई तौर पर नियुक्त किया है।

क्रम संख्या	नाम
1	2
1.	श्री एम० ए० पाल
2.	श्री श्री० पी० डींगरा
3.	श्री एम० पी० खोसला
4.	श्री के० एस० प्रसाद

1	2
5.	श्री एन० डी० घोष
6.	श्री रवीन्द्रनाथ
7.	श्री सी० आर० राव
8.	श्री आर० एस० भगत
9.	श्री कुन्दन लाल
10.	श्री जे० जे० सरदना
11.	श्री के० सी० मिश्रा
12.	श्री जी० बी० के नैयर
13.	श्री डी० डी० सरदना
14.	श्री के० एन० वेंकटेश्वरैया
15.	श्री एस० सी० शेखजरी
16.	श्री एस० के० जैन
17.	श्री डी० रामानुजम
18.	श्री ए० टी० वर्गीस
19.	श्री के० बी० एस० राव
20.	श्री एन० पी० शर्मा
21.	श्री एस० के० बनर्जी
22.	श्री आर० कोतन्दारमन
23.	श्री के० के० सेक्सेना
24.	श्री ए० एम० थामस
25.	श्री एस० ए० राम
26.	श्री एम० एम० शर्मा
27.	श्री डी० सी० खरब
28.	श्री के० बी० के० खन्ना
29.	श्री डी० एन० धवन
30.	श्री ए० एफ० टिग्गा
31.	श्री ए० एम० निन्दकर
32.	श्री बी० एस० चावला
33.	श्री डी० संधानम
34.	श्री आर० एल० वर्मा
35.	श्री ए० के० बसु
36.	श्री आर० एल० चौपड़ा
37.	श्री पी० सी० गोयल
38.	श्री सी० एन० प्रसाद
39.	श्री ए० एम० इसराइल
40.	श्री डी० एन० घोष
41.	श्री डी० के० सेन
42.	श्री बी० एम० अरोड़ा
43.	श्री बी० के० कुमल
44.	श्री बी० के० सुरकार

1	2
45. श्री बी० एस० गम्भीर	
46. श्री एन० के० मूर्ति	
47. श्री पी० ए० रघुनाथन	
48. श्री एम० वी० एल० अग्रवाल	
49. श्री एच० एल० गुप्ता	
50. श्री सी० के० कुट्टी कृष्णन	
51. श्री आर० सी० खुराना	
52. श्री पी० आर० सबरवाल	
53. श्री एम० पी० चावला	
54. श्री एम० एम० जार्ज	
55. श्री के० एल० तनेजा	
56. श्री डी० पी० अरोड़ा	
57. श्री जी० बी० सुब्रामन्यम्	
58. श्री एम० एम० मलिक	
59. श्री एम० एल० उप्पल	
60. श्री वी० के० पाण्डेय	
61. श्री ए० डी० मलिक	
62. श्री आर० ए० अवस्थी	
63. श्री एस० पी० अरोड़ा	
64. श्री ओ० पी० बधवा	
65. श्री जे० एन० जेटली	
66. श्री एम० के० वत्ता	
67. श्री आर० सी० कान्डा	
68. श्री के० मुकुन्दन	
69. श्री के० एल० बतुरा	
70. श्री ओ० पी० सतिजा	
71. श्री आर० आर० खुश	
72. श्री डी० एन० सिंह	
73. श्री एम० एल० कपूर	
74. श्री जे० एस० वजीर	
75. श्री टी० एस० सन्धू	
76. श्री ए० एन० खेरा	

1	2	3
4. श्री एच० डी० लाल		भोपाल
5. श्री जी० बी० बन्सल		राजकोट
6. श्री एम० एस० गोसाई		पालम
7. श्री सी० एन० एस० मर्षी		मद्रास
8. श्री एन० एन० माथुर		खुमवीरधाम
9. श्री पी० खंशेखानी		दमदम
10. श्री पी० वी० वासुवानी		ए ओ० (पी०) मुख्यालय
11. श्री के० पी० एस० नायर		मद्रास
12. श्री ए० के० क्षा		उत्तरी लखिमपुर
13. श्री एस० जे० सिंह		पालम
14. श्री एस० के० बोहरा		सान्ताक्रुज
15. श्री विनोद कुमार यादव		सान्ताक्रुज
16. श्री दलजीत सिंह चात्रथ		पालम
17. श्री डी० डी० वियथी		श्रीनगर
18. श्री के० के० मलहोत्रा		दम दम
19. श्री जी० एस० काल्सी		लेह
20. श्री ए० टी० रिचार्ड		मद्रास
21. श्री राजेन्द्र पाल सिंह		बम्बई एयरपोर्ट
22. श्री अरुल आनन्द		तिरुपति
23. श्री सी० एम० कोथायत्		बम्बई
24. श्री पी० एन० भास्कर		भावनगर
25. श्री एच० सी० मलिक		अमृतसर
26. श्री एच० आर० जसेशी		बम्बई
27. श्री एस० सी० हुरिया		बेगमपट

वी० वी० जोहरी  
उपनिदेशक, प्रशासन

दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० ए० 32013/17/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमानक्षेत्र अधिकारी के पद में तबर्ष नियुक्तियों को दिनांक 31-8-80 तक या इन पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दी है।

क्रम संख्या	नाम	स्टेशन
1	2	3
1.	श्री कवि राज सिंह,	ए०एस०ओ० (ए०टी०सी) मुख्यालय
2.	श्री जे० एस० आर० के० शर्मा	मद्रास
3.	श्री अमीर चन्द	ग्वातिथर

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/11/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के वारन्ट अधिकारी श्री एम० एन० कुट्टी को दिनांक 7-8-1980 (पूर्वाह्न से तीन वर्ष के लिये अन्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार पर हैदराबाद एयरपोर्ट, हैदराबाद पर निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/2/80-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० डी० जैन को दिनांक 22 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से और अन्य आदेश होने तक, क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में, नियमित आधार पर प्रशासन अधिकारी (समूह "ख" पद) के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 21 अगस्त 1980

सं० ए० 38015/3/80-ई० एस०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री ए० एस० मल्होत्रा, प्रशासन अधिकारी ने दिनांक 31 जुलाई, 1980 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

आर० एन० दास,  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० 1/338/80-स्था.—नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री ए० के० बौस निवर्तन की आयु के हो जाने पर 26 फरवरी, 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

सं० 1/357/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा सिविल ममूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री वी० वी० वरदान को बिल्कुल तदर्थ, आधार पर अल्प-कालिक खाली जगह पर 21-4-1980 से 31-5-1980 तक की अवधि के लिये उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

एच० एन० मलहोत्रा,  
उप निदेशक (प्रशा०),  
कृते महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 18 अगस्त 1980

सं० 16/355/80-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री रामास्वामी प्यारिया-स्वामी को वन अनुसन्धान संस्थान कोयम्बटूर में दिनांक 7 अप्रैल, 1980 के अपराह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

रा० ना० महान्ती,  
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

कोचिन, दिनांक 28 अप्रैल 1980

सं० 1/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 232क के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, सी० भुजंगस्वामी, समाहर्ता, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, कोचिन उन व्यक्तियों के नाम,

पते और अन्य विवरण प्रकाशित करता हूँ जिनको केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए पाया गया है तथा जिन पर 10,000/— रुपये (दस हजार रुपये) या उससे अधिक दण्ड लगाया गया है।

(1) व्यक्तियों के नाम/पते:

1. श्री एन० नालकंठन नायर (सेवा निवृत्त प्रबन्ध निदेशक), 86/111 शान्ति लेन, तोट्टाकाट्टु, करण भालुवाय, केरल।
2. स्वर्गीय श्री पी० के० नायर (महा प्रबन्धक, 5/537क सजित बिहार, एरन्हुपालम, डाकघर, कैलिकट 6 केरल।
3. श्री पी० टी० देवस्सं (निदेशक) चीफ कनजरवेटर क्वार्टर्स, निरुअनन्तपुरम, केरल।
4. श्री के० वी० थामस (निदेशक) 163 उदरशिरोमणि रोड, निरुअनन्तपुरम, केरल।
5. श्री के० एन. मेनोन (निदेशक) ए० आई० क्वार्टर्स अलिन्द कालोनी, कुंडरा, केरल।
6. श्री वी० मुकुमारन नायर (निदेशक) श्रीकृष्ण-विलासम, शास्त्रामंगलम, निरुअनन्तपुरम केरल।
7. श्री एन० के० आर० पणिक्कर (निदेशक) गोपी मन्दिर, पारवकल, वंचियूर निरुअनन्तपुरम, केरल।
8. श्री वदमलोचन (निदेशक) मा ल्यू, तंकरशेरी, कोल्लम, केरल।
9. श्री पी० श्री० स्पेन्सर, (निदेशक), पुतनवोडु, करवालूर पोस्ट, पुनलूर, केरल।
10. श्री चित्तरंजन (निदेशक) पुलिविलिचिल वीडु, मुंडक्कल ईस्ट, कोल्लम, केरल।
11. श्री एस० पी० मुहम्मद (निदेशक) रूक्सविला शास्त्रामंगलम निरुअनन्तपुरम, केरल।

(2) फर्म का नाम: ट्राव्स्कूर प्लाईवुड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, पुनलूर, केरल।

(3) अधिनियम या नियमों के उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया

<p>केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमा- वली 1944 के नियम 9 (1), 52क 53, 173 ख, 173 ग, घ और ड, 174 और 226।</p>	

(4) लगाये गये दण्ड की राशि 100,000 /— रु० (केवल एक लाख रुपये)

(5) उत्पादन शुल्क योग्य सम्बन्धित माल का केन्द्रीय उत्पादन माल या अन्य सम्पत्ति का मूल्य जिसे न्याया-लय ने धारा 10 के अधीन जब्त करने का आदेश दिया है या धारा 33 में विनि-

शुल्क मूल्य 10,01,844 81 रुपये इस मूल्य पर समुचित दर पर शुल्क मांगा गया।

विष्ट अधिकारी ने  
जब्त किये जाने  
योग्य समझा है।  
योग्य समझा है।

(6) जब्ती के बदले में लगाये गये जुर्माने की राशि: शून्य।

(7) नियम 181 के अधीन रह किये गये किसी भी लाइसेंस  
का विवरण: शून्य।

सं० भुजंगस्वामी,  
समाहर्ता

नागपुर-440001, दिनांक 19 अगस्त, 1980

सं० 6/80—इस मसाहर्ता क्षेत्र के निरीक्षक (प्र० श्रे०)  
श्री एस० बी० काणे की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,  
श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने मुख्यालय,  
नागपुर में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" मुख्यालय  
के कार्यालय का दिनांक 10 जुलाई, 1980 के अपराह्न से  
कार्यभार ग्रहण किया।

के० शंकररामन  
समाहर्ता,

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० 3(डी० ए०)/5/79-प्रशा०ख—केन्द्रीय सिविल  
सेवाएँ (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5  
के उप-नियम (1) के अनुसरण में, मैं, जी० एस० जाखड़े,  
सचिव, केन्द्रीय जल आयोग, श्री सुनील जैरथ, अभिकल्प  
सहायक को एतद्वारा नोटिस देता हूँ कि भारत के राजपत्र  
में यह नोटिस प्रकाशित होने की तारीख से एक महीने  
की अवधि समाप्त होने की तारीख को उनकी सेवाएँ समाप्त  
हो जायेंगी।

जी० एस० जाखड़े,  
सचिव,  
केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और टोकी टाइल्स एण्ड  
इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 19 अगस्त 1980

सं० 886/569/80-81:—कम्पनी अधिनियम 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के  
अवसान पर टोकी टाइल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड  
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो  
कम्पनी निबन्धक के कार्यालय से नाम काट दिया जायेगा  
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पी० के० चटर्जी,  
कम्पनी निबन्धक, बिहार

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स बोम्बे गनी डोलर्स  
लेमिनेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० 17985/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा  
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के  
अवसान पर मैसर्स बोम्बे गनी डोलर्स लेमिनेटर्स प्राइवेट  
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया  
गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी  
विघटित कर दी जायेगी।

ए० सी० गुप्ता,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कार्यालय आयकर आयुक्त

आयकर विभाग

लखनऊ, दिनांक 16 अगस्त 1980

सं० 92—श्री अशोक कुमार जोहरी, आयकर निरीक्षक,  
आयकर कार्यालय, बस्ता को आयकर अधिकारी, वर्ग "ख"  
के पद पर आफीसियेट करने के लिये रु० 650-30-740-35-  
810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200  
के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने  
दिनांक 30-6-80 के पूर्वार्द्ध में आयकर अधिकारी, सी-  
वार्ड सैलरी सैकल, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 93—श्री श्याम नाथ कपूर, आयकर निरीक्षक,  
कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त रैंज-I,  
बनारस को आयकर अधिकारी, वर्ग "ख" के पद पर आफीसियेट  
करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-  
35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति  
किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 1-7-80 के  
पूर्वार्द्ध में आयकर अधिकारी एफ वार्ड, बनारस के रूप में  
कार्यभार संभाला।

सं० 94—श्री मदन लाल सरीन, आयकर निरीक्षक,  
कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त रैंज-II,  
बनारस को आयकर अधिकारी, वर्ग "ख" के पद पर आफीसियेट करने  
के लिये रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-



40-1000 व० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 1-7-80 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, जी-वार्ड, बनारस के रूप में कार्यभार संभाला।

धरनी धर  
आयकर आयुक्त

#### आयकर अपील अधिकरण

बम्बई 400020, दिनांक 19 अगस्त 1980

सं० एफ० 48-एडी(एटी)/80:—श्री नारंजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आय कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली जिन्हें आयकर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 21-7-80 से 16-8-80 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25

जुलाई, 1980 की अधिसूचना सं० एफ० 48-एडी (एटी)/80, को अब आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर और एक महीने की अवधि अर्थात् दिनांक 17-8-1980 से 16-9-1980 तक या जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री नारंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएँ न तो वर्यता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० शुक्ला  
अध्यक्ष

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/-  
12-79/6054—अतः मुझे कु० आर० के बाहुल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या एच० नं० 5638 है तथा जो प्लॉट नं०  
40 बसती हर फूल सिंह सदर बाजार दिल्ली (1/3 हिस्सा)  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख दिसम्बर 1979

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमा  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) ओम प्रकाश पुत्र स्वर्गीय लाला सीता राम 53/2  
पंजाबी बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमावर्मा धर्मपत्नी श्री हरी प्रकाश निवासी  
53/2 पंजाबी बाग नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
व्यक्ति द्वारा, अंग्रेजनामरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रकरण 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रकरण में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक तिहाई बिला बटा हिस्सा मकान नं० 5638 प्लॉट नं०  
40 जिसका क्षेत्रफल 111.1 वर्ग गज बसती हरफूल सिंह सदर  
बाजार में स्थित है। जोकि निम्नलिखित प्रकार से है।

उत्तर : 40' चौड़ी सड़क

दक्षिण : 15' चौड़ी सड़क

पूर्व : प्लॉट नं० 16

पश्चिम : पश्चिम आधा हिस्सा प्लॉट नं० 40

कु० आर० के० बाहुल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 28-8-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे एम० एल०  
चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० के-5 है तथा जो फतेहटी बा जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
28-12-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री सरदार दलजीतसिंह पुत्र सरदार दर्शन सिंह  
23-बी, सेठी कालोनी, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम किशोर जाजू पुत्र श्री फूल किशन जाजू  
के-5, फतेहटी बा, आदर्श नगर, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान संख्या के-5, फतेहटी बा आदर्श नगर, जयपुर का  
एक भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र  
संख्या 3136 दि० 28-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-8-80

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे एम० एल०

चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो चुरू में स्थित है, (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चुरू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती किशोरी देवी विधवा पत्नी स्व० राम स्वरूप ब्राह्मण द्वारा जिनसे लाल पुत्र माली राम ब्राह्मण, चुरू ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अमीन और सालुद्दीन पुतान हाजी भूरे खां खटीक चुरू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बार्ड नम्बर 22 शक्ति मंदिर चुरू में स्थित है और जिसकी माप 1310 वर्गज है और जो उपपंजीयक चुरू द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 878 दिनांक 27-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो चुरू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चुरू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—236GI/80

(1) श्री किशनी देवी विधवा पत्नी स्व० राम स्वरूप ब्राह्मण द्वारा चिमन लाल पुत्र माली राम ब्राह्मण, चुरू।

(अन्तरक)

(2) श्री बरकत अली पुत्र हाजी भूरेखं खटीक, चुरू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रस्त किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो वाडें नम्बर 22 शक्ति मन्दिर चुरू में स्थित है और जिसका ताप 1056 दरगज और जो उप पंजीयक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 877 दिनांक 27-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 22-8-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा०/आ० अर्जन—यतः मुझे, एम०

एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या है, तथा जो व्यावर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य 1 उक्त प्रत्येक विधि में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्र पुत्र सुखदेव अहीर छावनी रोड, चम्पानगर, व्यावर। (अन्तरक)

(2) श्री गणेश प्रसाद पुत्र आशा राम कुम्हावत फतेहपुरिया बाजार, व्यावर एवं तेजराज पुत्र रामचन्द्र, मेवाड़ी बाजार, व्यावर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा 5 बिस्वा और 10 बिस्वान सिंह जो देलवाड़ा रोड व्यावर पर स्थित है, और जो उप पंजीयक व्यावर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय-पत्र संख्या 2664 ता० 19-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो व्यावर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्र पुत्र सुखदेव अहीर छावनी रोड, चम्पानगर, व्यावर। (अन्तरक)

(2) श्री गणेश प्रसाद पुत्र आशा राम कुम्हावत, फतेहपुरिया बाजार, व्यावर एवं तेजराज पुत्र रामचन्द्र, मेवाडी बाजार, व्यावर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित नहीं किये गये हैं, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा 6 बिस्वा जो देलवाड़ा रोड व्यावर पर स्थित है, और जो उप पंजीयक व्यावर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 2956 दि० 31-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन —यतः

मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पया गया प्राधिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्यवृत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के संरक्षण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश कुमार गांधी पुत्र दौलत सिंह, मालदास स्ट्रीट, उदयपुर (अन्तरक)

(2) डा० प्रभुलाल अग्रवाल पुत्र त्रिलोक चन्द अग्रवाल सी०-441, डिफेंस कालोनी, न्यू देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट संख्या 4 सुखाड़िया सर्किल के पास स्थित है और जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा पंजीबद्ध बिक्रय पत्र संख्या 3045 दिनांक 24-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 22-8-80

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22-8-1980

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे एम०,

एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) सर्वश्री दौलत राज, पदमराज एवं विमलराज पुत्रान केवलराज सिंघवी, मोती चौक, जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा किरण पत्नि श्री किशोर चन्द अग्रानी घोरों का चौक, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो नाना भवन के नाम से विख्यात है और हाई कोर्ट रोड, जोधपुर में स्थित है उसका एक भाग, और जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 363-ए०, दिनांक 25-2-80 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 22-8-80  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 22-8-1980

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन —यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो जोधपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 27-2-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
अं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री दौलत राज, पदमराज, एवं विमलराज  
पुतान केवलराज सिधवी, मोती चौक, जोधपुर

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर चन्द अबानी पुत्र सुमेर चन्द अबानी,  
घोरी का चौक, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो नाना भवन के नाम से विख्यात है और  
हार्ड कोर्ट रोड, जोधपुर में स्थित है उसका एक भाग, और  
जो उप पंजियक जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या  
364-ए दिनांक 27-2-80 में और विस्तृत रूप से विवर-  
णित है।

एम एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-1980

मोहर:

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन —यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या के-4 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुधा बाई पत्नी सूर्यकान्त, के-4 सी० स्कीम, जयपुर (अन्तरक)

(2) मैसर्स रेडीकट प्रा० लि०, हवा सड़क, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लॉट नम्बर के-4, अशोक मार्ग सी-स्कीम जयपुर पर स्थित है और जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 3034 दिनांक 28-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 22 अगस्त 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे,  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस०-15 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) धनरूपमल हीरावत पुत्र श्री पदम चन्द हीरावत पड़तानियां का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला दवी पत्नि श्री प्रकाश चन्द हीरावत पड़तानियां का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर ।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लॉट संख्या एस०-15 सी-स्कीम पर स्थित है, और जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र संख्या 3033 दिनांक 28-12-79 में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 22-8-1980

निवेश सं० के०एच० आर०/39/78-80—यतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या रिहायशी प्लॉट न० 623 है तथा जो  
फेस-III-बी०, मोहाली, तहसील खरड़, जिला रोपड़ में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री किरपाल सिंह, सुपुत्र श्री अमर सिंह निवासी  
मकान न० 623 फेस-III-बी०-I आई० ए० एस०  
नगर मोहाली, तहसील खरड़  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी लुम्बा पत्नि श्री राम प्रकाश  
लुम्बा निवासी मकान न० 623 फेस-III-बी०-I  
मोहाली खरड़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसूची

रिहायशी मकान न० 623, फेस-III-बी०-I, एस० ए०  
एस० नगर मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है।  
जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के  
विलेख न० 3743 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

मुख्यदेव चन्द्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 22-8-1980

नियम सं० एल० डी० ए०/508/79-80—यतः मुझे, मुख्यालय चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान का हिस्सा 126-एल है तथा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गुरवीण कौर, गुरमीत कौर पुत्री श्री सुजान सिंह, गुरमुख सिंह सुपुत्र श्री सजन सिंह निवासी 361/1 राजा पार्क जयपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती दबिन्दर कौर पत्नि श्री राजन्द्र सिंह निवासी गुरुद्वारा सिंह सभा माडल टाउन लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 126-एल माडल टाउन का हिस्सा जो लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विनोद सं० 4210 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

मुख्यालय चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22-8-1980  
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना तारीख 22-8-1980

निर्देश सं० LDA/507/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मकान सं० 126-एल० (हिस्सा) है तथा जो माडल टाउन में स्थित है के मकान का हिस्सा है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में और, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रन्जीत कौर विधवा श्री सज्जन सिंह जगदीश सिंह, रिपुदमन सिंह, सुपुत्र श्री सज्जन सिंह निवासी 361/1 राजा पार्क जयपुर। (अन्तरक)

(2) श्री राजिन्दर सिंह सुपुत्र श्री बोध राज निवासी गुरद्वारा सिंह सभा माडल टाउन लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 126-एल० का हिस्सा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख सं० 4209 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 22-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

(1) श्री सज्जन सिंह सपुत्र श्री चन्दा सिंह  
निवासी बी-XIX/92, गो० कालेज फारविमैन  
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मिसेज सन्तोष जैन, मि० रिपेन जैन और मि०  
राजन जैन सह निवासी बी-VI-133, माधोपुरी-2  
लुधियाना

(अन्तरिती)

निदेश सं० एलडीएच/5/8/79-80—अतः मुझे सुखदेव, चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 1080 वर्ग गज है तथा जो गो० कालेज  
(सड़कियां) रोड सिविल लाईन लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16, के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, विधानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिस्तब्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) के पास  
लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1080 वर्ग गज का प्लॉट गो० ग्लेस कालेज रोड लुधि-  
याना सिविल लाईन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के  
विलेख नं० 4355 दिसम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

मोहर :

तारीख : 22-8-1980



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री तनुज के० सहगल,  
नं० 60, सैक्टर 5, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री अमरदीप सिंह लैहल  
61, सैक्टर 7 ए, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० चण्डीगढ़/346/79-80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जगह 14 कनाल 31 मरले है तथा जो चण्डी-  
गढ़, मनी माजरा यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एमीकल्चरल लैण्ड 14 कनाल 13 मरले (मनी माजरा)  
जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख  
संख्या नं० 1901 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22 अगस्त, 1980  
मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 90

निदेश सं० सीएचडी/349/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जगह 8 कनाल 2 मरले है तथा जो मनी माजरा यु० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायध्व अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 12/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत न अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच देने प्रकरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पंकज के० सैहगल  
60 सैक्टर, 5-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अजयपाल सिंह  
मकान नं० : 61 सैक्टर 7-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की शक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोधित रूप से के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रस्तावित और वही का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-ग में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकलचरल जगह 8 कनाल 2 मरले (मनी माजरा) जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कार्यालय अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1904 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जेंट रेंज, लुधियाना

तारीख : 22-8-1980  
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एम.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० सीएचडी/300/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जगह 15 कनाल 15 मरले है तथा जो चण्डीगढ़ मनी याजरा यु० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन क अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह : धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तनुज के० सैहगल  
निवासी 60 सैक्टर 5, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदियाल सिंह कुटुम्ब  
निवासी 61 सैक्टर 7-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इतने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

15 कनाल 15 मरले जगह चण्डीगढ़ में है (मनी मांजरा)  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख नं० 1905 दिसम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22-8-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

निर्देश सं० सीएचडी/392/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से  
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3382 है तथा जो सैक्टर  
35-डी-चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 16 के अधीन  
तारीख दिसम्बर 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुलभूषण पुरी सपुत्र श्री रघुवीर  
नाथ पुरी निवासी 7/60 साउथ पटेल नगर, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तेज भान सपुत्र श्री विसाखी राम और (2)  
श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री तेज भान,  
निवासी मकान नं० 3380 सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़  
अब मकान नं० 3382, सैक्टर 35-डी-चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 3382 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में  
स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 2066/दिसम्बर 1979 में दर्ज  
है)।

मुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 22 अगस्त 1980

निर्देश सं० एनडीएच/529/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 910 वर्ग गज है तथा जो गली नं० 2 मोहल्ला कोट मंगल सिंह जन्ता नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपवाद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी क्षय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-236 GI/80

(1) श्रीमती अश्वतार कौर पत्नी श्री जगजीत सिंह निवासी गली नं० 9 जनता नगर लुधियाना मार्फत भूखतार—ग्राम श्री सन्तोष सिंह गिल सपुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी गली नं० 9 जनता नगर लुधियाना (अन्तरक)

(2) मै० नीलम इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन 630/8-सी गली नं० 4 भगवान चौक, जनता नगर लुधियाना मार्फत हिस्सेदार श्री अश्वनी कुमार सपुत्र श्री तीर्थ चन्द और राजकुमार सपुत्र श्री तीर्थ चन्द और सत्या रानी पत्नी श्री तीर्थ चन्द ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में मान्य होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 910 गज का गली नं० 2 मोहल्ला कोट मंगल सिंह गली नं० 7, जन्ता नगर लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के बिलेख संख्या नं० 4547 दिसम्बर 79 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 22-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० एलडीएच/आर/174/79-80—यतः मुझे

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जगह 2.2.19 बिग्ड है तथा जो गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/79

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिगन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या खनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री बहादुर सिंह सपुत्र श्री जागीर सिंह निवासी गांव दाद तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री जगजी लाल औसवाल

सपुत्र श्री विद्या सागर औसवाल घुमार मन्डी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगह 2-2-19 बिग्ड गांव दाद तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विसेख संख्या नं० 5676 दिसम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

निदेश सं० लुधियाना/आर/175/79-80—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जायदाद 1-17-3 बिग है तथा जो गांव दाद  
तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर सिंह सपुत्र श्री चानण सिंह गांव दाद  
तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री जग्गी लाल औसवाल  
सपुत्र श्री विद्या सागर औसवाल  
धुमार मण्डी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जगह 1-17-3 बिग गांव दाद तहसील में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के  
दिलेख संख्या नं० 5705 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22-8-1980  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

सं० लुधियाना/आर आई/181/79-80:—अतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जगह 2-2-18 बिग्वे है तथा जो गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक दिसम्बर 79,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बहादुर सिंह सुपुत्र श्री जागीर सिंह गांव दाद तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री जग्गी लाल श्रीसवाल सुपुत्र श्री विद्या सागर श्रीसवाल घुमार मण्डी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जगह 2.2.18 बिग्वे गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 5781 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 अगस्त 1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

स० लुधियाना/आर/211/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद 2-16-9-बिग्वे है तथा जो गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री अमर सिंह सुपुत्र श्री खानण सिंह निवासी गांव दाद, तहसील लुधियाना।  
(अन्तरक)
2. श्री अभय कुमार औसवाल सुपुत्र श्री विद्या सागर औसवाल, घुमार मण्डी, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद 2.16.9 बिग्वे गांव दाद तहसील लुधियाना में है (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 6349 जनवरी 80 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 अगस्त 80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980.

सं० लुधियाना/आर/205/79-80—प्रतः/ सुखे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य-25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद 2.16.9 बिगहे है तथा जो गांव दाद, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रारण विधि में वास्तविक रूप से अहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धन: बच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह सुपुत्र श्री धानण सिंह, गांव दाद तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री अभय कुमार ओसवाल सुपुत्र श्री विद्या सागर ओसवाल धुमार मण्डी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद 2.16.9 बिगहे गांव दाद में स्थित है।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 6471 जनवरी 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख - 22 अगस्त 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

सं० एलडीएच/521/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान नं० 8-7-581 है  
तथा जो केसरगंज रोड, नीजीदक मण्डी केसरगंज, लुधियाना  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह पुत्र श्री बधावा सिंह निवासी फैलपुर  
तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री कस्तूरी लाल पुत्र श्री गोपी राम निवासी  
बी-10-226-ईकबाल गंज, लुधियाना।

(अन्तरिती)

3. श्री तिलक राज पुत्र श्री पद्मा लाल, श्री ज़िंदर कुमार  
पुत्र श्री पद्मा लाल, श्री अवतार सिंह जबादा  
निवासी बी 581, केसरगंज, लुधियाना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्कों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग दुकान नं० बी-7-581, क्षेत्रफल 38 1/2  
वर्ग गज, मण्डी केसरगंज रोड, नजीदक मण्डी केसरगंज,  
लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4426, सितम्बर  
1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 अगस्त 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायदा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त, 1980

सं० एलडीएच/501/79-80:—प्रतः भुझे, सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा है तथा जो दुकान नं० बी-7-581 केसर गंज नजदीक मण्डी केसरगंज लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह मुपुव श्री बधावा सिंह निवासी किसल लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री कोर सैन मुपुव गोपी राम निवासी बी-10-226, ईकबाल गंज, लुधियाना।

(अन्तरिती)

3. श्री तिलक राज पुत्र श्री पन्ना लाल, श्री जिन्दर कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल, श्री अवतार सिंह जवादा, निवासी बी VII/581, केसरगंज, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/1 हिस्सा दुकान नं० बी-7-581 38 1/2 वर्ग गज जो कि मण्डी केसर गंज रोड नजदीक मण्डी केसरगंज लुधियाना में स्थित है।

(जायवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 4174 दिसम्बर 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 अगस्त, 1980

मोहर :

प्रारूप आर्डी० डी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 अगस्त 1980

सं० सी एच डी/379/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन बचन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1514, है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सामंजस्य रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—236GI/80

1. लैफ्टीनैन्ट कर्नल शान्ति स्वरूप पुत्र श्री हकीयकत राय, 20 रफी अहमद कदवई मार्ग, दिलकुशा लखनऊ।

(अन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह मान पुत्र श्री प्रताप सिंह मान और श्रीमती अमर कौर पत्नी श्री धर्म सिंह मान निवासी गांव देवरबाल, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 1514, सेक्टर 33 डी, चण्डीगढ़ :

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2014, दिसम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 22 अगस्त 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० ए एस आर/80-81/92:—यन: मुझे, एम० एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है जो जमीन का टुकड़ा दयानन्द नगर अमृतसर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या श्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर लाल पुत्र लाला हरनाम दाम आर/ओ  
2. लारम रोड, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री अमर सिंह आर/  
ओ/मकान नं० 2301/बी गली हानम नाई गेट  
हकीमां अमृतसर।  
(अन्तरिती)

2. जैसा कि सं० 2 पर और/किरायेदार।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

2. और कोई  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लॉट नं० 47/2 101 (मिन) गली नं० 3  
दयानन्द नगर अमृतसर में जैसा सेल डीड नं०।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम अधिकारी/  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, अमृतसर।

तारीख : 2 अगस्त 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

मं० ए० एम० आर/80-81/93—यतः मझे एम० एल०  
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट माल रोड पर है, जो ...  
...में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय एम० आर० अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिसम्बर  
1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बिच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बनवारी लाल पुत्र मुनी लाल गाइडन बीज  
माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहलता अग्नीहोत्री पत्नी श्री बिशनू दत्त  
आर/ओ 41 लारेंस रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् अधीनस्थ व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
गमाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 8 रकबा 370 स्केवर मीटर रोड  
पर जैसा कि सैल डीड नं० 2506/1 दिनांक 5-12-79  
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 8 अगस्त 1980

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्वल रंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर/80-81/94:—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ..... है, जो एक प्लाट माल रोड पर स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अश्वनी कुमार पुत्र मूनो लाल वासी माल रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहलता अगनीहोत्री पत्नी श्री बिशनु वत्त आर०/ओ० 46, लारेंस रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दर्भितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 9 (370 वर्ग मीटर) माल रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 2507 दिनांक 5 दिसम्बर 79 रजिस्ट्री-अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रज्वल रंज, अमृतसर।

तारीख : 8 अगस्त 1980

मोहर :—



## प्रकरण धार्मिक टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए०एस०आर०/80-81/95:—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रयोजन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ..... है, जो एक प्लॉट आफ लैंड माल रोड पर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० एम० अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) नाराजों हुई किसी यात्र की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के राजस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी यात्र या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आशा देवी पत्नी बनवारी लाल वासी माल रोड अमृतसर।

2. श्रीमती स्नेहलता अग्निहोत्री पत्नी विश्वनू दत्त वासी, 41, लारेंस रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर और किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मजान के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट आफ लैंड नं० 7 (रकबा 120 वर्ग मीटर) जो कि माल रोड पर र जैसा कि सेल जी० नं० 2508/1 दिनांक 5-12-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 8 अगस्त 1980

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० सं० ए एस आर०/80-81/96—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० ..... है जो एक प्लॉट माल रोड पर स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित की द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बनवारी लाल और अशवनी कुमार पुत्र मुनी लाल और श्रीमती अभिलाष आर०/ओ० माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहलता अगनीहोत्री पत्नी श्री मिश्र दत्त आर०/ओ० 41 लारेंस रोड, अमृतसर।

(अन्तरित)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/2 प्लॉट खसरा नं० 1310/2/2 185 वर्ग मीटर माल रोड मर अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 1086/I दिनांक 9-7-1980 रजिस्ट्री अधिकारी। अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 8 अगस्त 1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/91:—यतः मुझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० ..... है और जो एक प्लॉट आफ लैंड माल रोड में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरा की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महेश चन्द केवल किशोर और अशोक कुमार पुत्र मुनी लाल आर०/आ० मान रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहलता अग्रनीहोत्री पत्नी श्री बिशनू दत्त आर०/आ० लारंग रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानती है।

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 185 वर्ग मीटर माल रोड पर जैसा कि सेलडोड नं० 1111/I दिनांक 11 जुलाई 1980 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 8 अगस्त 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

ए० एस० आर०/80-81/98:—यतः मुझे, एम० एल०

महाजन,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ..... है जो प्लॉट आफ लैंड कुमाल भिलवाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) की निम्नलिखित धारितियों, प्रणीत :—

1. श्री सरदारा सिंह भिन्डर एडवोकेट पुत्र लछमन सिंह वासी अम्बर आली गरीन एवेन्यू अमृतसर।

(अन्तरक)

2. अमरजीत राजपाल पत्नी श्री अवतार सिंह आर०/ओ० अम्बर आबादी गरीन श्रीवीनि अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि सं० 2 और कोई किरायेदार  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 5, रुकबा 2380 वर्ग मीटर गांव मिल वाली में तरन तारन रोज पर जैसा कि सेल डीज नं० एस० 8327 दिनांक 17 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 8 अगस्त 1980

मोहर :

प्रकर प्राई, टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० एसआर०/80-81/99—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लॉट प्लॉट गिलवाली गांव में है जो ..... में स्थित है (और इससे उपा-वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के रूप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरदारा सिंह मिन्वर पुत्र लछमन सिंह, कोर्ट रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अमर इकबाल सिंह पुत्र अवतार सिंह वासी अम्बर आबादी गरीन अधीननियु, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 6, रकबा 2380 वर्ग गज जो कि गांव गिलीवाली में तरन तारन रोा पर जैसा कि सेल डीड नं० 5105 दिनांक 6 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 8-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 अगस्त 1980

सं० ए. एम. आर०/80-81/100—यतः मझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० के  
अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट प्रापटी कटरा कन्होआ में है,  
जो ..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रेशन अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
जें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विमला, मुदर्शन गुप्ता, सन्तोष अग्रवाल  
नीना अग्रवाल पुत्र श्री मदन लाल और राम प्यारी  
पत्नी श्री मदन लाल और श्री साईं दास पुत्र  
मदन लाल राही मुदागर मल मुख्तार ग्राम बाजार  
हाहली माहिब और अक्लेण पुत्री मदन लाल कटरा  
शेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री करन अमृतसर साईं स्टोर कटरा अन्हीया  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. श्री कोहली किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ता-  
क्षरी जाता है)।

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक दुकान 2 1/2 मंजली नं० 617 (रकबा 70 वर्ग  
मीटर) कटरा कन्होआ अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं०  
2714, 26 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर  
में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11 अगस्त, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक 12 अगस्त 1980

सं० ए० एम० आर०/80-81 70:—यतः मुझे एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लॉट जो माना सिंह गेट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रुद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरनाम सिंह पुत्र बधवा सिंह और अमरीक सिंह मोहिन्द्र सिंह सुरिन्द्र सिंह राजिन्द्र सिंह दर्शन सिंह पुत्र हरनाम सिंह आर० ओ० दिलबाग नगर, कोट माना सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री जीत सिंह और गुरचरन सिंह सुरजीत सिंह राजिन्द्र अमरजीत कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह आर० /ओ० मैक चौर अटारी गली अरदासीयां अमृतसर।

अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है।

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथोद्देश्य के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 8 के 8 एम खसरा नं० 1526 सुलतान बिड़ रोड अरबन ओ/एम चाटीविन्द गेट अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2880 दिनांक 19 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन;

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12 अगस्त 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज आयकर, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 11 अगस्त, 1980

सं० ए एस आर/80-81/102:—यस: मुझे एम० एल०.

महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्रापर्टी गेट महा सिंह अमृतसर है, जो.....में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वां किवा जाना चाहिए वां छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-सरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात्:—

1. श्री बलवन्त सिंह बिन्द्रा पुत्र हरी सिंह महा सिंह गेट अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाश बती पत्नी श्री शाम लाल, श्रीमती निरमल पत्नी श्री करिशन कुमार, सन्तोष सोनी पत्नी श्री विनोद कुमार आर/ओ० 67, दया नन्द नगर अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा घर नं० 1890/2, महा सिंह गेट अमृतसर जैसा कि सेल डि नं० 2689/7 दिनांक 24 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 11 अगस्त 1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/103:—यन: मुझे एम०  
एल० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एक घर कोट रोड पर है, जो.....  
.....में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रजिन्द्र कुमार रमेश कुमार पुत्र ब्रिज लाल, जोगिन्द्र  
कुमार पुत्र ब्रिज लाल, कैलाशवती पत्नी श्री ब्रिज  
लाल आर०/ओ० 14 रेस कोर्म रोड, इन्दौर (मध्य  
प्रदेश)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ओमा मेहरा पुत्री मदन मोहन पत्नी श्री तिलक  
राज मेहरा आर०/ओ० मकान नं० 57/I, कोर्ट रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है)।

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं ही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक घर नं० 57/I कोर्ट रोड पर जैसा कि सेल डीउ  
नं० 2555 दिनांक 11 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक 11 अगस्त 1980  
मोहर।

प्रारूप आर्द्र. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आय कर अमृतसर,

दिनांक 11 अगस्त, 1980

सं० ए० एस्० आर०/80-81/104:—यत/ मुझे एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्राप्ति राम बाणा अमृतसर, में ..... स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अमरीक सिंह पुत्र लाभ सिंह आर०/ओ० राम बाग अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जसविन्द्र पत्नी श्री बलविन्द्र सिंह आर०/ओ० बाजार लकड़ मण्डी कुण कामोया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 1076/I (रकबा 58 वर्ग मी०) राम बाग अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2501/I दिनांक 4 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11 अगस्त 1980

मोहर:

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 अगस्त, 1980

सं० ए एस आर०/80-81/105:—यतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गोडाऊन कटरा माहना सिंह

में स्थित है (और उससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय एम० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1979,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. मैसर्स मेहर सिंह जसवंत सिंह आर/प्रो० कनक मण्ड अमृतसर राही जसवंत सिंह सुपुत्र मेर सिंह और चरन सिंह, चन सिंह पुत्र मोहन सिंह हिस्सेदार। (अन्तरक)

2. श्री मनिन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह बामी गली मसीत वाली चौक, माना सिंह मकान नं० 1957/बी०-14 अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 हिस्सा गोडाऊन रकबा 85 वर्ग मी०) कोट माहना सिंह, सुलतान विड, जैसा कि सेल डीड नं० 250/L, दिनांक 4 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, खन्नुपुरी अमृतसर

तारीख: 11 अगस्त 1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 11 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/106:—यतः मुझे एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका 1/2 हिस्सा गोडाऊन कोट माहना सिंह में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स मेहर सिंह जयसयन्त सिंह आर/ओ० कनक मण्डी अमृतसर राही जयसन्त सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह चन सिंह छतर सिंह पुत्रान सोहन सिंह कनक मण्डी अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र पाल सिंह पुत्र सोहन सिंह गली मसीत वाली मकान नं० 1957 चौक माहना सिंह अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

1/2 हिस्सा गोडाऊन प्लॉट नं० 56 खसरा नं० 51 कोट माहना सिंह सुलतान सिंह बिड़ रोड अरबन (रकबा 85 वर्ग मीटर) जैसा कि सेल डीड सं० 2567/I दिनांक 12 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 3, चण्डपुरी रेंज अमृतसर।

तारीख: 20-8-80

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर अमृतसर

दिनांक 16 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/107:—अतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी एक प्रापटी कटरा दलविद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल चिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—236GI/80

1. श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री गोपाल सिंह [आर/ओ० कटरा दल सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री गुलजार सिंह और कुलवन्त सिंह पुत्र श्री विल बाग सिंह आर ओ० बाजार जटवाला चौक चबूतरा अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार गुरनाम सिंह और जैमनी प्रैस।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्ज के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापटी 2½ मंजल चौक छती खुई 'कटरा' दल सिंह जैसा कि सेल डीड नं० 2683 दिनांक 22 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज 3, चन्वपुरी अमृतसर।

दिनांक : 16 अगस्त 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर० 80-81/108:—यतः मुझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग लकड़ मण्डी है तथा जो  
एस० आर० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रजिन्द्र लाल पुत्र श्री बिहारी लाल महेश वर्मा  
कटरा शेर सिंह सुभाष सिंह अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार पुत्र श्री काहन चन्द हन्स  
राज पुत्र श्री प्रशोत्तम दास C/o भक्त कोश दास  
कटरा आलूवालिआ अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक बिल्डिंग नं० 1659-60 अन्तूरन सुल्तान विड गेट  
अमृतसर जैसा कि सेल कोड नं० 2513 का 5 दिसम्बर  
1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख: 16 अगस्त 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/109:—यतः मुझे एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट की सेल अवतलिक अमृतसर है  
तथा जो.....में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक दिसम्बर 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति:—

1. चेयरमैन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट अमृतसर।

(अन्तरक)

2. (डा०) रजिन्द्र सिंह सेठी पुत्र राम सिंह आर/ओ०  
सी-4 सखलर रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 125 रकबा 485 वर्ग मीटर बसन्त  
अवतलिक अमृतसर जैसा कि सेल कोड 2679 दिनांक 21  
दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14 अगस्त 1980

मोहर:

प्रकृत आई० टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९-ख (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक १४ अगस्त १९८०

सं० ए० एस० आर०/८०-८१/११०/—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा २६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान कूपर रोड अमृतसर है तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, दिनांक दिसम्बर १९७९,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री सुभाष बोहरा पुत्र धनपत राय हाल बाजार अमृतसर।

(अन्तरक)

२. श्रीमती चंचल कुमारी पत्नी श्री जंगी फरूट सैलर, भण्डारी निज कूपर रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

३. जैसा कि सं० २ और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

४. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २८-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दुकान नं० १९ ५/१३-२ कूपर रोड [पर जैसा कि सेल डीड नं० २७२३ दिनांक २६ दिसम्बर १९७९ रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन;

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, अमृतसर।

तारीख : १४ अगस्त, १९८०

मोहर :



प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/111—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक दुकान कूपर रोड पर है तथा जो .....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्यरस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वनपत राय पुत्र श्री माया वास के०/ओ० धनपत राय एण्ड सन्स हाल बाजार अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चैन्बल कुमारी पत्नी श्री जंगी राम फरुट सलर, कूपर रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 195/13/2 कूपर रोड पर जैसा कि सेल कोर्ड नं० 2775 दिनांक 28 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 14 अगस्त 1980।

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 14 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/112:—यतः मुझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक दुकान कूपर रोड अमृतसर तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री कुलजीत कुमार पुत्र घनपत राय के/श्री० घनपत राय एण्ड सन्ज हाल बाजार अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चंचल कुमारी पत्नी जग्गी राम कसूट सैतर कूपर रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दुकान नं० 195/13-2 कूपर रोड पर जैसाकि सेल कोर्ड नं० 2936 दिनांक 15 जनवरी, 1980 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14 अगस्त, 1980

मोहर।

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 20 अगस्त, 1980

सं० ए० एस आर०/80-81/114:—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो गांव रामनगर  
तहसील गुरदासपुर में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय एस० आर० गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई, 1980, को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बहु  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रबोध चन्द्र पुत्र सत देव पुत्र खुशहाल चन्द गुरदा  
पुर हाल 18, जनपथ रोड नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती शमोह कुमारी पुत्री रामजीदास पुत्र जगन-  
नाथ वासी भण्डी गुरदासपुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।
4. और कोई। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा कोठी (3के-1एम-35) गांव राम नगर,  
तहसील गुरदासपुर में जो कि सेल डीड नं० 705 दिनांक  
6 मई, 1980 रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 20 अगस्त, 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 20 अगस्त, 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/114—यतः मुझे एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो राम नगर गांव तहसील गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस आर० गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भूमि या किसी घन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रबोध चन्द्र पुत्र मत देव पुत्र खुशहालचन्द के/ओ० गुरदामपुर हान 18-जनपथ नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री राम जी दास पुत्र जगननाथ पुत्र किशन चन्द वासी मण्डी गुरदासपुर। (अन्तरिती)

2. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जाबज्जा है) कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा कोठी (3 के 1 एम 35) गांव रामनगर तहसील गुरदासपुर जैसा कि सेलडीड न० 203 दिनांक 26 दिसम्बर 1979 रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में वर्ज है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 20 अगस्त 1980  
मोहर :

राजपत्र भाई०टो०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त, 1980

सं० ए० एस आर०/80-81/115:—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 45,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो रामनगर गांव,  
तहसील गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय एस० आर० गुरदासपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

9-236GI/80

1. श्री प्रबोध चन्द्र पुत्र सतदेव वासी गुरदासपुर हवाल  
18 जनपथ नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्यावती पत्नी रामजीदास वासी मण्डी,  
गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा एक कोठी (3के-1 एम-35) रामनगर  
गांव तहसील गुरदासपुर जैसा कि सेलडोड नं० 299 दिनांक  
28 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज  
है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 20 अगस्त, 1980

मोहर :

प्रारूप गार्ड टो एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ए एस आर०/80-81/116—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन वक्ष्य प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा गैड चमरंगरोड अमृतसर है  
तथा जो ..... में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वषापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण संतुर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मुझे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री तिलक राज पुत्र धनी राम बासी छटाब खटीका  
कटरा भाई सन्त सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह और जगमोहन  
सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह रामसररोड फौजी बाबा हीरा सिंह  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधला:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रथम बार में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

1/2 हिस्सा फैक्ट्री गैड प्लॉट नं० 7 चमरंग रोड  
अमृतसर जैसा कि से.डि. 2577 दिनांक 12 दिसम्बर  
1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 10 अगस्त 1980

मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/117—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्रापटी कोठी अमृतसर है तथा जो . . .  
. . . . . में स्थित है (और इससे उपाध्व्य अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय ए० एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17  
दिसम्बर 1979, को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रिति) के बीच उसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व  
में पूरी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
नोट:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा वाचा जाना चाहिए या, स्थानों में सुविधा  
के लिए।

यतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पश्चात्:—

1 श्रीमती मुरजीत कौर पुत्री गुरुचरण सिंह आर/ओ०  
भक्त सिंह अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कलबन्त कौर पत्नी श्री अरगजन सिंह  
मकान नं० 4260 कोट भक्त सिंह अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में और कोई किरायेदार।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितधर है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितधर  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक घर नं० 4260 (56.4 वर्ग मी०) कोट भक्त  
सिंह अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2638 /1 दिनांक  
17 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज  
है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 20 अगस्त, 1980

मोहर:

प्रारूप आर्ष० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० ए० एस० आर०/80-81/118—यतः मुझे, एम०

एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा शैड जनरंग रोड अमृतसर है तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1980,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री निलक राज पुत्र घनी राम कटरा भाई रण सिंह बेरी गेट अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री रवजिन्द्र सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह और सुरजीत कौर पत्नी मोहिन्द्र सिंह बस्ती कालोनी बाधा बीप सिंह अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 में है और कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव्य है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा शैड प्लॉट नं० 7 खसरा नं० 289 नवरंग रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 388 दिनांक 5 मई, 1980 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 20 अगस्त, 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निदेश सं० टी० आर० नम्बर/913-एटा/79-80—प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो ..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्रीमती हेमन्ता पाठक पत्नी श्री जगदीश किशोर पाठक, एडवोकेट निवासी अमराय नगर एटा सकीट सं० ब जिला एटा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी गुप्ता श्री दिनेश प्रकाश निवासी मलावन पर० सोहरा, तहसील ब जिला एटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अघोष्टताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पक्का एक मंजिला जिसका नम्बर मकान 700 एक ब्लॉक नम्बर 4 बार्ड नम्बर एक जिसकी पैमाइश चौ० 45 फीट लम्बाई 65 फीट जिसके मीटर 13.72 से, महि० चौड़ाई लम्बाई 19.83 सेमी, जिसका क्षेत्रफल कुल मकान मय बाउन्ड्री के 272 वर्ग मीटर है जिसका तीन कमरे एक कमरा 3, 5 से०मी० है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980

सोहरा :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० टी० आर०/921-अर्जन/आगरा/79-80—

अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान 37/531 है तथा जो नगलापड़ा आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, (अब) उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

(1) श्री सीताराम सेनी पुत्र श्री पूरन चन्द्र निवासी नगलापट्टी आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भूरी देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र पाल सिंह निवासी नगला पट्टी आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बरी 37/531/1 बाके मौजा नगला पर० ब. जिला आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० टी० आर०/नम्बर 911/अर्जन/मथुरा/79-80

—प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो रानी मन्डी मथुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री महेश चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री दऊदयाल जी व श्रीमती शकुन्तला धर्म पत्नी श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल निवासी मानिक चौक मथुरा व भागीदार रजिस्टर्ड फर्म दयाल भैरव कारपोरेशन, छत्ता बाजार, मथुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगेश कुमार व रमेश चन्द्र व मोती चन्द्र व दिनेश व विमल कुमार पुत्र श्री गिराज प्रसाद निवासी मनोहर लाल गली मन्डी रामदास, मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मित प्लॉट बाके रानी की मन्डी मथुरा में स्थित है जो कि 40,000/- रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अगस्त 1980

निवेश सं० टी० आर०-875/अर्जन—अतः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हसनगढ़ में स्थित  
है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इगलास में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 26-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मूल चन्द्र पुत्र हरचरनलाल व श्री रघुनन्दन  
प्रसाद व श्री जगदीश प्रसाद, श्री निरंजनलाल  
व रामगोपाल व श्री बालकृष्ण व राम औसार  
व हरी बाबू पुत्र मूल चन्द निवामी ककली  
मजरा गांधी ग्राम, परगना हमगढ़ तहसील  
इगलास, जिला अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री दीवान सिंह व मान सिंह व जगदीश सिंह व  
रामसिंह व श्रीमती राम श्री देवी पत्नी श्री  
राम सिंह निवासी पलाहवत तहसील साधबाद  
जिला मथुरा, डा० नसीरपुर जिला मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

वस्तुीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कृषि भूमि बाके मौजा माकरोल परगना  
हसनगढ़ तहसील इगलास जिला अलीगढ़ में स्थित  
है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अगस्त, 1980

निर्देश सं० टी० आर०/870/आगरा/79-80—अत. मझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो आगरा (साकेत) में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—236I/80.

(1) श्री रतन प्रकाश माथुर वलद श्री परमानन्द निवासी 167 टैगोर टाउन, इलाहाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार वलद श्री राजनारायण निवासी शाहगंज, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नम्बर 1 रकबई 446 (-433.3) बर्गज ग-बाके मध्यमवर्ग को हा० सी० लि० आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० 322/अर्जन/मथुरा/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1989

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल निर्मात्रिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अश्वित की किया गया है :—

(क) अन्तरण व हुई किसी याव का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या नतीजतन में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसे विवाद याव का किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

(1) श्री गंगा सहाय व ओम प्रकाश व अशोक कुमार पुत्र श्री छेदीलाल शाह गंज दरवाना मथुरा हाल निवासी पंचशील एन्क्लेव 118/119/नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमवती पत्नी रामशानू निवासी गऊवाठ मथुरा। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तय होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षरक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान कुछ दोमंजिला कुछ तिमंजिला 1/4 भाग नम्बर बाटररेट 13451 शाहगंज दरवाजा मथुरा पर स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 1-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० टी० आर० नम्बर/820-अर्जन/मथुरा/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहगंज मथुरा में स्थित है), और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1929

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री गंगा सहाय व ओम प्रकाश व अशोक कुमार पुत्र श्री छेदी लाल निवासी शाहगंज दरवाजा मथुरा, हाल निवासी पंचशील एन्क्लेव 118/119 न्यू देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री रामबाबू निवासी गऊ घाट, मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान कुठ बुमजिना कुठ एन निधानवा सम्पत्ति बातर रेट 1315/5 बाकिनाहगंज दरवाजा मथुरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 1-8-1980

माहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना,

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० टी० आर०/नम्बर 821 मथुरा/79-80—  
अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो शाहगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्त से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गंगा सहाय व श्रीम प्रकाश व श्रीम श्री कुमार पुत्र श्री छेदीलाल जी, निवासी शाह गंज दरवाजा मथुरा, हाल निवासी पंचशील एन्क्लेव 118/119 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कल्याण दास अश्रवाल पुत्र श्री रामबाबू निवासी गऊघाट, मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराए हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान कुछ दुमजिला कुछ तिमंजिला नम्बरी बाटर गेट 1345/5 बी के शाहगंज दरवाजा मथुरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 1-8-1980

मोहर:



प्रारूप आर्द्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निवेश सं० 819-अर्जन/मथुरा/79-80—अतः मुझे बी०

सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसको सं० मकान है तथा जो शाहगंज में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1980 का

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गंगा सहाय व श्रीम प्रकाश व अशाक कुमार पुत्र गण श्री छेदीलाल निवासी शाहगंज दरवाजा मथुरा हाल, निवासी पंचशील एन्क्लेव, 118/119 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विशन चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री रामबाबु निवासी गऊघाट, मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान दो मंजिला कुछ तिमंजिला नम्बरी वाटर गेट 1345/5 बाके शाहगंज दरवाजा, मथुरा का नं० 1/4 भाग है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980

माहुर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अगस्त, 1980

निदेश सं० 2092-ग०/सहारनपुर/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हरौडा में स्थित  
है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 14-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राजकुमार पुत्र श्री मामचन्द्र निवासी ग्राम  
कोटा, डाकखाना खास परगना हरौडा तहसील  
ब जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री तेले गिर पुत्र श्री बलजीत गिर निवासी  
ग्राम पड़को डाकोना कोटा परगना हरौडा  
तहसील ब जिला सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि बाबत मवाजी 9 बीघे 4 बिस्वे 18 बिस्वा  
पुश्ता आराजी मन्दरजे नम्बर खसरा सहाराई 163 मि० बाके  
ग्राम मंडको परगना हरौडा ब जिला सहारनपुर में स्थित है  
जो 22800 रु० बची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राम जी दास पुत्र मोहनलाल अरोड़ा मो०  
भाटवाड़ा हाल, दिल्ली रोड, मेरठ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

(2) श्री मनोहर लाल गान्धी पुत्र श्री सन्त लाल  
गान्ध निवासी पंजाबी पुरा शहर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।निर्देश सं० 1530-ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है तथा जो पंजाबी पुरा में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 18-12-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है।(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या जिसका जाना-पहचाना या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,  
अर्थात :—

अनुसूची

मकान पुष्पा एक मंजिला विला नम्बरी बाके मो०  
पंजाबीपुरा दिल्ली रोड मेरठ शहर में जो 32,000 रु० में  
बेचा गया है।बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख : 1-8-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निदेश सं० 1564-ए०/मेरठ/79-80—अतः सूक्ष्मे, बी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है तथा जो देहली रोड मेरठ में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 31-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती विमला देवी पत्नी खुणदिल निवासी  
310 सुभाष नगर मेरठ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कृष्ण ट्यूशन दिल्ली रोड, मेरठ वज्रिये  
श्रीमती रेखा अग्रवाल पटनी अजराज कृष्ण निवासी  
158 शीश महल रोड, मेरठ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट 592 वर्ग गज कस्बा मेरठ दिल्ली रोड, मेरठ में  
स्थित है जो कि 41,440 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० 1431-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे श्री० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भवन नं० 194 है तथा जो गान्धी नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-12-1979 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूल्य संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री विजय प्रकाश पुत्र श्री स्व० रूप नारायण निवासी ए-16 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री रणधीर चौधरी पुत्र श्री जगन्नाथ निवासी मकान 127 माडल टाउन गाजियाबाद तहसील व जिला गाजियाबाद।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन नम्बर 194 प्लॉट नं० 87 क्षेत्रफल 200 वर्गगज गान्धी नगर, गाजियाबाद में स्थित है। जो कि 1,25.00 रु० में बेची गई है।

श्री० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख : 1-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1413-ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे बी०

सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जगन्नाथ पुरी में स्थित  
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-  
कर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 10-12-1979 को

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्सीरत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रत्याशित प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अणोक कुमार पुत्र कैलाश चन्द्र शर्मा निवासी  
मोहल्ला पत्थर बालान, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतेन्द्र पुरी व रविन्द्र सिंह पुरी पिसतान  
श्री गुरमेज सिंह मोहल्ला रोनक पुरा रेलवे रोड  
शहर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

512 मु० गज प्लॉट जिसकी पैमाइश 87 फिट बाई  
53 फिट है बाके जगन्नाथ पुरी मेरठ में स्थित है। जो कि  
35,840 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-80  
मोहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० 1492-ए०/बुलन्द शहर/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 237-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसको सं० कोठी है तथा जो शिवपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-1970 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण त हुई किसी आय को बाधा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व से कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किशन चन्द्र सेठ पुत्र मुस्तार खास श्रीमती प्रेमवती सेठ निवासी ईदगाह कालोनी, आगरा (अन्तरक)

(2) श्री गुलबीर सिंह पुत्र श्री हरचन सिंह व श्रीमती मुमनलता पत्नी मुखबीर सिंह ग्राम मडोली परगना अगौठा, जिला बुलन्द शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवाई गईं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थानकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्विकीकरण :—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक नग कोठी मो० शिवपुरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है जो कि 1,000,00 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख : 1-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० 1985-ए०/बुलन्द शहर/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० मकान है तथा जो मो० मुन्शीपाडा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 3-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
वहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए; :

(1) श्री जय प्रकाश गौड़ पुत्र श्री बलजीत सिंह शर्मा  
निवासी मो० मुन्शी पाडा बुलन्द शहर।  
(अन्तरक)

(2) श्री मालकराम पुत्र श्री गोविन्दराम, जोगेन्द्र  
सिंह व गुरचरन सिंह व देवेन्द्र सिंह निवासी  
मोहल्ला मुन्शीपाडा, बुलन्दशहर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मो० मुन्शीपाडा जिला बुलन्दशहर में  
स्थित है जो कि 1,80,000 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 1-8-80  
मोहर :



प्रकृष बाई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० 942-अर्जन-2/कानपुर/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 128-983 है तथा जो बाई ब्लॉक किदवई  
नगर कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-1979 को  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चदश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को भारत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना जाहिष् था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती धरमावती देवी पत्नी देव नारायण सिंह  
निवासी 110/2 बाबूपुरवा, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चरायन सिंह, श्रीमती अखिलेश तथा कु०  
कमलेश निवासी 110/2, बाबू पुरवा, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्दस्तावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और/या जो, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 128/983 बाई ब्लॉक  
किदवई नगर में स्थित है जिसका रकबा 450 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 6-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निदेश सं० 1579-ए/कानपुर/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 133/27/17 एन० है तथा जो ब्लॉक एन किदवई नगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किष् जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए० पी० सिंह वाली आत्मज सरदार तारा सिंह वाली साकिन हाल 19 बी० रेलवे कालोनी सरदार पटेल रोड, नई दिल्ली।

(2) जारिये श्री बी० डी० गुलाटी आत्मज स्व० श्यामदाम गुलाटी किदवई नगर ब्लॉक एन० कानपुर मुख्तार खास।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबसकोर जोजो श्री बी० डी० गुलाटी ब्लॉक एन० 133/27/17 किदवई नगर, कानपुर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 133/27/17 ब्लॉक ब्लॉक एन० किदवई नगर कानपुर में स्थित है जो कि 33500 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 6-8-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० 1567-ए०/कानपुर/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 133/278 है तथा जो एम ब्लॉक किदवई नगर कानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बहन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जयशंकर पुत्र श्री दुर्गा शंकर निवासी 135/4 किदवई नगर द्वारा बागमल पुत्र बहादुर चन्द्र निवासी 383 ब्लॉक/3 गोविन्द नगर, कानपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री विजय शंकर अवस्थी पुत्र श्री रामसिंह अवस्थी निवासी 133/75 श्री ब्लॉक किदवई नगर कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नम्बर 133/278 एम० ब्लॉक किदवई नगर में स्थित है जो कि 60,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 5-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अगस्त, 1980

निदेश सं० 1565-ए/कानपुर/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 51/6 सी है तथा जो  
कानपुर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 17-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्री मुखालाल गुप्ता मकान नम्बर 51/7 रामगंज  
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेशचन्द्र जायसवाल एडवोकेट, महेश चन्द्र  
जायसवाल 7/11 तिलकनगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करावें हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 51/6 रामगंज, क्षेत्रफल 141.9 वर्ग गज

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-8-1980  
मोहर :

प्रश्न नम्बर 10001

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-4 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अगस्त, 1980

निदेश सं० 814-अर्जन/कानपुर/79580—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने उनके पत्राचार में अधिनियम कहा था) की धारा 269-4 के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित भाग मूल्य 20,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 51/15 एम० रामगंज है तथा जो कानपुर, में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1979 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए गणारिण को गई है और मुझे यह बिगुल करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिफल अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और भन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के निर्णय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त पत्रपर लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) नगर में हुई किसी प्रकार की नवीन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देन के प्रत्येक काल में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-4 के प्रसंग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-4 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—206G1/80

(1) श्री मन्नालाल गुप्ता निवासी 51/7 रामगंज, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र जायसवाल, महेशचन्द्र जायसवाल निवासी 7/80 डी० निलक नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 51/15 एम० रामगंज कानपुर में स्थित है जो कि 34000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 4-8-1980 है

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1980

निर्देश सं० 936/अर्जन/कानपुर/79-80--अतः मूझे  
बी० सी० चतुर्वेदी  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
श्रीर जिनकी सं० नं० 47/56 है तथा जो काकादेव ब्लॉक  
कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अन्तर्भूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 11-12-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अतः से हुई किसी बात की गणना उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती यारी खाई निगम पत्नी अजुध्या सरन  
124/28 ब्लॉक डी० गोविन्द नगर, कानपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री आत्मा राम  
दीक्षित व पुत्री सदाशिव बाजपेई 104/ए/220  
रामबाग कानपुर व श्री शिव नारायण बाजपेई  
आत्मज सदा शिव निवासी पनकी मौसिह परगना  
जिला कानपुर।  
(अन्तरिती)

को सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शायेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्रुतबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 117/56 बाके काकादेव ब्लॉक  
एन० कानपुर (एरिया 406 वर्गगज) में स्थित है जो कि  
70,000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त, 1980

निदेश सं० 910-अर्जन/कासगंज/79-80--अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मोहल्ला मोहन कासगंज  
में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कासगंज  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 15-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री भगवान सिंह, मन्दिखान सिंह, राजेन्द्र सिंह  
पुत्रगण श्री जोती प्रसाद व तारा देवी, बेवा  
जोती प्रसाद, व शम्बादेवी पत्नी चन्द्र पाल सिंह  
नियामी मोहन (मो०) कासगंज, जिला गेटा।  
(अन्तरक)

(2) श्री मनखान सिंह व राजवीर सिंह वरक्षपाल  
सिंह पुत्र ऊमराय सिंह निवासी पारी पर०  
सहावर तह० कासगंज, जिला गेटा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान तीन मंजिला पैमाइश पूरब पश्चिम  
20 फुट व उत्तर दक्षिण 20 फुट पूरब दरवाजा मकान  
पश्चिम मकान नेकराम, दर्जी व उत्तर मकान प्राईवेट  
रास्ता नेगराज धर्मशास्त्री बाके मोहल्ला मोहन कासगंज  
में स्थित है जो कि 48,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त, 1980

निर्देश सं० टी० आर०/868 अर्जन/आगरा/ 79-80— अतः  
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो आदर्श नगर रकावगंज  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 27-12-1979 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बलकेश नारायण माथुर पुत्र श्री प्रेम नारायण  
माथुर निवासी 33/22 आदर्श नगर कालोनी  
वर्जिये घनश्याम नारायण माथुर मुस्लिम ग्राम  
बलकेश नारायण माथुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्य प्रकाश गर्ग पुत्र श्री स्व० बनारसीदास  
निवासी 19 अजमेर रोड, लताकुंज आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जायदाद नम्बर 33/22 का हिस्सा जिसका रकबा  
654.39 वर्ग मीटर है जो कि आदर्श नगर रकाव गंज  
आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-8-1980

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जून, 1980

निदेश सं० 28/दिसम्बर/79—अतः, मुझे, ओ० आन्ड्राम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नयी नं० 75 बालटेकम रोड है,  
जो मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सौकरपट्ट, मद्रास (डाकु० नं० 68/1/11)  
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वी० श्रीदेवी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री वी० गोविंदराजलु,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण नयी डोर नं० 75 (पुराना सं०  
220/221) बालटेकम रोड, मद्रास-3।

ओ० आन्ड्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 21-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जुलाई 1980

निदेश सं० 48/दिसम्बर/79--प्रतः मुझे ओ० आनंदराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 652/ए3, 651/1ए, 651/1 बी०  
651/2 मीलविट्टन गांव, जो तेलीकोरीन में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेलीकोरीन (डाकु०  
सं० 3077-79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवर्ण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ए० अनिरुद्धमाल,
- (2) श्री एम० शंकरलिंग नाडार,
- (3) ए० अमरपेरुमाल
- (4) ए० दनबानन
- (5) एम० वल्लिम पेरुमाल

(अन्तरक)

- (2) श्री डी० नागेन्द्रम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोड्यनाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 3077)

एप्रिलवर भूमि 50 सेंटर सर्वे नं० 652/ए-3, 651/1 ए,  
651/1 बी, और 651/2 मीलविट्टन गांव, पालयम-  
कोट्टे रोड, तेलीकोरीन।

ओ० आनंदराम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख : 3-7-1980

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जुलाई, 1980

निर्देश सं० 1/जनवरी/80-अर्जन, मुझे, ओ० आनन्दाय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भू नं० 652/ए 3, 651/1 ए, 651/  
1 बी, 651/2 मलिविट्टन गांव है, जो टिटीकोरीन में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टिटीकोरीन (डाकु०  
नं० 123/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के लिए अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (1) श्रीमती एम० अमिरदग्गाल
- (2) श्री एम० शंकरलिंग नाडार
- (3) एम० अमरगुरुमान
- (4) एम० दनबालन
- (5) एम० वसिम पेरुमाल

(अन्तरक)

- (2) श्री डी० नागेंद्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें पृथक् शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के पञ्चाय 20-क में परिभाषित  
है, बड़ा अर्थ होगा, जो उस पञ्चाय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उन्हे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(डाकुमेंट नं० 123/80)

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातः--

एनिकलचरल भूमि 50 सेन्ट्स सर्वे नं० 652/ए 3,  
651/1 पी, 651/1 बी० और 652/2 मलिविट्टन गांव,  
पालममकोट्टे रोड, टिटीकोरीन ।

ओ० आनन्दाय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 3-7-1980

मोहर :

प्ररूप आक्षेप. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री एम० विठ्ठल राव और  
(2) एम० भुरेश राव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री टी० के० पद्मनाभन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० 62/दिसम्बर/79—प्रतः, मुझे, गो० आनन्दास  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 63 फर्स्ट क्रॉस बिरिडावन, अलगापुरम है,  
जो गांव, मलेम तालुक में स्थित है (और इसे उपाख्य  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के हार्पानथ, जे० एम० आर०-1 सलेम (डाकु०  
नं० 5914/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच घटे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाते में  
सुविधा के लिए;

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

डाकुमेंट नं० 5914/79 जे० एम० आर०-1 सलेम  
भूमि और निर्माण डोर नं० 63, फर्स्ट क्रॉस, बिरि-  
डावन, अलगापुरम गांव, मलेम तालुका।

गो० आनन्दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

तारीख: 10-7-1980

रूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० 65/दिसम्बर/79—यतः, मुझे, गो० आनन्दम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर मंगल जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 168 "लक्ष्मी टाकीज" है, जो गांधी  
रोड, आरनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, आरनी (डाकु० नं० 3947/79) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
क निम्न: धोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना  
चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री आर० कुण्ठास्वामी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्री० गिलगवनी अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कानून में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
निहित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 3947/79 एस० आर० ओ० आरनी)  
भूमि और निर्माण डोर नं० 168, लक्ष्मी टाकीज,  
गांधी रोड, आरनी

ओ० आनन्दम  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 16-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

निदेश सं० 22/दिसम्बर/79—यतः मुझे, ओ०

शानन्नाम

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 671/2 है तथा जो कारपनन 10th स्ट्रीट, सिक्कासी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सिक्कासी (डाकुमेंट सं० 4181/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० सी० ए० डी० ग्रहणाचलम नाडार  
(अन्तरक)

(2) दि नेशनल फायर वर्क्स

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 4181/79 एस० आर० ओ० सिक्कासी)  
भूमि और निर्माण सं० नं० 671/2, कारपनन 1019  
स्ट्रीट, सिक्कासी।

श्री० शानन्नाम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 21-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० किट्टु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० सदासिवन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त, 1980

निवेश 31/दिसम्बर/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 287 ए, 287 बी, 287 सी डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी स्ट्रीट है, जो जोतिनगर, आतुर सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० आतुर (डाकु० सं० 1994/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 1994/79 एस० आर० ओ० आतुर)  
भूमि और निर्माण डोर नं० 287-ए, 287 बी, 287-सी डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी स्ट्रीट, जोतिनगर आतुर, सेलम डिस्ट्रिक्ट।

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 14-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त, 1980

निदेश सं० 32/दिसम्बर/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दाय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 287-आई, 287 जे डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी रोड है, जो जोतिनगर, आतुर सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० आतुर (डाकु० नं० 1995/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृत्तमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नमः सूच्य; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) श्री एस० किट्टू

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मनोहरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सर्गधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में प्रविष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमट नं० 1995/79 एस० आर० ओ० आतुर) भूमि और निर्माण डोर नं० 287-आई, 287-जे डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी रोड, आतुर, सेलम डिस्ट्रिक्ट।

ओ० आनन्दाय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 14-8-1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एम० किट्टु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० दनलक्ष्मी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त, 1980

निर्देश सं० 33/दिसम्बर/79-अतः मुझे ओ० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 287 जी और 287 एच डाक्टर मुत्तु-  
लक्ष्मी रोड है, जो जोतिनगर, आतुर सेलम डिस्ट्रिक्ट में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आतुर सेलम  
डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आतुर (डाकु० नं० 1996/79) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटने किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त पंक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, राधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इनमें पयुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रकरण 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस प्रकरण  
में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 1996/79 एस० आर० ओ० आतुर)  
भूमि और निर्माण डोर नं० 287 जी और 287 एच,  
डाक्टर मुत्तुलक्ष्मी रोड, जोतिनगर, आतुर, सेलम डिस्ट्रिक्ट।

ओ० आनन्दराम  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख: 14-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अगस्त, 1980

निदेश सं० 63/फरवरी/80—यतः, मुझे ओ० आनन्दाय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है,  
और जिसकी सं० स० नं० 1393, एन० एम० सी० 27/  
14-31, 27/14-31 ए इगिल है, जो गेट कांपतुंड कोर्ट  
रोड, नागरकोइल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जे० एस० आर० I, नागरकोइल (डाकु० नं०  
686/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980  
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बालम्माल सेल्वनामंगम

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप विजयन बंजमिन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 686/80 जे० एस० आर०-I नागरकोइल  
भूमि और निर्माण सं० नं० 1393, एन० एम० सी०  
27/14-31, 17/14-31 ए०, इगिल गेट, कांपतुंड, कोर्ट  
रोड, नागरकोइल।

ओ० आनन्दाय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 11-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 अगस्त, 1980

निदेश सं० 47/दिसम्बर/79—अतः, मुझे, ओ० आनन्दाय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 56-बी सिफकाट है, जो इंडस्ट्रियल  
कॉम्प्लेक्स, रानीपेट में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकु० सं० 5120/ए०) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिसम्बर, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए गाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरक ने हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) सर्वश्री

- (1) मैसर्स लार्ड कृष्णा आयल्स एंड एक्सटिरेक्शन
- (2) बी० एस० गोविंदराजु मुदलियार
- (3) जी० बालकृष्णन
- (4) जी० तामारम्माल

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एसोसिएटेड सालबंट एक्सटिरेक्शन प्रा०  
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाशेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय  
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के  
पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 5120/79 जे० एस०-I धारा०-I मद्रास नार्थ  
भूमि और निर्माण प्लॉट नं० 56-बी, सिफकाट इन्ड-  
स्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, रानीपेट।

ओ० आनन्दाय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 19-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/-  
12-79/6053—अतः, मुझे, कु० आर० के० बाहल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिपका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी संख्या एच० नं० 5638 है तथा जो प्लॉट नं० 40  
बसती हरफूल सिंह सार बाजार दिल्ली (1/3 हिस्सा)  
में स्थित है (और इससे अपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आनन्द प्रकाश पुत्र स्वर्गीय लाला सीता राम  
निवासी 53/2 पंजाबी बाग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमावर्मा धर्मपत्नी श्री हरी प्रकाश 53/2  
पंजाबी बाग दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोवस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक तिहाई बिना बड़ा हिस्सा मकान नं० 5638, प्लॉट नं०  
40, जिस का क्षेत्रफल 111.1 वर्ग गज बसती हरफूल सिंह  
सार बाजार में स्थित है । जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा  
हुआ है :—

उत्तर : 40' चौड़ी सड़क

दक्षिण : 15' चौड़ी सड़क

पूर्व : प्लॉट नं० 16

पश्चिम : पश्चिम आध्र हिस्सा प्लॉट नं० 40 का ।

कु० आर० के० बाहल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख : 28-8-80

मीहूर :

## संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सरकार के अधीन तथा दिल्ली नगर निगम में चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1980)

नोटिस

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1980

सं० फा० 14/3/80-प 1 (ख) —संघ लोक सेवा आयोग द्वारा रेलवे आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा और केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा तथा दिल्ली नगर निगम के अधीन कनिष्ठ वेतनमान पदों पर भर्ती के लिए 22 फरवरी, 1981 को एक सम्मिलित परीक्षा आयोजित की जाएगी।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर विविध पदों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है :—

- (i) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी—लगभग 75 रिक्तियां\* ।
- (ii) आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद लगभग 18 रिक्तियां\* ।
- (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद—लगभग 300 रिक्तियां । (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 45 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 22 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं) ।
- (iv) दिल्ली नगर निगम में सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी ग्रेड ii लगभग 120 रिक्तियां (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 18 रिक्तियां तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 9 रिक्तियां सम्मिलित हैं) । इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है ।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के अनुसार सकता है ।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में उन पदों का स्पष्ट उल्लेख कर देना चाहिए जिन के लिए वे वरीयता क्रम में विचार किए जाने के इच्छुक हैं । उम्मीदवारों द्वारा निविष्ट उन पदों के वरीयताक्रम में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता ।

3. परीक्षा केन्द्र —अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कच्छीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर,

पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और सिक्किम ।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र के परिवर्तन के बारे में आयोग के कार्यालय में 12 जनवरी, 1981 को या उसके बाद प्राप्त किसी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

## 4. पात्रता की शर्तें :—

(क) राष्ट्रिकता उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iv) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो ।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (ii), (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता-प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो ।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसको परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता-पत्र दे दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा ।

(ख) आयु-सीमा—पहली जनवरी, 1981 को 30 वर्ष से कम किन्तु 1981 में ली जाने वाली परीक्षा के लिए आयु सीमा में 1-1-1981 को 50 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है ।

नोट—1980 के बाद आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 50 वर्ष तक की छूट किसी भी परिस्थिति में नहीं दी जाएगी ऊपरी आयु सीमा में निम्न-लिखित स्थितियों में और छूट दी जा सकती है :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और

25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रव्रजन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार, भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया के संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जांबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (vii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूलक, भारत व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रिय क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए,
- (x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हों,
- (xi) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए हों,
- (xii) सीमा सुरक्षा दल के ऐसे कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो वर्ष 1971 में हुए भारत

पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए और उसके परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए हों तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के हों,

- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात-काल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

उपयुक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

#### (ग) शैक्षिक योग्यताएं

उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिए उम्मीदवार फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

टिप्पणी 1:—वह उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा दे ली है या जिसको अभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पात्र हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा परन्तु उनका प्रवेश अनंतिम रहेगा तथा फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण यथाशीघ्र और हर हालत में 30-4-81 तक प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी 2:—उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिए वह उम्मीदवार भी शैक्षिक रूप से पात्र है जिसे अभी अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी करनी है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरा करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

5. आवेदन पत्र के साथ देय शुल्क:—रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु० 7.00)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा उनको एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

विशेष ध्यान:—उस उम्मीदवार के मामले को छोड़कर जिसने केन्द्रीय सरकार तथा दिल्ली नगर निगम\* के अधीन चिकित्सा-पदों पर भर्ती हेतु सम्मिलित\* परीक्षा (1980) दी है तथा जो 1981 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का इच्छुक है, एक बार अदा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा और न ही उसे किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए अरक्षित रखा जाएगा। यदि 1980 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसकी नियुक्ति हेतु सिफारिश कर दी जाती है तो 1981 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी उसके अनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी बशर्ते उम्मीदवारी रद्द और शुल्क वापस करने का उसका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 जनवरी, 1981 तक प्राप्त हो जाता है।

6. आवेदन कैसे किया जाए—केवल केन्द्रीय सरकार तथा दिल्ली नगर निगम के अधीन चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1981) हेतु निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन

पत्र ही दिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन-प्रपत्र और परीक्षा के पूर्ण विवरण निम्न स्थानों में प्राप्त किए जा सकते हैं:—

(i) दो रुपए का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव, को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।

(ii) दो रुपए नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी सेवाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परि-वचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

7. आयोग के कार्यालय में डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :—

(i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 3 नवम्बर, 1980।

(ii) विदेशों या अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम तथा जम्मू और काश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन के उम्मीदवारों से 17 नवम्बर, 1980।

8. प्रलेख, जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों :—

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :—

(i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हों या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नई दिल्ली पर देय

भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों। विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे उस देश में भारत के उच्च आयुक्त या राजदूत या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस प्रकार जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेज दें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्घरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्च-तर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र को एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्ट वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

**नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।**

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवारों को प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति यह दिखाने के लिए अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने एम० बी० बी० एस० परीक्षा पास कर ली है। जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसको उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से योग्यता प्राप्त हो जाएगा किन्तु उसे परिणाम की जानकारी नहीं मिली है तो वह इस परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवार यदि अन्यथा पात्र हैं तो उन्हें प्रवेश दे दिया जाएगा किन्तु उनका प्रवेश अनंतिम माना जाएगा और यदि वे परीक्षा पास करने का प्रमाण निर्धारित प्रपत्र में यथाशीघ्र और हर हालत में 30 अप्रैल, 1981 तक प्रस्तुत नहीं करते हैं तो उनका प्रवेश रद्द हो सकता है।

**अर्हक परीक्षा पास कर लेने के प्रमाण स्वरूप प्रमाण-पत्र**

\* 1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
 सुपुत्र/सुपुत्री\*  
 ने जो इस कालिज के/की\* छात्र/छात्रा\* रहे/रही\* हैं,  
 परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री पाने के/की\* पात्र हो गए/गई\* हैं।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
 सुपुत्र-सुपुत्री\*  
 के द्वारा 19—वर्ष के  
 मास में आयोजित परीक्षा में बैठने की आशा/बैठ चुकी\* है और उक्त परीक्षा के परिणाम की  
 तक घोषित होने की संभावना है।

हस्ताक्षर .....

पदनाम .....

संस्था का नाम .....

कहाँ स्थित है .....

तारीख .....

\*जो लागू नहीं है उसे काट दें।

(iv) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।

(v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

(vi) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के दो बिना टिकट लगे हुए लिफाफे, जिन पर उम्मीदवार का पता लिखा हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा :—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्राम तौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) प्राधिकारी से पिरिशिट-I में दिए गए प्रात्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवारों द्वारा:—

(i) पैरा 4 (ख), (ii) या 4 (ख) (iii) के अधीन शुरू में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया है :—

- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में विस्थापित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का, जिला मजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब डिविजन का सब डिविजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी-पुनर्वास-आयुक्त पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) पैरा 4 (ख) (iv) अथवा 4 (ख) (v) के अधीन आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है या आने वाला है।

(ii) पैरा 4 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से



आए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपयुक्त देशों से आया है।

(iv) पैरा 4 (ख) (vii) अथवा 4 (ख) (viii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है।

(v) पैरा 4 (ख) (ix) अथवा 4 (ख) (x) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अक्षांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

#### उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

##### प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट .....  
के रैंक नं० .....  
श्री ..... रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष के दौरान/\*अक्षांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर .....

पद नाम .....

दिनांक .....

\*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 4 (ख) (xi) अथवा 4 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए

गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट .....

रैंक नं० .....

श्री .....

सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर .....

पद नाम .....

तारीख .....

(vii) नियम 4 (ख) (xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

ध्यान दें :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैरा 8 में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

9. आवेदन प्राप्ति की सूचना :— इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

10. आवेदन का परिणाम :— अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन की परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

11. परीक्षा में प्रवेश :— किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

**12. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—**

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर बदल किए गए/गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो उनको इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी है या दोषी घोषित हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होता या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना या
- ( ) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना या
- (vi) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हो जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की आरिक्क क्षति पहुंचाई हो या
- (xi) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—
- (क) यह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा आयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा वह
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिये (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए;

स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और

- (ग) अगर वह पहले से सरकारों नीतियों में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन, यदि कोई हो, पर विचार न कर लिया गया हो।

**13. मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुतकरण :—उम्मीदवारों को अपने**

आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त पैरा 8 में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं, जो सरकार के किसी राज-पत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, उन्हें मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा का परिणाम 1981 के मई महाने में घोषित किया जा सकता है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षा के समय मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार व्यक्तित्व परीक्षा के समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी और उनका और आगे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

**14. परीक्षा का योजना:—**इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—

- (क) लिखित परीक्षा—उम्मीदवारों को निम्नलिखित चार विषयों से सम्बद्ध यस्तुपूरक प्रश्नों वाले एक प्रश्न-पत्र जिसके अधिकतम 200 अंश होंगे, में परीक्षा देनी होगी और प्रश्न-पत्र तीन घण्टे का होगा। प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे जिनसे निम्नलिखित चार विषयों का अधिक सम्बन्ध हो :—

- (i) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य आयु विज्ञान 40%
- (ii) क० ता० क० नेत्र विज्ञान, वर्णविज्ञान और विकलांग विज्ञान सहित सर्जरी 20%
- (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निरोधक आयुविज्ञान और सामुदायिक स्वास्थ्य 20%
- (iv) प्रसूती विज्ञान और स्त्रो रोग विज्ञान 20%

- (ख) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करेंगे उनका व्यक्तित्व परीक्षण किया जायेगा 200 अंश

नोट :—परीक्षा का स्वरूप, प्रश्नों के नमूने और उत्तर पत्रक के नमूने से सम्बद्ध तथ्योरे उम्मीदवार सूचना पुस्तिका में परिशिष्ट III पर दिये गये हैं।

15. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा से आयोग द्वारा अपनी विवक्षा से निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जायेगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के हेतु साक्षात्कार के लिये नहीं बुलाये जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जा सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिये होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा समीक्षात्मक सूक्ष्म-बुद्ध का शक्ति संतुलित विवेचनशीलता मानसिक जागरूकता सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक मत्पनिष्ठा स्वतःप्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

16. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के अंकों में क्रमशः 50 प्रतिशत का महत्व देते हुए कुल मिला कर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों का योग्यता के क्रम से आयोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जायेगी और जितने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी क्रम से नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया जाता है जितनी अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में से सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियाँ नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिये स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है बशर्ते कि परीक्षा में उनकी योग्यता के क्रम से निरपेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

17. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों की व्यक्तिगत रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उसके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

18. इस नोटिस के उपबन्धों के अधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के

क्रम से तैयार की गई सूची और उनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पदों के लिये बताई गई बरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा।

19. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववत् के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिये यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरनेशिप सफलतापूर्वक पूरा कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो।

20. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिये और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने का बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियोजन प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं को पूर्ति नहीं कर पाता है उनको नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तिगत परीक्षण के लिए योग्य घोषित किये गये सभी उम्मीदवारों की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिए भेजा जायेगा।

21. कोई भी व्यक्ति :—

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पतिन शीवित है, या
- (ख) पति या पतिन के जीवन होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है;

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बन्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

22. आवेदन-पत्र में संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र-व्यवहार सचिव संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस नई दिल्ली 110011 से किया जायेगा तथा उसमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाये :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो तो जन्म की तारीख
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता।

ध्यान दें (i):—जिन पत्रों में उपरोक्त व्यौरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष ध्यान (ii):—किसी उम्मीदवार में यदि परीक्षा हो जाने के बाद कोई पत्र मिलता है और उसमें उसका पूरा नाम तथा अनुक्रमांक भी नहीं लिखा है तो उस पर ध्यान न देने हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

23. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 22 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

24. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिये गये हैं।

विनय झा,  
उप-सचिव

#### परिशिष्ट I

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*—  
 \_\_\_\_\_ सुपुत्र/सुपुत्री \*श्री—  
 \_\_\_\_\_ जो गांव/कस्बा\*—  
 \_\_\_\_\_ जिला/मंडल\*—  
 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*— के/  
 की\* निवासी है,  
 \_\_\_\_\_ जाति/जन जाति\* के/की\* है जिसे निम्नलिखित  
 के अधीन अनुसूचित जाति/जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\* ।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,  
 1951\* ।

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,  
 1951\* ।

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन)  
 आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब  
 पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम,

उत्तर पूर्व क्षेत्र [पुनर्गठन अधिनियम, 1971] और अनु-  
 सूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन)  
 अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,  
 1956\* ।

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित  
 जन जातियां आदेश 1959 । अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन-  
 जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा  
 संशोधित \* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां  
 आदेश, 1962\* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) (अनुसूचित जातियां)  
 आदेश, 1962\* ।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\* ।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,  
 1967\* ।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश,  
 1968\* ।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां  
 आदेश, 1968\* ।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,  
 1970\* ।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_  
 और/या\* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_  
 जिला/मंडल\* \_\_\_\_\_ राज्य/  
 संघ राज्य क्षेत्र\* \_\_\_\_\_ :  
 रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

\*\*पदनाम \_\_\_\_\_

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*

नोट :—वहां "आम तौर से रहते/रहती हैं" शब्दों का अर्थ वही  
 होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल्स एक्ट, 1950 की धारा 20 में  
 है।

\*लगाव शब्द न हों, उन्हें कृपया काट दें।

\*\*जाति /जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के किये सक्षम  
 अधिकारी।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्डपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

प्रथम श्रेणी के स्टार्डपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।

- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफसर (लक्षदीप)।

#### परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गए हैं:—

#### I. रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद अस्थाई है और 'गुप' 'क' में है। पद का वेतनमान रु० 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1250-४० रो० 5०-1600 (परिशोधित वेतनमान) है। इसके अलावा समय-समय पर प्रवर्तित आदेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये दरें चालू हैं:—

1—5 स्टेज	रु० 150 प्र० मा०
6—10 स्टेज	रु० 200 प्र० मा०
11—15 स्टेज	रु० 250 प्र० मा०
16वीं स्टेज से आगे	रु० 300 प्र० मा०

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबन्धित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मन्त्रालय या अन्य उच्चतम प्राधिकरण द्वारा जारी किए गये आदेशों का पालन करने के लिये उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हों उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुसार प्रारम्भिक वेतन दिया जायेगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

(ख) उम्मीदवार को दो साल की परीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक समझा जाये तो सरकार इस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परीक्षा की अवधि को संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर वह अस्थाई हैसियत से उनको आगे चलाया जायेगा।

(ग) परीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थाई नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के 15-236G1/80

द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे मन्त्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों से नियंत्रित होगा और राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर अंशदायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।

(च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित और अपने स्तर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रदर्शित नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अन्दर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(झ) नियमानुसार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिस में किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्य: 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) संगणनीय सेवा:—जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्थापना संहिता के नियम 2423-क (के० से० नि० 404 (ख) में निर्धारित शर्तें लागू होती हैं व उस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।

(ट) जो बातें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में कही गई हैं उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर परिशोधित/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टेशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रीय औषधालय में नियुक्त किया जाएगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।

(ड) उच्चतर ग्रेडों में वेतनमानों और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर।

(i) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(वरिष्ठ वेतनमान) के पदों पर पदोन्नति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु० 11000-1800 है। जिसके साथ 1 से 9 तक की अवस्थाओं तक रु० 300/- प्रति मास सीमित प्रेक्टिस निषेध भत्ता तथा 10 अवस्था से आगे रु० 350/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

- (ii) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, चिकित्सा अधीक्षकों के पदों पर पदोन्नति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु० 1500-2000 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।
- (iii) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है रु० 1500-2000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या के आधार पर चिकित्सा अधीक्षक अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पदों पर पदोन्नति के पात्र हो जाते हैं। इस पद का वेतनमान रु० 2250-2500 है तथा साथ में 500/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।
- (iv) ऐसे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली है, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। इस पद का वेतनमान रु० 2500-2750 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रेक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

(ड) कर्तव्य और दायित्व—

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

- (i) वह प्रतिष्ठित और आवश्यक होने पर भीतरी बाड़ों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (ii) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और सेवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- (ii) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (iv) वह विनियमों की जांच करेगा।
- (v) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बन्धित कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और मांग पत्र तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभाग में रखेगा।

नोट (1):—जब सहा० स० चि० अ० किसी प्रभाग के मुख्यलय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के

नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीयचिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसे कुछ कार्य और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

नोट (2):—सहा० प्र० चि० अ० को समय-समय पर सौंपे गए अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

II रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद—

(क) पद ग्रुप 'क' में अस्थाई है किन्तु यथावधि स्थाई किया जा सकता है। वेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आवेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रेक्टिस निषेध भत्ता (प्र० नि० प०)। इस समय दर निम्नलिखित है :—

1-5 स्टेज	रु० 150/- प्रतिमास
6-10 स्टेज	रु० 200/- प्रतिमास
11-स्टेज से आगे	रु० 250/- प्रतिमास

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परिबीक्षा पर रखा जाएगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवेका पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिबीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने तक अस्थायी हसियत से चलाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारखाना अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रेक्टिस करना मना है।

(ङ) परिबीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर :—

(i) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा।

कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिए पात्र होंगे। वेतनमान रु० 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्नलिखित दरों पर प्रेक्टिस निषेध भत्ता—

1—3 स्टेज	रु० 250/- प्रतिमास
5—4 स्टेज	रु० 300/- प्रतिमास
6—7 स्टेज	रु० 350/- प्रतिमास
8—9 स्टेज	रु० 400/- प्रतिमास
10—11 स्टेज	रु० 450/- प्रतिमास

(ii) सुपर टाइप ग्रेड II—प्रधान चिकित्सा अधिकारी उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवा।

वरिष्ठ वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड-II में पदोन्नति के लिए विचार किए जा सकते हैं। वेतनमान रु० 1500-60-1800-100-2000 है तथा रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्र० नि० म०।

(iii) सुपरटाइम ग्रेड-I—निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं।

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उपनिदेशक, स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर रु० 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्रैक्टिस निषेध भत्ते के वेतनमान वाले निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड-I में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(छ) कार्य स्वरूप—(I) सहायक चिकित्सा अधिकारी :

- (i) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाड़ों के विभागों के अंतर्गत रोगियों और औषधालयों/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।
- (ii) वे लागू नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभी उपस्करों का रखरखाव और देखभाल अपने प्रभाग में रखेंगे।
- (iv) वे अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के औद्योगिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।
- (v) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।
- (vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) जी० डी० ओ० ग्रेड-I—स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी।

- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० सं० नि०/स्वा० से० उ० के निदेशन पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
- (ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनंदिन कार्य करने में वह स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० की सहायता करेगा।
- (ग) समय-समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।
- (घ) चिकित्सा भंडार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा० से० नि० की सहायता करेगा।

(ङ) व० चि० अ०—व० चि० अ० 75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।

(च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में व चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा करते रहेंगे।

(छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।

(ज) वे किसी संविधि या सरकारी आदेश के निहित या स्वा० से० नि० द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(3) सुपर टाइम ग्रेड-II—स्वास्थ्य सेवा उप निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी।

- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० उ० नि०/स्वा० से० नि० के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।
- (ख) स्वा० से० नि० की गैर हाजिरी, छुट्टी या दीरे की अवधि में वह कारखाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेगा।
- (ग) प्र० चि० अ०—प्र० चि० अ० 75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।
- (घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में व चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबंधक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा देते रहेंगे।
- (ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वे चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।
- (च) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी वे करेंगे।

(4) सुपर टाइम ग्रेड-I—स्वास्थ्य सेवा निदेशक

- (क) चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार—व्यावसायिक और प्राविधिक—समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना कानियंत्रक प्राधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करेगा।
- (ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए वह योजनाएं तैयार करेंगे।
- (ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।

(घ) संघ लोक सेवा आयोग में सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

(ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।

(च) वह स्वा० से० उ० नि० की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और समस्त प्र० चि० अ०, व० चि० अ० और स० चि० अ० की रिपोर्टों की समीक्षा करेंगे।

III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान के पदों के संक्षिप्त विवरण:—

(क) उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परिवीक्षा के अधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की अवधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनकी यथासमय कनिष्ठ वेतनमान (रु० 700—1300) में स्थायी बनाया जाएगा।

(ख) उम्मीदवारों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औपधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है अर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बंबई, भैरठ आदि में चालू के० स० स्वा० से०, कोयला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, असम राइफल्स, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, डाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान प्राप्य हैं:—

कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान

परिशोधित वेतनमान :

रु० 700-40-900-द० री०-40-1100-50-1300।

	प्रे० नि० भ०
1—5 स्टेज	रु० 150 प्र० मा०
6—10 स्टेज	रु० 200 प्र० मा०
11वीं स्टेज से आगे	रु० 250 प्र० मा०]

जो अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी करते हों, वे वरिष्ठ वेतन में पदोन्नति के पात्र होंगे।

वरिष्ठ वेतनमान ग्रुप 'क'

परिशोधित वेतनमान: रु० 1100-50-100

प्रे० नि० भ०

1 से 3 स्टेज तक	रु० 250 प्र० मा०
4 से 5 स्टेज तक	रु० 300 प्र० मा०
6 से 7 स्टेज तक	रु० 350 प्र० मा०
8 से 9 स्टेज तक	रु० 400 प्र० मा०
10 से 11 स्टेज तक	रु० 450 प्र० मा०

वरिष्ठ वेतनमान में 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अधिकारी रु० 1500—2000 के वेतनमान में सुपर टाइम ग्रेड-I में नियुक्ति के पात्र हो जायेंगे बशर्ते कि उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर योग्यताओं के साथ आवश्यक योग्यताएँ हों।

विशेषज्ञों का ग्रेड-II

परिशोधित वेतनमान : रु० 1100-50-1500-द० री०-60-1800

	प्रे० नि० भ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० 300 प्र० मा०
4 से 6 स्टेज तक	रु० 350 प्र० मा०
7 से 9 स्टेज तक	रु० 400 प्र० मा०
10 से 12 स्टेज तक	रु० 450 प्र० मा०
13 से 14 स्टेज तक	रु० 500 प्र० मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड-II—आठ वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और आवश्यक योग्यताओं से युक्त अधिकारी पदोन्नति पर भरी जाने वाली 50 प्रतिशत रिक्तियों में विशेषज्ञ के ग्रेड-I में पदोन्नति के लिए विचार क्षेत्र में आते हैं।

विशेषज्ञों का ग्रेड I

परिशोधित वेतनमान : रु० 1800-100-2000/125/2-2250  
प्रे० नि० भ० रु० 600 प्र० मा०

सुपर टाइम ग्रेड II

परिशोधित वेतनमान: रु० 1500-60-1800-100-2000।

प्रे० नि० भ०  
रु० 600 प्र० मा०।

विशेषज्ञों के ग्रेड I या सुपर टाइम ग्रेड II के पदधारी अधिकारी नियमित रूप से इन में से किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर सुपर टाइम ग्रेड I स्तर II पर पदोन्नति के विचार क्षेत्र में आते हैं।

सुपर टाइम ग्रेड I स्तर I

परिशोधित वेतनमान : रु० 2500-125/2750।

प्रे० नि० भ०  
रु० 600 प्र० मा०

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर I

परिशोधित वेतनमान : रु० 2500-125-2750  
प्रे० नि० भ०—रु० 600 प्र० मा०

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर I में की रिक्तियों को जन्हीं अधिकारियों से भरा जाएगा जो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर II में दो वर्ष की सेवा पूरी



कर चुके हों। अगर यह संभव नहीं हुआ तो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर II और विशेषज्ञों के ग्रेड I सुपर टाइम ग्रेड II में कुल मिलाकर 8 वर्ष की सेवा से युक्त या वह भी संभव नहीं हुआ तो विशेषज्ञों के ग्रेड-I और सुपर टाइम ग्रेड-II में से किसी भी ग्रेड में आठ वर्ष की सेवा से युक्त अधिकारियों में भरा जाएगा।

#### IV सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी, ग्रेड-II दिल्ली नगर निगम

(क) वर्ग 'क' का पद अस्थायी है किन्तु यथावधि स्थायी हो सकता है। वेतनमान रु० 700-40-900 द० रो० 40-1100-50-1300 तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रेक्टिस निषेध भत्ता (प्रे० नि० भ०) हैं। वेतनमान दरे इस प्रकार हैं:

1-5 स्टेज	रु० 150/- प्र० मा०
6-10 स्टेज	रु० 200/- प्र० मा०
11 स्टेजों आगे	रु० 250/- प्र० मा०

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षा पर रहेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा की अवधि को सन्तोषजनक ढंग से पूरा कर लेने के बाद वह स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने की अवधि तक अस्थायी पद पर कार्य करता रहेगा।

(ग) उम्मीदवार को दिल्ली नगर निगम के क्षेत्राधिकार में किसी भी अस्पताल/औषधालय/प्र० एवं शि० क० तथा परिवार कल्याण/केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रेक्टिस करना मना है।

परीक्षा की अवधि तथा बाद अस्थायी हैसियत से नियोजन की अवधि में दोनों पक्षों में से किसी भी ओर से नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के स्थान पर एक माह का वेतन देने का अधिकार है।

#### परिशिष्ट-III

##### संघ लोक सेवा आयोग

##### उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

#### क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फँलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

#### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, . . . . . के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के बीच a, b, c, क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तर प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक नमूना संलग्न परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिए गए उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्यायें 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित करना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. ☐ a ☐ b ☐ c ☐ d ☐ e

2. ☐ a ☐ b ☐ c ☐ d ☐ e

3. ☐ a ☐ b ☐ c ☐ d ☐ e

इस लिए यह जरूरी है कि:

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटा कर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाए और वह टेढ़ा हो जाए।

**घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम**

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें, आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की श्रम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जायें। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि सदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नोटा या काला स्याही वाला कलम भी लाना होगा। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि आप अपने साथ कोई क्लिप-बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ नहीं लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको मांगने पर एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पाम कर दें।

**ड. विशेष अनुदेश**

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जिसको मिलते ही तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है

और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबंध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी।

**च. कुछ उपयोगी मुझाय**

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपका गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ जितनी जल्दी आपगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तर की संख्या के आधार पर आपको अंक दिये जाएंगे।

न उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

**छ. परीक्षा का समापन**

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक कि निरीक्षक आपके यहां आकर सभी आवश्यक सामग्री न ले जाए और आपको "हाल" छोड़ने का अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

**नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)**

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3 पाठशाला के छात्र के लिए पठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं का रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4 सूर्य के सबसे निकट ग्रह है,

- (a) शुक
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

5 वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियाँ उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st August 1980

No. A-35014/1/80-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. K. Mishra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Senior Analyst for the period from 15-7-80 to 14-10-80, or until regular arrangements are made, or until further orders, whichever is the earliest.

2. Shri S. K. Mishra, will be on deputation to an *ex-cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provision contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,  
Dy. Secy. for Chairman.

New Delhi-110011, the 6th August 1980

No. A-35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two temporary Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis on deputation to the posts indicated against each for a period from 6-8-1980 to 5-11-1980, or until further orders, whichever is earlier.

1. Shri Yoginder Nath—S.O. (Special-Examination).
2. Shri D.R. Madan—S.O. (Special-Service).

2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri Yoginder Nath and D.R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,  
Dy. Secy. for Secretary.

New Delhi-110011, the 16th August 1980

No. A-12022/1/79-Admn. I(ii).—Shri N. K. Prasad Selection Grade Officer of the C.S.S. and Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission has been appointed to officiate as Joint Secretary in the scale of Rs. 2000—125/2-2250 in the Office of Union Public Service Commission w.e.f. the fore-noon of 26-5-1980, until further orders.

S. BALACHANDRAN,  
Dy. Secy. (Admn.),  
UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION.

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th August 1980

No. 44-PRS 52.—On his attaining the age of super-annuation, Shri M. K. Vasudevan, Selection Grade Officer of the Central Secretariat Service working as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission, retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1980.

O. P. SHARMA,  
Director.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; AR)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 21st August 1980

No. F-2/74-Ad.V.—The services of Shri F. C. Sharma, IPS (Tamil Nadu-1964), Supdt. of Police, CBI, Special

Police Establishment are placed back at the disposal of the Govt. of Tamil Nadu with effect from 27-7-1980 forenoon on repatriation after expiry of 26 days Earned Leave from 1-7-80 to 26-7-1980.

Q. L. GROVER,  
Administrative Officer (E).  
C. B. I.

## DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the August 1980

No. O-II-1478/80-Estt.—The President is pleased to appoint the following as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from dates noted against each subject to their being medically fit:—

1. Dr. S. Palani Chamy—19-7-80 (F.N.).
2. Dr. M. Krishna Rao—25-7-80 (A.N.).
3. Dr. (Mrs.) Usha Jain—1-8-80 (A.N.).

The 22nd August 1980

No. O-II-1464/80-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 22-7-80 (A.N.) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever earlier.

The 23rd August 1980

No. P.VII-2/79-Estt.—Shri Mohan Singh who was appointed to officiate as Section Officer on *ad-hoc* basis is reverted to the grade of office Superintendent w.e.f. 11-8-80 (A.N.).

K. R. K. PRASAD,  
Asstt. Director (Admn.).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Bhatinda Shri K. S. Ahluwalia relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of 10th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Ranchi Shri K. S. Ahluwalia assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, NFL Bhatinda w.e.f. the afternoon of 23rd July, 1980 vice Shri R. K. Jolly who on transfer to Srinagar relinquished the charge of the same post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Hoshangabad Shri Y. P. Jogewar assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, R.S.P. Rourkela with effect from the forenoon of 16th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Sindri Shri K. S. Minhas assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, NPPC Tuli (Nagaland) w.e.f. the afternoon of 8th July, 1980 vice Shri M. S. Bøe who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Bokaro Shri I. P. Singh assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, ASP Durgapur w.e.f. the forenoon of 22nd July, 1980.

No. E-16016/19/76-PFRS.—On expiry of the term of his deputation Shri H. K. Chatterjee relinquished the charge of the post of Section Officer in the office of the IG/CISF, New Delhi w.e.f. the afternoon of 11th August, 1980.

2. On his appointment as Section Officer on deputation basis Shri Mohan Dhalwani assumed the charge of the said post in the office of the IG/CISF, New Delhi vice Shri H. K. Chatterjee with effect from the same date.

PARKASH SINGH,  
Inspector General

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 19th August 1980

No. 10/20/79-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 18th January, 1980, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 31st December, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in Paragraph 2 of this office notification No. 12/5/74-RG (Ad. I) dated 28-3-1979.

2. The headquarter of Smt. Chaudhuri will be at Calcutta.

No. 11/37/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Investigators in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office with their headquarters at New Delhi, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the date(s) as mentioned against their names, or till the posts are filled in on regular basis, whichever period is shorter:—

S. No.	Name of the Officer	Date of appointment
1	2	3
1.	Shri L.C. Sharma	19 July, 1980 (Forenoon)
2.	Shri S.S. Bawa	19 July, 1980 (Forenoon)

2. The above mentioned *ad-hoc* appointments will not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (T). The services rendered by them on *ad-hoc* basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (T) nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/37/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Investigators in the offices of the Director of Census Operations in States as mentioned against them, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the date(s) as mentioned against their names, or till the posts are filled in on regular basis, whichever period is shorter:—

S. No.	Name of the Officer	Office in which working	Date of appointment
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	R.E. Choudhari	D.C.O., Maharashtra, Bombay	23rd July, 1980 (forenoon)
2.	R.N. Pongurlekar	Do.	21st July, 1980 (forenoon)

16—236GI/80

1	2	3	4
3.	Shri Ch. Purna Chandra Rao	D.C.O. Andhra Pradesh	21st July, 1980 (forenoon)
4.	Shri M.N. Sarkar	D.C.O., West Bengal, Calcutta	23rd July, 1980 (forenoon) *

2. The above-mentioned *ad-hoc* appointments will not bestow upon the officers concerned claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (T). The services rendered by them on *ad-hoc* basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (T) nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

3. The headquarters of S/Shri Choudhuri Pongurlekar, Rao and Sarkar will be at Bombay, Bombay, Hyderabad and Calcutta respectively.

No. 11/116/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri T. P. Pathak, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of July 19, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Pathak will be at Gorakhpur.

No. 11/6/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Man Mohan Narain Srivastava, an officer belonging to the Uttar Pradesh Accounts Service, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of August 2, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Srivastava will be at Lucknow.

The 23rd August, 1980

No. 10/40/79-Ad.I.—Pursuant to his request for termination of his services after giving one month's notice, required under the terms and conditions of his appointment, as contained in this office memorandum of even No. dated the 19th March, 1980, the President is pleased to terminate the services of Dr. S. R. Mehta, Senior Research Officer (Social Studies) in this office with effect from the afternoon of 8th August, 1980.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India.

## MINISTRY OF LABOUR

### LABOUR BUREAU

Simla, the 8th September 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial workers on base : 1960=100 increased by eight point to reach 394 (three hundred and ninety four) during the month of July, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of July, 1980 works out to 479 (four hundred and seventy nine).

A. S. BHARDWAJ,  
Jt. Director,

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL  
REVENUES

New Delhi, the 23rd August 1980

No. Admn. I/O. O. 245/5-6/Promotion/79-81/894.—The Director of Audit, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers, with effect from the afternoon of 14-8-80 until further orders:

Sl. No.	Name
S/Shri	
1. Deep Chand Jain	
2. R.C. Jain	Sh. R.C. Jain's promotion will take effect from the date he reverts to this office from C.A.G's-office
3. K.K. Malik	
4. B.D. Gupta	
5. S.B. Verma	
6. S.K. Gupta	
7. Prema Nand	

Dd/- illegible  
Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 19th August 1980

No. Estt.(A)/GO/896.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General Gujarat, Ahmedabad with effect from 1-8-80 F.N. until further orders.

S/Shri

1. K. Raghavan
2. H. J. Mehta
3. A. K. Rajagopalan
4. K. K. Trivedi
5. B. J. Shah (Proforma promotion)
6. E. S. Sunderarajan

The above promotions have been made on ad-hoc basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

A. KRISHNA RAO  
Sr. Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
JAMMU & KASHMIR.

Srinagar, the 20th August 1980

No. Admn.-1/60(Gen/80-81/2175-81.—The Accountant General Jammu & Kashmir has promoted following two permanent Section Officers of this office as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the forenoon on 8th August 1980 till further orders:—

1. Shri Soom Nath Kak.
2. Shri Prithvi Nath Handoo.

H. P. DAS.  
Senior Dy. Accountant General.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ORISSA

Bhubaneswar, the 14th August 1980

No. 65.—The Accountant General is pleased to appoint the following Section Officers of this office to officiate as Accounts officers in the scale of pay Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from the dates noted against each until further orders.

The promotion is on *ad hoc* basis subject to the decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudicated in the courts.

1. Sri Gopal Ch. Das—4-7-80 FN.
2. Sri Debendra Ku. Mohanty—5-7-80 F.N.
3. Sri A. Venkat Rao 9-7-80 F.N.
4. Sri Bijoy, Sikdar—7-7-80 F.N.
5. Sri Duryodhan Rajhans—2-7-80 F.N.
6. Sri Mukunda Nayak—2-8-80 FN.

K. P. VENKATESWARAN.  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 18th August 80

No. 68018(2)/71/A-I.—The President is pleased to appoint Kum. Anjali Ahluwalia, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as Deputy Financial Adviser, Ministry of Finance (Defence Division), New Delhi to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service with effect from the forenoon of the 1st July 1980, until further orders, under the "Next Below Rule".

R. L. BAKSHI  
Addl. Contoller General of Defence Accounts (Admn.).

MINISTRY OF DEFENCE  
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 20th August 1980

No. 18/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Jagadish Ch. Ghosh, Asstt. Staff Officer (Ad-hoc), as Offg. Asstt. Staff Officer in an existing vacancy, without effect on seniority, from 1-8-80 until further orders.

Shri Ghosh will be on probation for two years from 1-8-80.

The DGOF is also pleased to promote Smt. Smritikana Sengupta, Permt. Asstt., to Asstt. Staff Officer (Ad-hoc), in an existing vacancy, from 1-8-80 until further orders.

The 21st August, 1980

No. 19/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Debabrata Roy, Pmt. Assistant, to Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) on *ad-hoc* basis, in an existing vacancy, from 18-8-80 until further orders.

D. P. CHAKRAVARTI,  
ADGOF/Admn.  
for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE  
(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 8th August, 1980

No. A-12025(i)/3/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th June, 1980 and until further orders Shri Sudam Chanda Chaware as Assistant Director Grade I (Designs) in the Weavers Service Centre, Delhi.

No. A-12025(i)/7/80-Admn.II(A). The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 1st August, 1980 and until further orders Shri G. Ramaswamy as Deputy Director (Weaving) in the Weavers Service Centre, Madras.

No. A-32013/7/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 29th July, 1980 and until further orders Shri R. C. Shastri, Technical Assistant (Dyeing) as Assistant Director Grade I (Processing) in the Weavers Service Centre, Indore.

No. A-32013/7/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 29th July, 1980 and until further orders Shri R. A. Deshpande, Technical Assistant (Dyeing) as Assistant Director Grade I (Processing) in the Weavers Service Centre, Bangalore.

N. P. SESHADRI,  
Joint Development Commissioner for Handlooms.

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

DIRECTORATE OF VANASPATHI, VEGETABLE  
OILS & FATS

New Delhi-110019, the 20th August, 1980

No. A-11013/1/79-Est.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 25th April, 1980, the *ad-hoc* appointment of Shri P.S. Rawat, Officiating Senior Hindi Translator in the Ministry of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been continued in the Directorate of Vanaspathi, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB 40—1200 on purely temporary and *ad hoc* basis with effect from 1st September, 1980 to 28th February, 1981 or till the regular incumbent is appointed, whichever is earlier.

A. K. AGARWAL,  
Chief Director.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 19th August, 1980

No. 12(566)/68-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Technical Adviser in Indian Investment Centre, New Delhi on deputation basis, Dr. R. B. Parmarthi relinquished charge of the post of Deputy Director (Chemical) in Branch Small Industries Service Institute, Varanasi in the afternoon of 30th June, 1980.

M. P. GUPTA,  
Dy. Director (Admn.).

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 20th August 1980

No. A-12025(ii)/4/79-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri Y. J. Kenny, Permanent Main-

tenance Engineer, Films Division, New Delhi to officiate as Laboratory Engineer on *ad-hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of 31st May, 1980, until further orders.

N. N. SHARMA,  
Asstt. Administrative Officer,  
for Chief Producer.

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 15th July 1980

No. A-12026/1/77-Est.—Principal Information Officer hereby appoints Shri D. Janardhan Rao, a permanent Grade IV officer of the Central Secretariat Service cadre of the Ministry of Information and Broadcasting, working as Section Officer in Directorate General of All India Radio, as Administrative Officer in the Press Information Bureau's office at Madras on deputation basis for a period of two years with effect from the forenoon of the 18th June, 1980.

M. M. SHARMA,  
Asstt. Principal Information Officer,  
for Principal Information Officer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY

New Delhi-110001, the 18th August 1980

No. A. 12026/9/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri D. L. Ghoshal, Distribution Assistant to officiate as Assistant Distribution Officer in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 14th July, 1980 vice Shri Jogi Ram Langan, Assistant Distribution Officer, granted leave followed by his temporary transfer to New Delhi.

J. R. LIKHI,  
Deputy Director (Admn.)  
For Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th August 1980

No. A.19019/16/79-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. A. S. Rao to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 23rd July, 1980.

N. N. GHOSH,  
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 21st August 1980

No. A. 12025/19/79(FRSL)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Ishwara Chandra Shukla to the post of Jr. Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, with effect from the forenoon of the 9th July, 1980 in a temporary capacity and until further order.

SANGAT SINGH,  
Deputy Director Administration (E)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the August 1980

No. A. 19023/5/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri K. N. Ghungrudkar, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the Directorate at Bombay with effect from 11-7-80 (forenoon) until further orders.

The 18th August 1980

No. A.19023/49/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Abohar, Shri A. K. Guha handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 30-7-80.

No. A.19023/6/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Har Prasad, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay in the forenoon of 11-7-80, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Prasad relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Tangutur in the afternoon of 30-6-80.

No. A. 19025/49/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kollol Chander Lahiri has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III), in this Directorate at Calcutta with effect from 20-6-80 (afternoon) until further orders.

No. A.19025/50/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Kumari Sajni Batra has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Chandigarh with effect from 11-7-80 (forenoon), until further orders.

The 20th August 1980

No. A. 19023/26/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Khandwa, Shri A. G. Deshpande handed over charge of the post of Marketing Officer at Nagpur in the afternoon of 21-6-80.

No. A.19025/4/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the following officers who are working as Assistant Marketing Officer (Group I) on short-term basis, have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 24-5-80, until further orders:—

1. Shri G. V. Ramamurthy
2. Smt. R. Lalitha
3. Shri P. D. Girase
4. Shri K. Jayanandan

No. A. 19025/13/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri S. K. Gangopadhyay has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Bombay with effect from 10-7-80 (forenoon).

His resignation has been accepted with effect from 12-7-80. (FN).

B. L. MANIHAR,  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Government of India

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 4th July 1980

No. PA/43(1)/80-R.IV.—Consequent on the transfer of Shri Karamchandani Laxman Hiranand permanent Security Officer in Directorate of Estate Management to BARC, Controller BARC appoints him as Security Officer in BARC with effect from March 12, 1980, while on leave until further orders.

On completion of his leave from March 12, 1980 to May 13, 1980, Shri Karamchandani assumed charge of the post

of Security Officer with effect from the forenoon of May 14, 1980.

This is in supersession of Notification of even number dated June 9, 1980.

A. S. DIKSHIT,  
Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-400 005, the 11th August 1980

No. PPFJ/3(262)/78-Adm.10811.—In continuation of this Division's Notification No. PPED/3(262)/76-Adm. dated April 7, 1980, Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division has been permitted to continue to officiate as Assistant Personnel Officer till July 31, 1980 (AN).

B. V. THATTE,  
Administrative Officer.

#### NARORA ATOMIC POWER PROJECT

P.O. NAPP T/Ship, the 16th August 1980

No. NAPP/Adm/1(71)/80-S/10550.—Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri K. L. V. Subbiah, Section Officer (Accounts), in the office of the Controller General & Defence Accounts on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the afternoon of June 30, 1980.

No. NAPP/Adm/5(17)/80-S/10551.—Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri R. V. Awasthy, Section Officer (Accounts), in the office of the Western Railway, Bombay, on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the afternoon of June 30, 1980.

No. NAPP/Adm/1(183)80-S/10552.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Niranjana Deo, Section Officer (Accounts) in the office of the Accountant General Rajasthan, Jaipur, on deputation as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-960/- in the Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of July 3, 1980, on the usual terms and conditions of deputation until further orders.

The 18th August 1980

No. NAPP/Adm/1(182)/80-S/10568.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Narendra Kumar Sharma, Section Officer (Accounts) in the office of the Director of Audit, Northern Railways, Baroda House, New Delhi, to officiate as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/-, with effect from July 2, 1980, in Narora Atomic Power Project, on usual deputation terms until further orders.

G. G. KULKARNI,  
Senior Administrative Officer.

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 10th August 1980

No. NFC/PAR/0705/5453.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri V. Venkateswara Rao, Asst. Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 9-5-1980 to 8-6-1980 AN, against existing vacancy.

This supercedes this office Notification No. NFC/PAR/0705/2636 dated 19-5-1980.



No. NFC/PAR/0705/5454.—In continuation of Notification No. NFC/PAR/0705/5603 dated 22-12-79 the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Sri S. Rangarajan, Asst. Accountant as Asst. Accounts Officer, on ad hoc basis w.e.f. 18-2-1980 to 30-6-1980 against existing vacancy.

This supercedes this office Notification No. NFC/PAR/0705/1922 dated 26-3-1980.

No. NFC/PAR/0705/5455.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri Mohd. Ismail, Assistant Accountant, to officiate as Asst. Accounts Officer on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 19-5-1980 to 8-6-1980 against existing vacancy.

No. NFC/PAR/0705/5456.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri Mohd. Ismail, Assistant Accountant, to officiate as Asst. Accounts Officer on ad-hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 14-5-1980 to 31-5-1980 against existing vacancy.

U. VASUDEVA RAO,  
Sr. Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 21st August 1980

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on ad hoc basis with effect from the afternoon of 9-6-1980 to 9-2-1981 (AN).

M. S. RAO,  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 29th July 1980

No. A-31013/3/79-EA.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department with effect from 24th July, 1980.

S. Name  
No.

1. Shri M.A. Paul
2. „ O. P. Dhingra
3. „ M. P. Khosla
4. „ K.S. Prasad
5. „ N.D. Ghosh
6. „ Ravi Tankha
7. „ C.R. Rao
8. „ R.S. Bhagat
9. „ Kundan Lal
10. „ J.K. Sardana
11. „ K.C. Misra
12. „ G.B.K. Nair
13. „ D.D. Sardana
14. „ K.N. Venkatachaliah
15. „ S.C. Sekhri
16. „ S.K. Jain
17. „ D. Ramanujam
18. „ A.T. Varghese.
19. „ K.V.S. Rao
20. „ N.P. Sharma

Sl. Name  
No.

21. Shri S. K. Banerjee
22. „ R.A. Kothandaraman
23. „ K. K. Saxena
24. „ A.M. Thomas
25. „ S.A. Ram
26. „ M.M. Sharma
27. „ D.C. Kharab
28. „ K.B.K. Khanna
29. „ D.N. Dhawan
30. „ A.F. Tigga
31. „ A.M. Nandkar
32. „ B. S. Chawla
33. „ D. Santhanam
34. „ R.L. Verma
35. „ A.K. Basu
36. „ R.L. Chopra
37. „ P.C. Goel
38. „ C.N. Prasad
39. „ H.M. Israel
40. „ D.N. Ghosh
41. „ D.K. Sen
42. „ B. M. Arora
43. „ B. K. Duggal
44. „ B.K. Sarkar
45. „ B.S. Gambhir
46. „ N.K. Murthi
47. „ P.A. Raghunathan
48. „ M.B.L. Aggarwal
49. „ H.L. Gupta
50. „ C.K. Kutty Krishnan
51. „ R. C. Khurana
52. „ P.R. Sabharwal
53. „ M. P. Chawla
54. „ M. M. George
55. „ K. L. Taneja
56. „ D. P. Arora
57. „ G. B. Subramaniam
58. „ M. M. Malik
59. „ M. L. Uppal
60. „ V. K. Pandey
61. „ A. D. Malik
62. „ R. A. Awasthy
63. „ S. P. Arora
64. „ O. P. Wadhwa
65. „ J. N. Jatley
66. „ M. K. Dutta
67. „ R.C. Kanda
68. „ K. Mukundan
69. „ K. L. Batura
70. „ O. P. Satija.
71. „ R.R. Chugh
72. „ D.N. Singh
73. „ M. L. Kapoor
74. „ J.S. Wazir
75. „ T.S. Sandhu
76. „ A. N. Kherra

The 2nd August 1980

No. A-32013 17/78-EA.—The President has been pleased to sanction the continued ad-hoc appointments of the following Officers to the grade of Aerodrome Officer upto 31-8-80 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

S. No.	Name	Station
Sarva/Shri		
1.	Kaviraj Singh . . .	A.S.O. (ATC) Hdqurs.
2.	J.S.R. K. Sharma . . .	Madras
3.	Amir Chand . . .	Gwalior
4.	H.D. Lal . . .	Bhopal
5.	G.B. Bansal . . .	Rajkot
6.	M.S. Gossain . . .	Palam
7.	C.N.S. Moorthy . . .	Madras
8.	A.N. Mathur . . .	Khumbirgram
9.	P.K. Khanna . . .	Dum Dum
10.	P. B. Daswani . . .	A.O. (P) Hdqurs.
11.	K.P.S. Nair . . .	Madras
12.	A. K. Jha . . .	North Lakhimpur
13.	S.J. Singh . . .	Palam
14.	S. K. Voara . . .	Santacruz
15.	Vinod Kumar Yadav . . .	Santacruz
16.	Daljit Singh Chatrath . . .	Palam
17.	D.D. Vuthoo . . .	Srinagar
18.	K. K. Malhotra . . .	Dum Dum
19.	G.S. Kalsi . . .	Leh
20.	A.T. Richard . . .	Madras
21.	Rajinder Pal Singh . . .	Bombay Airport
22.	Arul Anand . . .	Tirupati
23.	C.M. Kothliath . . .	Bombay
24.	P. N. Bhaskar . . .	Bhavnagar
25.	H.C. Malik . . .	Amritsar
26.	H.R. Joshi . . .	Bombay
27.	S.C. Huria . . .	Begumpet

V. V. JOHRI  
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 20th August 1980

No. 12025/11/79-ES.—The President is pleased to appoint Sh. M. N. Kutty, Warrant Officer from Indian Air Force, as Aircraft Inspector at Hyderabad Airport, Hyderabad with effect from 7-8-1980 (F.N.) on the basis of transfer on deputation for a period of three years.

No. A.32014/2/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. D. Jain as Administration Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the forenoon of the 22nd July, 1980 and until further orders in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay.

The 21st August 1980

No. A.38015/3/80-ES.—Shri A. S. Malhotra, Administrative Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st July, 1980 on attaining the age of superannuation.

R. N. DAS  
Asstt. Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th August 1980

No. 1/338/80-EST.—Shri A. K. Bost, Offg. Assistant Administrative Officer, New Delhi, retired from service, with

effect from the afternoon of the 29th February, 1980, on attaining the age of superannuation.

No. 1/357/80-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. V. Varadan, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office, for the period from 21-4-1980 to 31-3-1980, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

H. L. MALHOTRA  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

## VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 18th August 1980

No. 16/355/80-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Ramaswamy Periaswamy as Research Officer at the Forest Research Centre, Coimbatore with effect from the afternoon of 7th April, 1980, until further orders.

R. N. MOHANTY  
Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidhyalaya.

## COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Cochin, the 28th April 1980

No. 1/80—In exercise of the powers vested in me under Rule 232A of the Central Excise Rules 1944, I, C. Bhujangaswamy, Collector of Customs and Central Excise, Cochin publish the names addresses and other particulars of the persons who have been found to have contravened the provisions of the Central Excise Rules 1944 and on whom a pena penalty of Rs. 10,000- (Rupees Ten thousand) or more has been imposed.

- (1) Names/addresses 1. Shri N. Neelakantan Nair, (Retd of the persons Managing Director), 86/111 Santhi Lane, Thottakkattukaran, Alwaye, Kerala.
2. Late Shri P. K. Nair (Gen Manager, 5/537-A Sajit Bihar, Erannipalam P.O., Calicut-6, Kerala.
3. Shri P. T. Devassy, (Director) Chief Conservatory Quarters, Trivandrum, Kerala.
4. Shri K.V. Thomas (Director) 163 Udarasiromani Road, Trivandrum, Kerala.
5. Shri K. N. Menon (Director) AI Quarters, Alind Colony, Kundara, Kerala.
6. Shri V. Sukumaran Nair (Director) Sreekrishna Vilasam, Sasthamangalam, Trivandrum, Kerala.
7. Shri N. K. R. Panicker (Director) Gopi Mandir, Parakkal, Vanchiyoor, Trivandrum, Kerala.
8. Shri Padmalochanan, (Director) Sea View, Thankasserry, Quilon, Kerala.
9. Shri P. O. SPenser, (Director) Puthenveedu, Karavaloor Post, Punaloor, Kerala.

10. Shri Chitharanjan, (Director)  
Pulivilayil Veedu, Mundakkal  
East, Quilon, Kerala.
11. Shri S. Peer Muhammed (Director)  
Ruksvila, Sasthaman-  
galam, Trivandrum, Kerala.
- (2) Name of the firm : Travancore Plywood Industries Ltd.  
Punalur, Kerala.
- (3) Provisions of Act Rules 9 (1), 52A, 53, 173B, 173C,  
or Rules contra- F & G, 174 and 226 of Central  
vened : Excise Rules, 1944.
- (4) The amount of penalty imposed : Rs. 1,00,000/-  
(Rupees one lakh only)
- (5) The value of excisable goods or other } Ex. duty value of  
property ordered to be forfeited by } goods involved  
a court under Sec. 10 of the Act or } Rs. 10,01,844.81  
adjusted by the officer referred to } Demanded duty on  
in Sec. 33 to be confiscated. } the value at the  
approximate rate.
- (6) Amount of fine in lieu of confiscation : Nil
- (7) Particulars of any licence revoked :  
under Rule 181 Nil

C. BHUJANGASWAMY

Collector of Customs Central Excise Cochin  
(Issued from File C. No. IV/16/314/78 Ex. Adj.).CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : P. B. No. 81 :  
NAGPUR

Nagpur, the 19th August 1980

No. 6/80.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri S. B. Kane, Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of the Office of the Superintendent, Central Excise, Group 'B' in Hqrs. Office, Nagpur in the afternoon of the 10th July, 1980.

K. SANKARARAMAN  
Collector

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 25th August 1980

No. 3(DA)/5/79-Adm.VI.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I. G. S. Jakhade, Secretary, Central Water Commission hereby give notice to Shri Sushil Jairath, Design Assistant that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication of this notice in the Gazette of India.

G. S. JAKHADE  
Secretary  
Central Water Commission.MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Patna-800001, the 19th August 1980

In the matter of Companies Act, 1956 and of Messrs  
TOKI TILES AND INDUSTRIES PRIVATE LIMITED.

No. (886)-560/3496.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s TOKI TILES AND INDUSTRIES PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will

be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE  
Registrar of Companies, Bihar.

Bombay, the 1st April 1980

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Bombay Kunny Dealers Laminators Private Limited.

No. 17985/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bombay Kunny Dealers Laminators Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX,

Lucknow, the 16th August 1980

## INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 92.—Shri Ashok Kumar Jauhari, Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Basti has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, C-Ward Salary Circle Lucknow on 30-6-80 in the forenoon.

No. 93.—Shri Shyam Nath Kapoor, Income-tax Inspector, IAC Office Range I, Varanasi has been promoted to officiate as income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, F-Ward, Varanasi on 1-7-80 in the forenoon.

No. 94.—Shri Madan Lal Sarin, Income-tax Inspector, IAC office Range II Varanasi has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, G-Ward, Varanasi on 1-7-80 in the forenoon.

DHARNI DHAR  
Commissioner of Incometax  
Lucknow.

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 19th August 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for the period from 21-7-1980 to 16-8-1980 vide Notification No. F.48-Ad(AT)/80, dated 25th July, 1980 is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a further period of one month with effect from 17-8-1980 to 16-9-1980 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C., whichever is earlier.

2. The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA  
President.

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range-II, H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,  
New Delhi-110002

New Delhi, the 28th August, 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6054—Whereas I, MISS R. K. CHAHAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 5638 on Plot No. 40 (1/3 Share) situated at Basti Harphool Singh Sadar Bazar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Prakash S/o Late L. Site Ram,  
53/2 Punjabi Bagh New Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Uma Verma W/o Hari Parkash,  
R/o 53/2, Punjabi Bagh New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One third undivided share out of house built on plot No. 40 bearing M. No. 5638 (Eastern one half portion) measuring 111.1 sq. yds. situated at Basti Harphool Singh Sadar Bazar Delhi bounded as under :—

North	: 40' wide road
South	: 15' wide road
East	: Plot No. 16
West	: Western half portion of plot No. 40

MISS R. K. CHAHAL  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date 28-8-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, dated the 22nd August, 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-5 situated at Fatchiba, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—236GI/80

(1) Shri Sardar Daljeet Singh S/o Sardar Dershan Singh, 23-B, Sethi Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan Jajoo, S/o Shri Phool Kishan, K-5, Fatch Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. K-5, Fatch Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 3136 dated 28-12-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE JAIPUR  
Jaipur, dated the 22nd August, 1980

Ref. No. : Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Churu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Churu on 27-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kishni Devi, widow of late Ram Sripur Brahmin, Through : Chiman Lal, S/o Meliram Brahmin, Churu. (Transferor)
- (2) Shri Mohd. Amin & Salauddin, sons of Hazi Bhure Khan, Churu. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land situated in Ward No. 22 near Sati Mandir, Churu measuring 1310 dur gaj and more fully described in the sale deed registered by S.R., Churu vide No. 878 dated 27-12-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

JAIPUR

Jaipur Dated, the 22nd August, 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Churu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Churu on 27-12-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kishni Devi, widow of Late Ram Swarup Brahmin, Through : Chiman Lal, S/o Maliram Brahmin, Churu. (Transferor)
- (2) Shri Barkat Ali, S/o Hazi Bhure Khan Khstir, Churu. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated in Ward No. 22 near Sati Mandir, Churu measuring 1056 dur ge j and more fully described in the sale deed registered by S.R. Churu vide No. 877 dated 27-12-79

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-80

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated the 22nd August, 1980

Ref. No. Roj/IAC((Acq.))—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 19-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Chander, S/o Sukhdevo Ahir,  
R/o Chawani Road, Champa Nagar, Beowar.  
(Transferor)
- (2) Shri (1) Gansh Prashad S/o Asaram Kumawat,  
Fatehpuria Bazar, Beawar.  
2. Tejraj, S/o Ramchander Srisimal, Mewari Bazar,  
Beawar.  
Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated on Delwara Road, Beawar measuring 3 bigha 5 biswa & 10 biswas and more fully described in the sale deed registered by S.R. Beawar vide No. 2664 dated 19-12-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-80  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Beawar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 31-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Chander, S/o Sukhdeo Ahir  
R/o Chawani Road, Champ Nagar, Beawar.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Ganesh Pd. S/o Asaram Kumawat,  
Fatehpura Bazar, Beawar.  
2. Tehraj, S/o Ramchander Sisrimal, Mewari Bazar,  
Beawar.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated on Delwara Road, Beawar measuring 3 bigha 6 biswa and more fully described in the sale deed registered by S.R. Beawar vide No. 2956 dated 31-12-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Prakesh Kumar Gandhi, S/o Druleet Singh,  
Maldas Street, Udaipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Prabhulal Agarwal, S/o Trilok Chand  
Agarwal, C-441, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Ref No. Rcj/IAC(Acq.)—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4, near Sukhadia Circle, Udaipur measuring 11410 sq. ft. and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 3045 dated 24-12-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August, 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 25-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daulatraj, Padamraj & Vimalraj S/o Kewal Raj Singh,  
R/o Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferors)

(2) Shrimati Usha Kiran, w/o Sh. Kishore Chand Abani,  
R/o Ghoron-Ka Chowk, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Nana Bhawan, High Court Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jodhpur vide No. 363A dated 25-2-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-80.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dulatraj, Padamraj & Vimalraj, sons of Kewal Raj Singh, R/o Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Chand Abani, S/o Sumer Chand Abani R/o Ghoron Ka Chowk, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Nana Bhawan, High Court Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jodhpur vide No. 364A dated 27-2-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-80  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Sudha Bai, W/o Shri Surya Kant,  
K-4, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Roadicut (P) Ltd.,  
Hawa Sarak, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August, 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)—Whereas J. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—236GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. K-4, Ashok Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide reg. No. 3034 dated 28-12-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-80  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd August 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-15 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhanrupmal Hirawat, S/o Shri Padamchand Hirawat, Partaniyan Ka Rasta, Johri Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shakuntala Devi, W/o Prakash Chand Hirawat, Partaniyan Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-15, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the Sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 3033 dated 28-12-1979.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. KHR/39/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 623, Phase III-B-I situated at Mohali Teh. Kharar Distt. Ropar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kirpal Singh s/o Sh. Amar Singh  
R/o H. No. 623, Phase III-B-I S.A.A. Nagar (Mohali)  
Teh. Kharar.

(Transferor)

- (2) Smt. Raj Kumari Loomba w/o Sh. Ram Parkash  
Loomba R/o 623, Phase III, B-I, Mohali (Kharar)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential H. No. 623, Phase III-B-I, situated in S.A.S. Nagar (Mohali) Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the Reg. Deed No. 3743 of 12/79 of the Registering Authority, Kharar)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/508/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Portion H. No. 126-L, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Gurdish Kaur, Gurmit Kaur ds/o Sh. Sajjan Singh Gurmukh Singh s/o Sh. Sajjan Singh  
R/o 361/1 Raja Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Devinder Kaur w/o Sh. Rajinder Singh,  
R/o Gurdwara Singh Sabha,  
Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of H. No. 126-L, Model Town Ludhiana.  
(The property as mentioned in Registered Deed No. 4210 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date 22nd August 1980

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/507/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of H. No. 126-L, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ranjit Kaur wd/o Sh. Sajjan Singh, Jagdish Singh, Ripduman Singh ss/o Sh. Sajjan Singh r/o 361/1, Raja Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Singh s/o Sh. Bodh Raj, R/o Gurdawara Singh Sabha, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 126-L, Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4209, of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana (Ludhiana))

SUKHDEV CHAND

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22nd August 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/518/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot measuring 1080 Sq. Yds. Govt. College (Girls) Road, situated at Civil Lines, Ludhiana and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ludhiana in December, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sajjan Singh s/o Chanda Singh  
R/o B-XIX/92, Govt. College For Women Road,  
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mrs. Santosh Jain, Mr. Ripan Jain and Mr. Rajan Jain  
all R/o B-VI-133, Madhopuri-2,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 1080 Sq. Yds. situated Govt. Girls College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4355 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22nd August 1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Tanuj K. Sehgal,  
No. 60, Sector 5, Chandigarh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amandeep Singh Lehal,  
61, Sector 7A, Chandigarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/346/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 14 Kanals 13 Marlas situated at Mani Majra U. T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 14 Kanals 13 Marlas at Mani Majra U. T. Chandigarh

(The Property as mentioned in the sale deed No. 1901 of December, 79 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

[Date : 22nd August 1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pankaj K. Sehgal,  
60, Sector 5A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ajaipal Singh,  
House No. 61, Sector 7A, Chandigarh

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/349/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 8 Kanals 2 marlas situated at Mani Majra U. T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 8 Kanals 2 marlas at Mani Majra U.T. Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 1904 of December, 79 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Tanuj K. Sehg 1,  
60, Sector 5, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Hardyal Singh (HUF)  
61, Sector 7A, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/350/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 15 Kanals 15 marlas situated at Mani Majra U. T. Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
19—236GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 15 Kanals 15 marlas at Mani Majra U.T. Chandigarh  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1905 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22-8-1980  
Sd :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/392/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 3382 situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulbhushan Puri S/o Sh. Raghubir Nath Puri, r/o 7/60, South Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Tej Bhan s/o Sh. Visakhi Ram and  
2. Smt. Santosh Kumari w/o Sh. Tej Bhan,  
r/o House No. 3380, Sec. 19D, Chandigarh presently  
at House No. 3382, Sector 35D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3382, Sector 35D, Chandigarh,  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2066 of Dec.,  
79 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 22th August 1980

Ref. No. LDH/529/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 910 sq. Yds. situated at (Gill No. 2) Mohalla Kot Mangal Singh, Janta Nagar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Avtar Kaur w/o Shri Jagjit Singh  
r/o Gali No. 9, Janta Nagar, Ludhiana through  
General Power of Attorney Shri Santokh Singh Gill  
s/o Sh. Pritam Singh, r/o Gali No. 9, Janta Nagar,  
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s Neelam Industrial Corporation, 630/8-C, Gali  
No. 4, Bhagwan Chowk, Janta Nagar,  
Ludhiana through its partners S/Shri Ashwani Kumar  
s/o Sh. Tirath Chand and Raj Kumar s/o Sh. Tirath  
Chand and Smt. Satya Rani w/o Shri Tirath Chand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot 910 sq. yds. at Gill No. 2 (Mohalla Kot Mangal Singh, Gali No. 7, Janta Nagar, Ldh).

(The property as mentioned in the sale deed No. 4547 of December, 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,

Acquisition Range, Ludhiana.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Date : 22-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bahadur Singh s/o Sh Jagir Singh,  
r/o V Dad, Tehsil Ludhiana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J ngil Oswal s/o  
Shri Vidya Sagar r/o  
Ghumar Mandi Ludhiana

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE- LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref No LDH/174/79 80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land measuring 2/2/19 Bighas situated at Village Dad, Teh Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2/2/19 bighas at Village Dad, Teh Ludhiana  
(The property as mentioned in the sale deed No 5676 of December, 79 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date 22-8-1980

Seal



## FORM ITNS—

(1) Shri Amar Singh s/o Shri Chanan  
r/o V. Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jangi Lal Oswal s/o  
Shri Vidya Sagar r/o  
Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/R/175/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1-17-3 bighas situated at Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-17-3 bighas at V. Dad, Tehsil Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 5705 of December, 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date - 22-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

[R.f. No. LDH/R/181/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2-2-18 bighas situated at V. Dad, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bahadur Singh s/o  
Shri Jagir Singh r/o  
V. Dad, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jangi Lal Oswal s/o  
Shri Vidya Sagar Oswal,  
r/o Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Land measuring 2-2-18 bighas at V. Dad, Teh. Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 5781 of December 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/R/211/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2-16-9 bighas situated at V. Dad, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in January, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh S/o Shri Chanan Singh,  
r/o Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal S/o  
Shri Vidya Sagar Oswal,  
Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2-16-9 bighas at V. Dad, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6349 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22nd August 1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) Shri Amar Singh S/o Shri Chanan Singh,  
r/o Village Dad, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal S/o  
Shri Vidya Sagar Oswal R/o  
Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/R/205/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2-16-9 bighas situated at Village Dad, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 2-16-9 bighas at V. Dad, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6471 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 22nd August 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. LDH/521/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 Share in shop No. B-7-581, situated at Kesar Ganj Road, near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—236 GI/80

(1) Sh. Ram Singh S/o Sh. Wadhawa Singh  
r/o Kailpur Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Kasturi Lal s/o Sh. Gopi Ram  
r/o B-10-226, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Sh. Tilak Raj s/o Puna Lal  
Sh. Jinender Kumar s/o Puna Lal  
Sh. Avtar Singh Jawanda r/o B-VII-581,  
Kesar Ganj, Ludhiana

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of shop No-B-7-581, measuring 38 1/2 sq. yds. situated Mandi Kesar Ganj Road, near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4426 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22nd August 1980

Sd/- :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 22nd August 1980

I ef. No. LDH/502/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 Share in Shop No. B-7-581, situated at Kesar Ganj Road, near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ram Singh s/o Sh. Wadhawa Singh  
r/o Kialpur Teh. Ludhiana

(Transferor)

(2) Kaur Sain s/o Gopi Ram  
r/o B-10-226, Iqbal Ganj, Ludhiana

(Transferee)

(3) 1. Sh. Tilak Raj S/o Puna Lal  
2. Sh. Jinender Kumar S/o Puna Lal  
3. Sh. Avtar Singh Jawanda  
r/o B-VII/581, Kesar Ganj, Road, Ludhiana

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 Share of Shop No. B-7-581, measuring 38 1/2 sq. yds. situated Mandi Kesar Ganj Road near Mandi Kesar Ganj, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4174 of 12/79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22nd August 1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd August 1980

Ref. No. CHD/379/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1514, sector 33-D,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Shanti Swarup s/o Sh. Haqiqat Rai,  
20 Rafi Ahmed Kidwai Marg, Dilkusha Lucknow.  
(Transferor)
- (2) Sh. Dharam Singh Mann s/o Sh. Partap Singh Mann  
& Smt. Amar Kaur w/o Sh. Dharam Singh Mann  
r/o Vill. Dowatwal Distt. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1514 situated in Sector 33-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered deed No. 2014 of 12/79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22nd August 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1980

Ref No. ASR/80-81/92—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Daya and Nagar situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Lal s/o Lala Harnam Dass  
1/o 24 Lawrance Road, Amritsar.

(Transfer)

(2) Shmt. Surjit Kaur w/o Sh. Amar Singh  
r/o H. No. 2301/13 Gali Hatam Tai Gate  
Hakiman Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other

(Person whom the undersigned  
knows to be interested in the  
Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 47/2, 101 (min situated in Gali No. 3  
Daya Nand Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed  
No. 2574 dated 12-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-8-1980

Seal :



**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/93—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land at Mall ASR, situated at ASR.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ASR, Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Banwari Lal s/o Muni Lal  
r/o Garden view, Mall Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Senh Lata Agnihotri w/o Vishnu Datt  
r/o 41 Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned Knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of Land No. 8 measuring 370 S.Q mtrs, situated on Mall Road, Amritsar as mentioned the sale deed No. 2506/1 dated 5-12-79 of the registering authority, Amritsar.

**M. L. MAHAJAN IRS**

**Competent Authority**

**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar**

Date : 8th August 1980

Scal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/94—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Mall Road, ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Ashwani Kumar s/o Muni Lal  
r/o Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Sneh Lata Agnihotri w/o Vishnu Datt,  
r/o 41, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. A overleaf and tenants(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land No. 9, measuring 370 sq. metres situated on Mall Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2507/1 dated 5-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8th August 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/95—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Mall Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar, on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Usha Devi w/o Banwari Lal  
r/o Mall Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shmt. Sheh Lata Agnihotri w/o Vishnu Dutt,  
r/o 41, Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person who in the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of Land No. 7 measuring 120 sq. mtrs. situated on Mall Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2508/1 dated 5-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11 August 1980

Ref. o. ASR/80-81/96—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot situated at Mall Road Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Banwari Lal & Ashwani Kumar S/o Muni Lal and Shmt. Abhlash r/o Mall Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shmt. Snehlata Agnihotri w/o Vishnu Datt, r/o 41, Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) Asatsr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 Plot of land Khasra No. 1310/2/2 185 sq. mtrs situated at Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1086/I dated 9-7-80 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/97—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—2236GI/80

- (1) Shri Mahesh Chand Kewal Kishore and Ashok Kumar ss/o Muni Lal  
r/o Mall Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shmt. Sneh Lata Agnihotri w/o Vishnu Datt,  
r/o 41, Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr.No 2 overleaf and tenants if any-  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land measuring 185 sq. mtrs. situated on Mall Road Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1111/I dat 11-7-80 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/98—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Galwahi T.T. Road ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at ASR Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Sardara Singh Bhinder Advocate,  
s/o Lashman Singh Court Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shmt. Amarjit Rajpal s/o Sh. Aytar Singh,  
r/o M-3, Green Avenue, Amritsar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 5 measuring 2380 sq. yds. of situated in village Balrali, Ten Taron Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 9327 dated 17-12-1979 of the registering Authority Amritsar.

M.L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 3-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

- (1) Shri S. Sardara Singh Bhinder s/o Lashman Singh  
Court Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri S. Anwarigbal Singh s/o S. Avtar Singh Cf 7-3  
Green Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) Asatsr. No. 2 overlet and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 8th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/99—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One Plot of land situated at Bilweli, T.T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 6 measuring 2386 sq. yds. situated in Village Galweli, Tran Taran Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 5105 dated 6-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 8-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/100—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property in Katra Ghania

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar, on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Bimla, Shmt. Sudershan Gupta, Shmt. Santosh Aggarwal, Shmt. Neena Aggarwal d/o Madan Lal & Shmt. Ram Puri wd/o Madan Lal & Sh. San Das s/o Madan Lal through Sudagar Mal Muhtar Ram Bazar Tuhli Sahib & Shmt. Kamlesh d/o Madan Lal r/o Ktr. Sher Singh, ASR.  
(Transferor)

- (2) M/s. Anritsar Seed Store, Katra, Ghania, Amritsar.  
(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overlaid and tenants (s) if any sh. Kohl  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop consisting of 2 1/2 storeyed No. 617 (area 70 sq mtrs.) situated in Katra Ghania, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2714/ 26-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-8-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/101—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. vacant plot situated at Kot Manna Singh Tern Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harnam Singh s/o Wadhawa Singh and Amrit Singh Mohiner Singh Surinder Singh, Rajinder Singh & Darshan Singh ss/o Harnam Singh r/o Dilbagh Nagar, Amritsar. Kot Manna Singh. (Transferor)
- (2) Shmt. Surinder Kaur w/o Jit Singh & S. Gurcharan Singh s/o Jit Singh and Shmt. Amarjit Kaur w/o Gurcharan Singh r/o Bazar Chowk Charasti Auleri, Gali Ardasia, Amritsar.
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, or the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals 4 marlas khasra No. 1426 situated at Sultanwind Urban o/s Chotiwind Gate, Amritsar as mentioned in sale deed No. 2680/dated 19-12-80.

M. L. MAHAJAN IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/102—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. One property situated at Gate Maha Singh Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar, on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwant Singh Bindra S/o Sh. Hari Singh  
r/o Maha Singh Gate, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Kailash Wati w/o Sh. Sham Lal, Sh. Nirmal  
w/o Krishan Kumar, Santosh Sen w/o Sh. Virind  
Kumar r/o 67 Daya Nand Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 1890/2 in Mahan Singh Gate, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2689/1 dated 24-12-79, of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar  
3, Chander Prem Tailor Road, Amritsar

Date : 11-8-80  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/103—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one Property situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rajinder Kumar, Ramesh Kumar s/o Brij Lal, Sh. Joginder Kumar s/o Brij Lal, Shmt. Kailashwati w/o Brij Lal r/o 14, Race Course Road, Indore (MP) (Transferor)
- (2) Smt. Uma Mehra d/o Sh. Madan Mohan w/o Sh. Tilak Raj Mehra, r/o House No. 57/1 Court Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One residential house No. 57/1, situated at Court Road, ASR. as mentioned in the sale deed No. 2555 of 1-12-79 of registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Amritsar

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
Acquisition Range, Amritsar

Amritsar the 11th. August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/104—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Ram Bagh, ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Amrik Singh s/o Sh. Tabbh Singh  
r/o Ram Bagh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Jaswinder Kaur w/o Sh. Palwinder Singh  
r/o Bazar Lakkar Mandi, Kucha Kerman.  
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop No. 1076/1 (area 58 sq. mtrs) situated in Bazar Ram Bagh, Amritsar, as mentioned in the sale deed No 250/1 dated 4-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 11th August, 1980

Ref. No. ASR/80 81/102—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/7 Godown situated at Ktr. Mahna Singh Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mehar Singh Jaswant Singh  
r/o Kanak Mandi, Amritsar,  
through Jaswant Singh s/o Mehar Singh &  
Charan Singh, Chan Singh s/o S. Sohan Singh  
partners.  
(Transferor)
- (2) Maninder Singh s/o Sohan Singh  
r/o Gali Masit Wali Chowk Mana Singh  
House No. 1957/14 Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the  
property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned  
knows to be interested in the  
property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in a godown, area 85 sq. mtrs. situated in Kot Mahna Singh area Sultanwind Urban Plot No. 56 Kh. No. 21) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2500/I dated 4-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/106— Whereas I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in godown situated at Kot Mahna Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mehar Singh Jaswant Singh  
r/o Kanak Mandi, Amritsar through  
Jaswant Singh s/o Mhear Singh Chan Singh,  
Chatar Singh s/o Sohan Singh  
r/o Kanak Mandi, Amritsar. (Transferors)
- (2) Shri S. Mohinder Pal Singh s/o Sohan Singh, Gali Masit  
Wall House No. 1957 Chowk Mhna Singh,  
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any  
(Persons in occupation of the property)
- (4) Any other (persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in a godown on Plot No. 56 Khasra No. 51 situated at Kot Mhna Singh, Sultan wind Road, Urban (area 85 sq mtrs.) as mentioned in sale deed No. 2567/I dated 12-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-8-80  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/107—Whereas I, M.L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Ktr. Dal Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Harnam Kaur wd/o S. Gopal Singh  
r/o Katra Dal Singh H. No. 1615/9 MCA 1670/1668/6  
Amritsar .  
(Transferor)
- (2) Sh. Gulzar Singh & Kulwant Singh ss/o Dilbagh Singh  
H. No. 1615/9 MCAL 1670-1668/6  
r/o Bazar Jattan walachowk Chabutra wala, Amritsar  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenants Sh. Gurnam Singh  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersignee knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property consists of 2 storeyed structure situated in Chowk Chhati Khubi, Katra Dal Singh, as mentioned in the sale deed No. 2683/dated 22-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/108—Whereas I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building old situated at Lakksm Maidi, i/s Sultanwind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Rajinder Lal s/o Sh. Bihari Lal Meheshwari Ktr. Sher Singh, Subhash Nagar, Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar s/o Sh. Kahan Chand & Hans Raj s/o Sh. Parshotam Dass, c/o Bhagat Kosh Dass Katra Aluwalia, Amritsar. (Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above, and tenant(s) if any Person in occupation of the property)

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building No. 1659-60 situated inside Sultanwind Gate, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2513 of 5-12-79 of the Registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Amritsar

Date : 16-8-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/109—Whereas I, M. L. MAHAJAN being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one plot situated at Basant Avenue, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chairman, Improvement Trust, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Dr. Rajinder Singh Sethi S/o  
Sh. Ram Singh r/o C-4, Circular Road,  
Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at sr. No. above and tenants if any  
(Persons whom the undersigned  
knows to be interested in the  
Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot No. 125 measuring 485 sq. yds. situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2679/F dated 21-12-79 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 14th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/110—Whereas I, M.L. MAHAJAN IRS being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one shop situated at Cooper Road, ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Subhash Vohra s/o Dhanpat Rai c/o M/s. Dhanpat Rai & Sons, Mall bazar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shmt. Chanchal Kumari w/o Sh. Jangi Ram, Fruit Seller, near Bhandari Bridge, Cooper Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop bearing no. 195/13-2 situated on Cooper Road, Amritsar (Bhandari Bridge) as mentioned in the sale deed No. 2723 dt 26-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th August, 1980

Ref No ASR/80-81/111.—Whereas, I M L MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No One shop at Cooper Road, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Dhanpat Rai s/o Mayia Dass,  
c/o M/s Dhanpat Rai & Sons,  
Hall Bazar, Amritsar  
(Transferor)
- (2) Shmt Chanchal Kumari w/o Jangi Ram, Fruit Seller,  
near Bhandari Bridge, Cooper Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 above and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop bearing No 195/13/2 situated on Cooper road, Bhandari Bridge, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2775 dt 28-12-79 of the registering authority Amritsar.

M L MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/112.—Whereas, I M. L. MAHAJAN  
IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop at Cooper Road, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kuljit Kumar s/o Dhanpat Rai,  
c/o M/s. Dhanpat Rai & Sons,  
Hall Bazar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shrimati Chanchal Kumari w/o Shri Jangi Ram,  
Fruit Seller, Bhandari Bridge, Cooper Road,  
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S.I.No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Persons whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop bearing No. 195/11-2 situated on Cooper Road, Amritsar Bhandari Bridge, as mentioned in the sale deed No. 2936 dt. 15-1-80 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 14-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Parbodh Chander s/o Sat Dev  
s/o Khushal Chand  
r/o Gurdaspur now 18 Janpath, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Saroj Kumari d/o Ramjidadass s/o Jagan Nath,  
r/o Mandi, Gurdaspur.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other,  
(Person whom the undersigned knows to  
be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Amritsar, the 20th August 1980

Ref. No. ASR/80-81.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Kothi at Ram Nagar, Gurdaspur situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Gurdaspur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—236GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi (area 3K 1 M × 3S) situated at Ram Nagar Village, Teh. Gurdaspur, as mentioned in the sale deed No. 705 dated 6-5-80 of the registering Authority, Gurdaspur.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-8-80

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/114.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Kothi at Ram Nagar, Gurdaspur situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December, 1969

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parbodh Chander s/o Sat Dev  
s/o Khushal Chand, r/o Gurdaspur  
now 18, Jan Path, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ramji Dass s/o Jagan Nath  
s/o Diwan Chand, r/o Mandi,  
Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi (measuring 3 K 1 M 3 S) situated in Ram Nagar Village, Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 203 dated 26-12-1979 of the registering authority, Gurdaspur.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 20-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/115—Whereas, I, M. L. MAHAJAN  
IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Kothi at Ram Nagar, Teh. Gurdaspur situated at Gurdaspur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parkash Ghander s/o Sat Dev  
r/o Gurdaspur now  
18 Janpath, New Delhi. (Transferor)
- (3) Shrimati Satya Devi w/o Ramjidad,  
r/o Mandi, Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows or  
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 Share of One Kothi (area 3 kanals 1 marla 3 sarsahian) situated in Vill. Ram Nagar, Teh. Turdaspur as mentioned in the sale deed No. 299 dated 28-12-1979 of the registering authority, Gurdaspur.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81.—Whereas, I M. L. MAHAJAN  
IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share of factory shed on Plot No. 7 situated at Chamrang Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tilak Raj s/o Shri Dhani Ram r/o Dhab Khatlian Ktr. Bhai Sant Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh s/o Isher Singh & Shri Jagmohan Singh s/o Mohinder Singh r/o Ramsar Road, colony Baba Deep Singh, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 Share in factory shed on plot No. 7 situated on Chamrang Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2577 dated 12-12-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-8-1980  
Seal



FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81.—Whereas, I M. L. MAHAJAN IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Kot Bhagat Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on dated 17-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Surjit Kaur d/o Shri Gurbachan Singh  
r/o Kot Bhagat Singh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shrimati Balwant Kaur w/o Arganjan Singh  
House No. 4260 Kot Bhagat Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No. 4260 (area 56.4 sq. mtrs.) situated in Kot Bhagat Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2638/I dated 17-12-79 of the Registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-8-1980  
Seal :

**FORM 118****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

Acquisition Range, Amritsar

Amritsar, the 20th August, 1980

Ref. No. ASR/80-81/118.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 Share in shed at Chamrang Road, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tilak Raj s/o Dhani Ram  
Katra Bhai Sant Singh,  
Berl Gate, Amritsar.
- (2) Shri Khajinder Singh s/o S. Mohinder Singh & Smt. Surjit Kaur w/o Shri Mohinder Singh,  
r/o Colony Baba Deep Singh,  
Sultanwind Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share in factory shed plot No. 7 khasra No. 289 situated on Chamrang Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 388 dated 5-5-80 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS. ]  
Competent Authority ]  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.]

Date : 20-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. T. R. No. Acquisition/913/Etah/79-80.—Whereas, I B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Ham Lata Pathak  
w/o Jagdish Kishore Pathak,  
Advocate, r/o Umrai Nagar, Etah Parg.  
Etah Sakit, Teh. & Distt. Etah.

(Transferor)

- (2) Shrimati Ram Kumari Gupta  
w/o Shri Dinesh Prakash  
r/o Milawan, Parg. Sanhar, Teh. & Distt. Etah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House (Pucca) property of Single Storey bearing No. 700-F, Block No. 4 and Ward No. 1 measuring 272.80 Sq. Mts. situated at Umrai Nagar, Etah.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. TR 921/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sita Ram Saini  
s/o Shri Pooran Chandra  
r/o Nagla Putti, Agra.

(Transferor)

- (2) Shrimati Bhoori Devi  
S/o Shri Surendra Pal Singh,  
r/o Nagla Putti, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 37/531/1, situated at Mauja Nagla Putti, Parg. & District Agra.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 5th August 1980

Ref. No. TR 911/Acq./Mathura/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 18-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

24—236G/80

(1) Shri Mahesh Chandra Agarwal,  
S/o Shri Dau Dayalji Agarwal,  
Smt. Shakuntala  
w/o Shri Ramesh Chandra Agarwal  
r/o Manik Chowk Mathura.  
Malik and Bhagidar (Partner) of Registered Firm  
"Dayal Bhairava Corporation, Chhatta Bazar,  
Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Kumar, Ramesh Chandra, Moti Chandra  
and Dinesh and Vimal Kumar s/o Shri Girtaj Prasad  
r/o Manohar Lal Gani,  
Mandi Ram Dass, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot measuring 817.70 SQ. Mts., situated at Rani Ki Mandi, Mathura which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 5th August, 1980

Ref. No. TR 875/Acq./Aligarh/79-80.—Whereas J. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at Iglas on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mool Chand s/o Harcharan Lal, Raghunandan Pd., Jodish Pd., Niranjan Lal, Ram Gopal, Balkrishna, Ramavtar and Hari Babu all sons of Mool Chand r/o Dhukali, Majara; Gandhi Gram, Parg. Harsangarh, Teh. Iglas, District Aligarh.

(Transferor)

- (2) Shri Diwan Singh, Ran Singh and Jagbir s/o Shri Ram Singh and Shrimati Ramshri Devi w/o Ram Singh, r/o Palahawat, Teh. Sadabad, Post. Anasirpur, Distt. Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 779 measuring 35(11)3, situated at Mauja Mankraul, Parg. Harsangarh, Teh. Iglas, District Aligarh.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-8-1988  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ratan Prakash Mathur,  
S/o Shri Parma Nand,  
r/o 167, Tagore Town, Allahabad.

(2) Shri Anil Kumar  
s/o Shri Rajnarain,  
r/o Shahganj, Agra.

(Transfree)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th August, 1980

Ref. No. TR No. 870/Acq./Agra/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Agra on 26-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot bearing No. 6-C, measuring 533.3 Sq. Yds., situated at Madhiyambarg Co-Operative Housing Society Ltd., Agra.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. No. 822/Acq./Mathura/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 17-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Ganga Sahai, Om Prakash and Ashok Kumar  
s/o Sr Ched Lal  
r/o Shahganj, Darwaja, Mathura  
Present Address of Punch Sheel Enclave, 118/119,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Premwat w/o Shr Ram Babu  
r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE

A double and triple storeyed House Property bearing Water Rate No. 1345/5, situated at Shahganj, Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980

Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. No. TR No. 820/Acq./Mathura/79-80.—Whereas, 1,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 17th December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Gaga Sahai, Om Prakash and Ashok Kumar,  
s/o Chedi Lal  
r/o Shahganj Darwaja, Mathura  
Present Address of Punch Sheel Enclave,  
118/119, New Delh .

(Transferor)

(2) Shri Girdhari Lal s/o Shri Ram Babu,  
r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property (double and Triple story) bearing Water Rate No. 1345/5, situated at Shahganj Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Kanpur.

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. TR No. 821/Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C.  
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mathura on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ganga Sahai, Om Prakash and Ashok Kumar,  
s/o Shri Chhedi Lal  
r/o Shahganj Darwaja, Mathura  
Present Address of Punchsheel Enclave,  
118/119, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Kalyan Dass Agarwal s/o Shri Ram Babu,  
r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double and Triple Storeyed House Property bearing Water Rate No. 1345/5, situated at Shahganj Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 1st August, 1980

Ref. No. 819/Acq./Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mathura on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ganga Sabai, Om Prakash and Ashok Kumar s/o Shri Chhedi Lal, r/o Shahganj Darwaja, Mathura and Present Address of Punch Sheel Enclave, 118/119, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Bishan Chandra Agarwal s/o Shri Ram Babu, r/o Gau Ghat, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property in double and triple Storeyed bearing Water Rate No. 1345/5, measuring 302.50 sq. Mtrs., situated at Shahganj Darwaja, Mathura.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 4th August, 1980

Ref. No. 2092-A/Shaharanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kumar  
s/o Shri Mam Chandra  
r/o Vill. : Kota, Post: Khas, Parg. : Harada,  
Teh. & District Saharanpur.  
(Transferor)

(2) Shri Telu Gir  
S/o Shri Baljit Gir  
r/o Vill. : Madki, Post : Kota, Parg. : Harada,  
Teh & Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land Bearing Khasara No. 163, measuring 9 Bigha, 2 Biswa and 18 Biswansi situated at Vill. Madki, Parg. Harada, Teh. & Distt. Saharanpur which was sold for Rs. 22,800/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-8-1980  
Sent :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1530-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—236 G117

(1) Shri Ranji Dass s/o Shri Mohanlal Arora  
r/o Moh. Bhatwara Hall,  
Delhi Road, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Gandhi s/o Shri Sant Lal Gandhi  
r/o Punjabi Pura, Shahar,  
Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property in single storey without Number measuring 119 Sq. Yds., situated at Mohalla Punjabipura, Delhi Road, Meerut City.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

aDte : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1564-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI :

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Vimla Devi  
w/o Khushdil  
r/o 310, Subhash Nagar,  
Meerut.

(Transferor)

(2) Messrs. Krishna Tubes, Delhi Road,  
Meerut through Shrimati Rekha Agarwal  
w/o Brajraj Krishna  
r/o 158, Shish Mahal Road,  
Meerut (Partner).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 1950 [and 1951 measuring 592 Sq. Yds. situated at Delhi Road, Meerut which was sold for Rs. 41,440/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1431-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijai Prakash,  
s/o Late Shri Roop Narain  
r/o A-16, Green Park,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ran Dhir Chowdhary  
s/o Shri Jagannath  
r/o House No. 127, Model Town,  
Ghaziabad, Teh. & District Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 194 alongwith Plot bearing No. 87, measuring 200 Sq. Yds., situated at Ghaziabad which was sold for Rs. 1,25,000 -.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1413-A/Meerut 79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule sitated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar  
s/o Pt. Kailash Chandra Sharma,  
r/o Moh. Patthar Walan,  
Meerut City.

(Transferor)

- (2) Shri Satendra Puri and Ravindra Singh Puri  
s/o Shri Gurmej Singh,  
r/o Moh. Rauna-mura Railway Road,  
Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open Plot measuring 512 yds, it means 87 × 53 fts, situated at Jagannathpuri, Meerut, which was sold for Rs. 35,840/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1492-A/Bulandshahar 79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 21-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishan Chand Seth s/o Mukhtar Khas  
Smt. Premwati Seth,  
r/o present place Idgah Colony,  
Agra.

(Transferor)

(2) Shri Gulbir Singh  
s/o Sri Harchen Singh,  
Smt. Sumanlata  
w/o Shri Sukhbir Singh  
r/o Vill: Mandoli, Parg: Agauta,  
District: Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Kothi (Building) situated at Moh. Shivpuri, Bulandshahar which was sold for Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1485-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 3-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jai Prakash Gaur,  
s/o Shri Baljit Singh Sharma,  
r/o Mohalla: Munshi Para,  
Bulandshahar.

(Transferor)

- (2) Shri Bhalak Ram s/o Shri Govind Ram,  
Yogendra Singh, Gurcharan Singh and  
Devendra Singh s/o Bhalak Ram,  
r/o Moh: Munshi Para, Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two House Properties named "Ram Guest House and Chabutra" situated at Mohalla: Munshi Para, Bulandshahar which was sold for Rs. 1,80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-8-1980]  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 942/Acq./Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Dharmawati Devi  
w/o Shri Dev Narain Singh,  
r/o 110/2, Babu Purwa,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Charain Singh,  
Shrimati Akhilesh and  
Km. Kamlesh  
r/o 110/2, Babj Purwa,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 128/983 (Y) Block, Kidwai Nagar, Kanpur, measuring 450 Sq. Yds.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, 6th August 1980

Ref. No. 1579-A/Kanpur/79-80 —Whereas I,

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. P. Singh Vali s/o Sardr Tara Singh Vall  
r/o Hall 19-B, Railway Colony Sardar Patel Road,  
New Delhi-21 through Shri B. D. Gulati  
s/o Late Shri Shyamdas Gulati,  
Kidwai Nagar, 24, Block-"N",  
Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Harbans Kaur  
w/o Shri B. D. Singh Gulati  
r/o 133/27/17, N-Block,  
Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 133/27/17, Block-N, situated at Kidwai Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 33,500/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th August 1980

Ref. No. 1567-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 18-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—326 GI/8

(1) Shri Jai Shanker  
s/o Shri Durga Shanker  
r/o 135/4, Kidwai Nagar,  
Kanpur through Bagmal  
s/o Bahadur Chandra  
r/o 383 Block-13, Govind Nagar,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Vijai Shanker Awasthi  
s/o Shri Ram Singh Awasthi,  
r/o 133/75, O-Block,  
Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 133/278, M-Block situated at Kidwai Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-8-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KANPUR  
Kanpur, the 4th August 1980

Ref. No. 1565-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manna Lal Gupta,  
H. No. 51/7-M, Ram Ganj,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chandra Jaiswal and  
Mahesh Chandra Jaiswal,  
7/91-D, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 51/6 new No. 51/15, measuring 141.9 Sq. Yds., situated at Ramganj, Kanpur which was sold for Rs. 34,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 4th August 1980

Ref. No. 814/Acq./Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 5 December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manna Lal Gupta  
r/o 51/7, 'M' Ram Ganj,  
Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Chandra Jaiswal and  
Mahesh Chandra Jaiswal  
r/o 7/90-D, Tilak Nagar, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 51/6-C, New No. 51/15, measuring 149.9 Sq. Yrds. situated at Ram Ganj, Kanpur which was sold for Rs. 34,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Kanpur, the 12th August 1980

Ref. No. 936/Acq./Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 11-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pyari Bai Nigam  
w/o Shri Ayodhya Saran,  
r/o 124/28, Block-D, Govind Nagar, Kanpur  
(Transferor)

(2) Shrimati Vimla Devi  
w/o Shri Atma Ram Dixit and  
d/o Shri Sada Shiv Bajpayee  
r/o 104/A/220, Ram Bagh, Kanpur and  
Shri Shiv Narain Bajpayee  
s/o Sadashiv r/o Panki Mausingh,  
Parg. & Distt. Kanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 117/56, Block-L, measuring 406 Sq. Yds., situated at Kaka Dev, Kanpur which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 12-8-1980  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR  
Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 918/Acq./Kasganj/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasganj on 15-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwan Singh,  
Mallkhan Singh and  
Rajendra Singh  
s/o Shri Jyoti Prasad,  
Tara Devi Widow of Shri Jyoti Prasad and  
Smt. Ambo Devi w/o Shri Chandra Pal Singh,  
r/o Moh. Mohan Kasganj,  
Teh. Kasganj, District Etah.

(Transferor)

- (2) Shri Malhan Singh,  
Rajbir Singh and  
Rakshpal Singh  
s/o Umrai Singh,  
r/o Piri, Parg. Sahawar,  
Teh. Kasganj, District Etah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Triple Storeyed House Property on land measuring 400 Sq. Fts. or 45 Sq. Yds. situated at Moh. Mohan Dasganj, District Etah which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, dated the 11th August, 1980

Ref. No. T. R.:868 Acq. Agra 79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balkesh Narain Mathur,  
s/o Shri Prem Narain Mathur,  
r/o 33/22, Adarsh Nagar Colony, Agra  
through Shri Ghanshyam Narain Mathur,  
Mukhtar-Aam Balkesh Narain Mathur.

(Transferor)

- (2) Shri Satya Prakash Garg s/o Late Shri Banarsi Dass  
r/o 19, Ajmer Road, Lata Kunj,  
Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Property No. 33/22, measuring 654.39 Sq. Mtrs., situated at Adarsh Nagar, Rakabganj, Agra.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-8-1980,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati V. Sridevi Ammal,  
No. 1, Barnaby Road, Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Govindarajulu,  
No. 753, Waltax Road,  
Madras-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
MADRAS

Madras-600006, the 21st June, 1980

Ref. No. 28 Dec. 79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 75, situated at Waltax Road, Madras-600003, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 681/79) on December, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 681/79 S.R.O. Sowcarpet, Madras.  
Land & Building at New No. 75 (Old No. 220/221), Waltax Road, Madras-3.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21-6-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 3rd July, 1980

Ref. No. 48/Dec./79.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 652/A3; 651/1A, 651/1B & 651/2, situated at Meelavittan Village, Palayamcottai Road, Tuticorin.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.O. II Tuticorin (Doc. No. 3077/79) on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shrimati S. Amirthammal  
(2) Shri S. Sankaralinga Nadar,  
(3) Shri S. Ayyemperumal,  
(4) Shri S. Dhanabalan,  
(5) Shri S. Vanniaperumal  
No. 19, Vallikutti Nadar Street, Virudhunagar.  
(Transferor)
- (2) Shri D. Nagendran,  
S/o Shri L. A. M. P. Dharmaraj Nadar,  
134, Palayamcottai Road, Tuticorin.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 3077/79 JSRO-II, Tuticorin.

Agricultural lands—50 Cents in S. No. 652/A3; 651/1A, 651/1B and 651/2, Meelavittan Village, Palayamcottai Road Tuticorin.

O. ANANDRAAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 3-7-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madrass-600006, dated the 3rd July, 1980

Ref. No. 1/Jan./80. Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 652/A3; 651/1A, 651/1B and 651/2, situated at Meelavittan Village, Palayamcottai Road, Tuticorin. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.O. II Tuticorin (Doc. No. 123/80) on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
27—236GJ/80

- (1) (1) Shrimati S. Amirthammal,  
(2) Shri S. Sankaralinga Nadar,  
(3) Shri S. Ayyamperumal,  
(4) Shri S. Dhanabalan,  
(5) Shri S. Vanniaaperumal

(Transferor)

- (2) Shri S. Nagendran,  
S/o Shri L.A.M.P. Dharmaraj Nadar,  
134, Palayamcottai Road, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 123/79 J.S.R.O. II, Tuticorin.

Agricultural lands—50 Cents in Survey No. 652/A3; 651/1A, 651/1B & 651/2 in Palayamcottai Road, Meelavittan Village, Tuticorin.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 3-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 10th July, 1980

Ref. No. 62/Dec./79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

63, situated at 1st Cross, Brindavan, Alagapuram Village, Salem Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.O. 1 Salem (Doc No. 5914/79) in December, 1979 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Shri M. Vittal Rao,  
2. Shri M. Suresh Rao,  
No. 46-A, Kalaimagal School Street,  
Swarnapuri, Salem.

(Transferor)

(2) Shri T. K. Padmanabhan,  
S/o Shri T. M. Krishna Rao,  
C-42, Kalaimagal Street,  
Swarnapuri, Salem-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 5914/79 J.S.R.O. 1, Salem.

Land & Buildings in Door No. 63, 1st Cross, Brindavan, Alagapuram, Salem Taluk.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 10-7-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 10th July, 1980

Ref. No. 65/Dec/79.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 168, situated at Lakshmi Talkies, Gandhi Road, Arani, N.A. District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R.O. Arani (Doc. No. 3947/79) in December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri R. Krishnasamy Mudaliar,  
S/o Shri K. P. Ramasamy Mudaliar,  
Rao Sahib Srinivasa Mudali Street,  
Arani, N.A. District.

(Transferor)

- (2) Srimati G. Thilagavathi Ammal,  
W/o Shri P. Ganapathy Mudaliar,  
Polur, N.A. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 3947/79 S.R.O. Arani.  
Land & Buildings at Door No. 168, Lakshmi Talkies, Gandhi Road, Arani, N.A. District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri K.C.A.D. Arunachalam Nadar,  
4, Seeni Moopanar Street,  
Sivakasi.

(Transferor)

(2) The National Fireworks Factory,  
Police Station Road,  
Sivakasi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 18th July, 1980

Ref. No. 22/Dec./79.—Whereas, I O. ANANDARAM  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 671/2, situated at Karappanan 10th Street, Sivakasi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer  
at S.R.O. Sivakasi (Doc. No. 4181/79) in December, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 4181/79 S.R.O. Sivakasi.  
Land & Building at S. No. 671/2, Karappanan 10th Street,  
Sivakasi.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 14th August, 1980

Ref. No. 31/Dec./79.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 287-A, 287-B, 287-C, situated at Dr. Muthulakshmi Street, Jothinagar, Athur, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Athur (Doc. No. 1994/79) on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

- (1) Shri M. Kittu,  
S/o Shri Muthu Naicker,  
Thayumanavar Street, Athur.

(Transferor)

- (2) Shri S. Sahadevan,  
S/o Shri Sevan Padaiyachi,  
Kamarajar Road, Athur, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1994/79, S.R.O. Athur.

Land & Buildings at Door No. 287-A, 287B, 287C, Dr. Muthulakshmi Street, Jothinagar, Athur, Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 14-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass 600006, the 14th August 1980

Ref. No. 32/Dec./79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 287-I, 287-J situated at Dr. Muthulakshmi Street, Jothinagar, Athur, Salem Dist. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Athur (Doc. No. 1995/79) on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Kirtu,  
S/o Shri Muthu Naicker,  
Thayumanavar Street, Athur.

(Transferor)

(2) Shri S. Manoharan,  
S/o Shri S. Sahadevan,  
Kamarajar Road, Athur,  
Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1995/79 S.R.O. Athur.

Land &amp; Buildings at Door No. 287-I, 287-J, Dr. Muthulakshmi Street, Athur, Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 14-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri M. Kittu,  
S/o Shri Muthu Naicker,  
Thayumanavar Street, Athur, Salem District.  
(Transferor)
- (2) Shrimati K. Dhanalakshmi,  
W/o Shri S. Sahadevan,  
Kumarajar Road, Jothinagar,  
Athur, Salem District.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 14th August, 1980

Ref. No. 33/Dec./79. Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. 287-G, and 287-H, situated at Dr. Muthulakshmi Road, Jothinagar, Athur, Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Athur (Doc. No. 1996/79) on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1996/79 S.R.O. Athur.

Land & Buildings at Door No. 287-G & 287-H, Dr. Muthulakshmi Road, Jothinagar, Athur, Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 14-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th August 1980

Ref. No. 63/Feb/80.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1393, N.M.C. 27/14-31, 27/14-31A, situated at Eagle Gate Compound, Court Road, Nagercoil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.O. I Nagercoil (Doc. No. 686/80) on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Balammal Selvanayagam  
W/o Shri John Appavoo Selvanayagam  
No. 111 Court Road Nagercoil. (Transferor)
- (2) Shri Pradheep Vijayan Benjamin  
S/ Shri C. Sam Benjamin  
C/o Shri Muthiah Advocate  
'Mullajbavan'  
Nesamony Nagar, Nagercoil. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 686/80 JSROI Nagercoil.  
Land & Buildings in S. No. 1393 N. M. C. 27/14-31, 27/14-31-A Eagle Gate Compound Court Road, Nagercoil.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Madras.

Date : 19-8-1980  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 19th August 1980

Ref. No. 47/Dec./79.—Whereas I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56B situated at SIPCOT Industrial Complex, Ranipet, N.A. District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I, Madras North, (Doc. No. 5120/79) on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—236GI/80

- (1) 1. M/s. Lord Krishna Oil & Extractions,  
2. Shri V. S. Govindaraja Mudaliar,  
3. G. Thayarammal,  
4. G. Balakrishnan  
No. 44, Sithi Vinayakar Koil Street, Arcot,  
N.A. District.

(Transferor)

- (2) M/s. Associated Solvent Extractions Private Ltd.,  
No. 35-A/1, Goods Shed Road,  
Ranipet, North Arcot District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 5120/79 J.S.R.O. I, Madras North.

Land & Building with leasehold rights in Plot, No. 56-B SIPCOT Industrial Complex, Ranipet, North Arcot.

O. ANANDARAM  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras

Date :19-8-1980  
Seal

## FORM ITNS—

- (1) Shri Anand Parkash S/o Late L. Sita Ram  
(1) R/o 53/2, Punjabi Bagh Delhi  
(Transferor)
- (2) Smt. Uma Verma W/o Hari Parkash  
53/2 Punjabi Bagh Delhi  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
New Delhi-110002

New Delhi, the 28th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6053—Whereas I, Miss R. K. Chahal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. H. No. 5638 on plot No. 40 (1/3 Share) situated at Basti Harphool Singh Sadar Bazar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third undivided share out of house built on Plot No. 40 bearing Municipal No. 5638 (Eastern one half portion) measuring 111.4 sq. yds. situated at Basti Harphool Singh Sadar Bazar Delhi bounded as under:—

North : 40' wide road  
South : 15' wide road  
East : Plot No. 16  
West : Western half portion of plot No. 40

Miss R. K. CHAHAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delh/New Delhi

Date : 20-8-80  
Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## COMBINED EXAMINATION (1981) FOR RECRUITMENT TO MEDICAL POSTS UNDER THE CENTRAL GOVERNMENT AND IN THE MUNICIPAL CORPORATION OF DELHI

## NOTICE

New Delhi, the 13th September 1980

No. F.14/3/80-EI(B).—A combined examination will be held by the Union Public Service Commission on 22nd February, 1981 for recruitment to Junior Scale Posts in the Railways, Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service, Central Health Service and in the Municipal Corporation of Delhi.

2. The approximate number of vacancies in the various posts required to be filled on the results of the examination is given below :—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—approx. 75 vacancies.\*
- (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—approx. 18 vacancies.\*
- (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service—approx. 300 vacancies (including 45 vacancies reserved for Scheduled Castes and 22 reserved for Scheduled Tribes candidates).
- (iv) General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 120 vacancies (includes 18 vacancies reserved for Scheduled Castes and 9 reserved for Scheduled Tribes candidates).

The number of vacancies is liable to alteration.

\*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

N.B.—Candidates should specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference. No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of posts for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

3. Centres of Examination.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

Candidates should note that no request for change of centre of examination received in the Commission's Office on or after 12th January, 1981, will ordinarily be entertained.

## 4. Conditions of Eligibility.

## (a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

- (b) Age Limit.—Age below 30 years as on 1st January, 1981.

The age limit is, however, relaxable upto 50 years as on 1.1.1981 for the examination to be held in 1981.

NOTE.—THE RELAXATION UPTO 50 YEARS IN THE UPPER AGE LIMIT WILL NOT BE ADMISSIBLE FOR THE EXAMINATIONS TO BE HELD AFTER 1980 UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

The upper age limit is further relaxable as follows :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe; and
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

(c) *Educational Qualification*

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

NOTE 1.—A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination as soon as possible and in any case not later than 30.4.1981.

NOTE 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5. *Fee to be paid with the application.*—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

N.B.—Fee once paid will not be refunded nor held in reserve for any other examination or selection except in the case of a candidate, who took the "Combined Examination (1980) for recruitment to Medical Posts under the Central Government and in the Municipal Corporation of Delhi" and who wishes to apply for admission to 1981 examination. If he is recommended for appointment on the results of the 1980 examination, his candidature for the 1981 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office by 31st January, 1981.

6. *How to Apply.*—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Examination (1981) for recruitment to Medical Posts under the Central Government and in the Municipal Corporation of Delhi, appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoolpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dhoolpur House, New Delhi-110011, by

remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.

- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.

All candidates whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

7. **LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE BY POST OR BY PERSONAL DELIVERY AT THE COUNTER.**

- (i) From candidates in India 3rd November, 1980.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J & K State—17 November, 1980.

8. **DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.**

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation//Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes, the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Head Master/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.



Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.

The candidate must submit an attested/certified copy of the Certificate issued by the Authority (i.e. University or other examining body) to show that he has passed the M.B.B.S. Examination. A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 30th April, 1981.

*Certificate showing proof of passing qualifying Examination.*

\*1. Certified that Shri/Smt./Km.\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ who has been a student in this college has passed the \_\_\_\_\_ examination and has become eligible for the award of degree.

\*2. Certified that Shri/Smt./Km.\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ is expected to appear/has appeared\* at \_\_\_\_\_ examination conducted by \_\_\_\_\_ in the month of \_\_\_\_\_ 19 and that the result of the above examination is likely to be announced by \_\_\_\_\_ 19.

Signature \_\_\_\_\_

Designation \_\_\_\_\_

Name of Institution \_\_\_\_\_

Where situated \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

\*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

(v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(vi) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix I from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside in support of claim to belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming age concession.—(i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla

Desh) claiming age concession under para 4(b)(ii) or 4(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under para 4(b)(iv) or 4(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under para 4(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma, claiming age concession under para 4(b)(vii) or 4(b)(viii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under para 4(b)(ix) or 4(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/ in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature \_\_\_\_\_

Designation \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under para 4(b)(xi) or 4(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security

Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature .....

Designation.....

Date.....

(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under para 4(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the Distt. Magistrate of the area in which he may for the time being be a resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

*N.B.*—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 8 above without a reasonable explanation for its absence having been given, his candidature is liable to be cancelled and no appeal against its cancellation will be entertained.

9. *Acknowledgement of Application.*—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. *Result of Application.*—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. *Admission to the Examination.*—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. *Action against Candidates found guilty of misconduct.*—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

(xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

13. *Original Certificates Submission of.*—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN PARA 8 ABOVE ATTESTED BY GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1981. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF THE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

14. *Scheme of Examination.*—The examination will comprise :—

(A) *Written Examination.*—The candidates will take the examination in one paper of three hours duration containing objective type questions covering the following four subjects and carrying a maximum of 200 marks. The questions in the paper will be so designed as to give the following weightage to the four subjects—

- |  |     |
|--|-----|
| (i) General Medicine including Paediatrics   | 40% |
| (ii) Surgery including F.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics                | 20% |
| (iii) Preventive Medicine and Community Health including Child Welfare and Family Planning | 20% |
| (iv) Obstetrics and Gynaecology  | 20% |

(B) *Personality Test* of candidates who qualify in the written examination. ....200 marks

*NOTE*—Details regarding the nature of the examination sample questions and specimen answer sheet are given in the "Candidates' Information Manual" at Appendix III

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates' intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

6. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 50% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts at the time of their application.

19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

21. No person :

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

22. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- NAME OF EXAMINATION.
- MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.(i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.(ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER. IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

23. *CHANGE IN ADDRESS.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 22 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

24. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

VINAY JHA,  
Deputy Secretary

#### APPENDIX I

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ..... and/or his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* ..... of District/Division\* ..... of the State/Union Territory\* of .....

Signature .....

\*\*Designation .....

(with seal of office)

Place ..... State/Union Territory\*

Date .....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

## APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below.

### I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.—

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1250—EB—50—1600 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

1—5 Stages—Rs. 150/- P.M.

6—10 Stages—Rs. 200/- P.M.

11—15 Stages—Rs. 250/- P.M.

16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(j) *Reckoning Service*—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423—A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.

(k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.

(l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.

(m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.

- (i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted non-practising allowance of Rs. 300/- per month from 1st to 9 stages and Rs. 350/- per month from 10th stage onwards.
- (ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500—2000/- plus non-practising allowance of Rs. 500/- per month.
- (iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500—2000/- as prescribed from time to time, Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500/- with a non-practising allowance of Rs. 500/- p.m.

- (iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practising allowance of 500/- per month.

(n) Duties and Responsibilities—

*Assistant Divisional Medical Officer :*

- (i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.
- (iii) He will look after family planning public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.

NOTE (1) : When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE (2) : ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

**II Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence—**

(a) The Post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are—

1 — 5 stages	Rs. 150/- Per month
6 — 10 stages	Rs. 200/- per month
11 stages onward	Rs. 250/- per month

(b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—

**(i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.**

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medi-

cal Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA.—

1 — 3 stages	Rs. 250/- per month
4 — 5 stages	Rs. 300/- per month
6 — 7 stages	Rs. 350/- per month
8 — 9 stages	Rs. 400/- per month
10—11 stages	Rs. 450/- per month

**(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICE.**

Officers who have put in 5 years of service in the senior scale and possess post-graduate qualifications can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- NPA.

**(iii) SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.**

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Service, on completion of 6 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA.

**(iv) Nature of duties—(1) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS.**

- (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patient departments daily and as required.
- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
- (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

**(2) GDO GR. I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER.**

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

**(3) SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.**

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence or leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estts. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

**(4) SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.**

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation thereon all matters connected with Medical Estts.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of all PMO's SMO's and AMSs.

**III. Junior Scale posts in the Central Health Service :**

(a) Candidates will be appointed to junior 'Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extend at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation.

(b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands. P&T department etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab. and consultant practice is prohibited.

(c) The following are the rates of pay admissible :

**Junior Group 'A' Scale**

Revised Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300

N.P.A.

1 to 5 stages	Rs. 450 per month
6 to 10 stages	Rs. 200 per month
11th stage onwards	Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years' service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

**Senior Scale Group 'A'**

Revised Scale Rs. 1100—50—1600.

N.P.A.

1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Officers having 10 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000 provided the candidate possesses the requisite qualifications, including post-graduate qualification where necessary.

**Specialists Grade II**

Revised Scale : Rs. 1100—50—1500—EB—60—1800.

N.P.A.

1 to 3 stages	Rs. 300 per month
4 to 6 stages	Rs. 350 per month
7 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 12 stages	Rs. 450 per month
13 to 14 stages	Rs. 500 per month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade I : at least 50% of vacancies to be filled through promotion.

**Specialist Grade I**

Revised Scale : Rs. 1800—100—2000—125/2—2250—Rs. 600 per month.

**Supertime Grade II**

Revised Scale : Rs. 1500—60—1800—100—2000—Rs. 600 per month.

Officers holding posts in Specialist Grade I or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the either grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade I Level II.

**Supertime Grade I Level II**

Revised Scale : Rs. 2250—125/2—2500—Rs. 600 per month.

**Supertime Grade I Level I**

Revised Scale : Rs. 2500—125/2—2750—Rs. 600 per month.

Vacancies in Supertime Grade I Level I shall be filled from amongst officers in Supertime Grade I Level II with 2 years' service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years' service in either grade.

**IV. General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Corporation of Delhi :**

(a) The post is temporary in Category A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are :

1-5 stages	Rs. 150/- P.M.
6-10 stages	Rs. 200/- P.M.
11 stages and onward	Rs. 250/- P.M.

(b) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the hospital/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one month's pay in lieu of notice.

### APPENDIX III

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

##### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item), several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

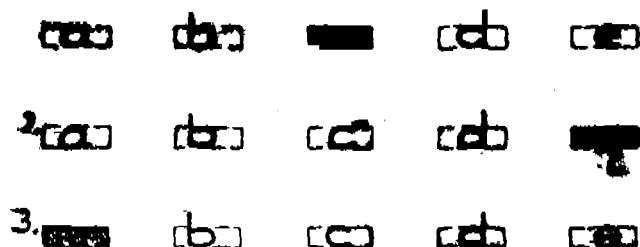
##### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a,b,c,..... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

##### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a,b,c,d,e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is, important that—

1. You should bring and use only good quality **HB** pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

##### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. No body will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Superior. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you for rough work on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

##### F. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your *pen*. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

##### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. These will be no negative marking.

#### G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permit you to leave the hall. You are NOT allowed to take test booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?

- (a) the successors of Ashoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

2 In a parliamentary form of Government :—

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to the Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :—

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

4. The nearest planet to the Sun is :

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

5. Which of the following statements explain the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.